नई दिल्ली

रविवार 17 मई 2026

ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा वर्ष : 30, अंक : 28

पृष्ठ 12 मूल्य 2.00


**मौसम**

अधि. 43

न्यून. 32


# हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com


मप्र हाईकोर्ट ने लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग के लिए कोर्टरूम लाइव ऑडियो-विजुअल स्ट्रीमिंग सिस्टम क्लास व डिजिटल डेटा मैनेजमेंट सिस्टम 'प्रथम' किया लॉन्च

**भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत का बड़ा बयान**

## न्यायपालिका को अस्पतालों की तरह 24X7 कार्य करना होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि नई तकनीक की धाराओं के माध्यम से कोर्ट, पुलिस, प्रिजन, फॉरेंसिक और मेडिको लीगल की शाखाएं यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म में एकाकार होते हुए न्याय पाने में आमजन के लिए सहायक सिद्ध होंगी। लोगों को त्वरित रूप से न्याय देने के लिए न्यायपालिका को अस्पतालों की तरह 24X7 कार्य करना होगा। मप्र उच्च न्यायालय ने डिजिटल सेवाओं का विकास कर न्याय प्रक्रिया को तेज और सरल बनाया है। अब उच्च न्यायालय के डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए समय पर बंदियों को मुक्त करने, अर्जेंट हियरिंग, कोर्ट ऑर्डर के डिजिटलीकरण जैसी अनेक सुविधाएं मिलेंगी। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मप्र उच्च ▶▶ शेष पेज 5 पर

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ के बाद राजधानी में आयोजित किए गए 'सेना संवाद' कार्यक्रम में बोले सेनाप्रमुख

# 'ये पाकिस्तान तय करेगा कि वो इतिहास या भूगोल में से किसका हिस्सा बनेगा' : जनरल द्विवेदी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में की गई भारतीय सशस्त्र सेनाओं की ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई की पहली वर्षगांठ के करीब एक सप्ताह के भीतर शनिवार को सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को बेहद सख्त अंदाज में चेतावनी दी है। जिसमें उन्होंने कहा कि अगर अब भी पाकिस्तान भारत के खिलाफ अपनी आतंकी साजिशों को बढ़ावा देना जारी रखता है। तो उसे यह तय करना पड़ेगा कि वो इतिहास का हिस्सा बनेगा या फिर भूगोल का। क्योंकि भारत किसी भी कीमत पर अपनी सुरक्षा और संप्रभुता के साथ कोई समझौता नहीं करेगा।

अगर पड़ोसी दुश्मन देश की तरफ से नई दिल्ली के विरूद्ध कोई आतंकवादी साजिश रची गई तो उसका हमारे द्वारा तुरंत मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। यह जानकारी सेनाप्रमुख ने राजधानी के मानेकशॉ केंद्र में ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ (7-10 मई 2026 तक) के लगभग एक सप्ताह के भीतर आयोजित किए गए 'सेना संवाद' नामक कार्यक्रम में दी है। जिसमें उनसे खासतौर पर यह पूछा गया था कि अगर भारत के सामने ऑपरेशन सिंदूर जैसे हालात फिर से बनते हैं तो उसकी प्रतिक्रिया क्या होगी?

### राजनाथ भी दे चुके ऐसी चेतावनी

सेनाप्रमुख से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी पिछले साल 2025 में गुजरात के सर क्रीक के इलाके से पड़ोसी दुश्मन देश को चेतावनी देते हुए उसका नामो निशान भूगोल से मिटा देने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि यह पाकिस्तान ही है, जिसने सर क्रीक के इलाके में अपनी गतिविधियों को बढ़ाया है। लेकिन यहां उसके द्वारा किए गए किसी भी दुस्साहस का निर्णायक जवाब दिया जाएगा। सेना और सीमा सुरक्षा बल मुस्तैदी से तैनात हैं। पाकिस्तान के अड़ियल रुख के कारण यह मुद्दा आज तक हल नहीं हो सका है। वहीं, सेनाप्रमुख ने अपने ▶▶ शेष पेज 5 पर

### दोनों देशों में संवाद की कोई गुंजाइश नहीं?

यहां गौर करने वाली एक बात यह भी है कि सेनाप्रमुख जनरल द्विवेदी का यह बयान एक ऐसे समय पर सामने आया है। जब बीते दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने अपने एक बयान में कहा था कि भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत के लिए एक खिड़की हमेशा खुला रहनी चाहिए। जिसका पूर्व सेनाप्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरावणे ने भी समर्थन किया था। भारत से इन दोनों टिप्पणियों के आने के बाद पाकिस्तान ने भी इनका स्वागत किया है। लेकिन अब जनरल द्विवेदी का बयान कुछ और ही कहानी बयां कर रहा है।

**खबर संक्षेप**

### पॉक्सो में केंद्रीय मंत्री का बेटा बंदी गिरफ्तार

**हैदराबाद।** केंद्रीय राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार के बेटे बंदी भगीरथ को साइबराबाद पुलिस ने पॉक्सो मामले में गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, इस कार्रवाई को लेकर दावों में मतभेद हैं। केंद्रीय मंत्री ने 'एक्स' पर दावा किया कि उनके बेटे ने कानून का सम्मान करते हुए आत्मसमर्पण किया है। वहीं, पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने इसे खारिज करते हुए कहा कि भगीरथ को हैदराबाद के बाहरी इलाके से गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले, तेलंगाना हाईकोर्ट से राहत न मिलने पर पुलिस ने भगीरथ के खिलाफ लुक-आउट सर्कुलर जारी किया था। केंद्रीय मंत्री ने बेटे का बचाव करते हुए कहा कि वकीलों के समक्ष सबूत पेश करने के कारण पेशी में देरी हुई। यह मामला नाबालिग के यौन उत्पीड़न की शिकायत से जुड़ा है।

विश्व के कई भागों में जारी युद्ध, ऊर्जा संकट को लेकर पीएम की दुनिया को बड़ी चेतावनी

# वैश्विक परिस्थितियों के न बदलने पर गरीबी के दलदल में चली जाएगी दुनिया की बड़ी आबादी: प्रधानमंत्री

*अपनी विदेश यात्रा के दूसरे पड़ाव नीदरलैंड पहुंचे मोदी, भारतीयों ने किया जोरदार अंदाज में स्वागत*

*हाथों में तिरंगा लिए लगाए मोदी-मोदी भारत माता की जय के नारे, पीएम ने एक्स पर साझा की तस्वीरें, जताया आभार*

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अपनी पांच देशों की विदेश यात्रा के दूसरे पड़ाव के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएई के बाद शनिवार को नीदरलैंड पहुंचे। जहां एम्सटर्डम हवाईअड्डे पर रेड कार्पेट के साथ नीदरलैंड के विदेश मंत्री टॉम बेरेंडसेन और रियर एडमिरल लुडगर ब्रमलेर ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उनके ठहरने के होटल से लेकर कम्युनिटी कार्यक्रम तक पहले से बड़ी तादाद में मौजूद भारतीय समुदाय के लोगों ने बेहद आत्मीयता और गर्मजोशी के साथ प्रधानमंत्री का जोरदार अंदाज में इस्तकबाल किया। सभी अपने हाथों में तिरंगा थामे हुए थे। जैसे ही पीएम का आगमन हुआ, पूरा हॉल मोदी-मोदी और भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा। कुछ लोग इस दौरान शेर आया...भी कहते सुने गए। यह स्वागत बेहद खास और दिल को छू लेने वाला था। क्योंकि इसमें भारत के अलग-अलग प्रदेशों की प्राचीन और पारंपरिक संस्कृति की झलक भी साफ तौर पर देखने को मिली। कथक, ओडिसी, भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, मोहिनीअट्टम और गरबा नृत्य जैसी प्रस्तुतियां भी भारतीयों ने पीएम के समक्ष दी। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी है।

**यह दशक बनता आपदाओं का दशक** भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम ने भारत की विकास यात्रा, नीदरलैंड के साथ उसके बढ़ते संबंधों के अलावा दुनिया के सामने पूर्व और वर्तमान समय में बनी हुई कुछ चुनौतियों जैसे कोरोना महामारी, दुनिया के कई भागों में जारी युद्ध और ऊर्जा संकट का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ▶▶ शेष पेज 5 पर

### लचीली सप्लाई चेन पर तेज हुई चर्चाएं

पीएम मोदी ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में दुनिया लचीली सप्लाई चेन की बात कर रही है। भारत और नीदरलैंड एक साथ मिलकर एक भरोसेमंद, पारदर्शी और भविष्य के लिए तैयार सप्लाई चेन बनाने के लिए जुटे हुए हैं। इसके अलावा दोनों ऊर्जा सुरक्षा से लेकर जल सुरक्षा तक एकजुटता से काम कर रहे हैं। ग्रीन हाइड्रोजन को लेकर भी हमारा सहयोग काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बीते वक्त में भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच ऐतिहासिक ▶▶ शेष पेज 5 पर

### 21 वीं सदी का भारत अवसरों की भूमि

उन्होंने दोनों देशों की साझेदारी के बीच का जीवंत सेतु प्रवासियों को बताया और कहा कि सरकार ने सूरीनामी हिंदुस्तानी समाज के लिए ओसीआई कार्ड की पात्रता पहले की चौथी पीढ़ी से आगे बढ़ाकर छठी पीढ़ी तक कर दी है। भारत जब सफल होता है, तो पूरी मानवता को उसका फायदा मिलता है। लेकिन आज मानवता के सामने अनेक बड़ी चुनौतियां भी हैं। लेकिन 21वीं सदी का भारत तकनीक-मानवता आधारित अवसरों की भूमि है। साथ ही वह प्राचीन है, उतना ही आधुनिक बन रहा है। इसलिए यह समय आप सभी के लिए भारत में अपने ▶▶ शेष पेज 5 पर

### संस्कृति की आस्था, माइग्रेशन के संघर्ष की कहानी

पीएम ने कहा, नीदरलैंड में रहने वाले भारतीय समुदाय की कहानी केवल माइग्रेशन तक सीमित नहीं है। बल्कि इसका संबंध संस्कृति की आस्था और उसके बीच के संघर्ष की प्रगति की कहानी है। यह वो दौर था। जब किसी ने भी ये नहीं सोचा था कि दो महासागर पार करने के बाद भी भारतीयों की पहचान इतनी गहरी और जीवंत रहेगी। आपके पूर्वज बहुत कुछ पीछे छोड़कर आए थे। लेकिन यहां हमेशा उनके साथ रहीं अपनी मिट्टी की खुशबू ▶▶ शेष पेज 5 पर

### इंडियन फ्रेंडशिप में तब्दील हुआ हेग

उन्होंने कहा, दुनिया हेग को सिटी आफ पीस एंड जस्टिस के रूप में जानती है। लेकिन यहां के माहौल को देखकर लगता है कि हेग इंडियन फ्रेंडशिप का जीता जागता उदाहरण बन गया है। जो यह स्पष्ट करता है कि पासपोर्ट का रंग, पता, टाइम जोन बदल सकता है। लेकिन मां भारती की संतानें कहीं भी रहें, ये गर्मजोशी, गर्मजोशी के साथ जीवन जीने का जज्बा हमेशा हमारे साथ रहता है। दुनिया के किसी देश को आगे बढ़ने के लिए सपने देखना जरूरी होता है। भारत भी यही कर रहा है। हमें सिर्फ बदलाव नहीं बेहतरीन चाहिए। जो तेजी से होता है। ऐसे में जब भारत में आकांक्षाएं असीमित हैं तो प्रयास भी समान रूप से हो रहे हैं। उन्होंने ▶▶ शेष पेज 5 पर

नीट पेपर लीक केस में बड़ी गिरफ्तारी

# एनटीए की एक्सपर्ट टीचर ने ही लीक किया बायोलॉजी का पेपर

- सीबीआई ने लेक्चरर को किया गिरफ्तार
- प्रश्नपत्र बनाने वाली समिति की थी सदस्य

मनीषा मंडारे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट-अंडरग्रेजुएट 2026 (नीटी-यूजी 2026) पेपर लीक मामले में सीबीआई के हाथ एक और बड़ी सफलता लगी है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने पुणे की सीनियर बॉटनी टीचर मनीषा गुरुनाथ मंडारे को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। मनीषा को नीट-यूजी 2026 के बायोलॉजी पेपर लीक की कथित मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। मनीषा मंडारे पुणे के शिवाजीनगर में स्थित मॉडर्न कॉलेज ऑफ आर्ट्स साइंस एंड कॉमर्स में बॉटनी की लेक्चरर हैं। मनीषा पिछले छह वर्षों से एनटीए के लिए नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया में योगदान दे रही थीं। सीबीआई के मुताबिक, मनीषा को एनटीए ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा प्रक्रिया में बतौर एक्सपर्ट नियुक्त किया था और बॉटनी व जूलॉजी के प्रश्नपत्रों तक उनकी पूरी पहुंच थी। जांच में सामने आया है कि अप्रैल 2026 के दौरान मनीषा मंडारे ने पुणे की मनीषा वाघमारे के जरिए कुछ नीट अभ्यर्थियों को अपने पुणे स्थित घर पर जुटाया और एक स्पेशल कोचिंग क्लास चलाई। इस क्लास में उन्होंने छात्रों को बॉटनी और जूलॉजी के कई सवाल समझाए, उन्हें नोटबुक में लिखवाया और किताबों में मार्क करवाया। सीबीआई ▶▶ शेष पेज 5 पर

सीबीएसई का बड़ा फैसला

# 9वीं और 10वीं में अब 3 भाषाएं पढ़ना अनिवार्य

**तीसरी भाषा की नहीं होगी बोर्ड परीक्षा**

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 9वीं और 10वीं के छात्रों के लिए तीन-भाषा नियम लागू करने की घोषणा की है। इस नए नियम के तहत अब विद्यार्थियों को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें से कम से कम दो भारतीय भाषाओं का होना अनिवार्य होगा। बोर्ड ने इस संबंध में सभी संबद्ध स्कूलों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं और अब भाषा की पढ़ाई एनसीईआरटी के नए पाठ्यक्रम के आधार पर कराई जाएगी। छात्रों के पास विदेशी भाषा चुनने का विकल्प रहेगा, लेकिन इसे केवल तीसरी या चौथी अतिरिक्त भाषा के रूप में ही चुना जा सकेगा। अंग्रेजी या किसी भी विदेशी भाषा को मुख्य भारतीय

फाइल फोटो

भाषाओं के स्थान पर नहीं रखा जा सकता। स्कूलों को अपनी सुविधा और शिक्षकों की उपलब्धता के अनुसार भाषाओं का चयन करने की छूट दी गई है, लेकिन इसके लिए 31 मई 2026 तक का समय तय किया गया है। राहत की बात यह है कि तीसरी भाषा के लिए कोई बोर्ड परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। इसका मूल्यांकन स्कूल स्तर पर आंतरिक (इंटरनल) रूप से होगा, हालांकि इसके अंकों का विवरण सीबीएसई के फाइनल सर्टिफिकेट में दर्ज किया जाएगा। तीसरी भाषा में प्रदर्शन के आधार पर किसी भी छात्र को 10वीं की बोर्ड परीक्षा में बैठने से नहीं रोका जाएगा।

# आईसीएआर के 113 संस्थानों का होगा औचक निरीक्षण, तय होंगे परफार्मेंस के पैरामीटर

- *राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान संस्थान के निदेशक को कारण बताओ नोटिस, शिवराज का सख्त रूख*
- *केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पुणे से लौटकर दिल्ली में ली बैठक*

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सख्त रूख अपनाते हुए पुणे स्थित आईसीएआर के राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान संस्थान के निदेशक को कारण बताओ नोटिस देने के आदेश दिए हैं। निदेशक के ढील पोल पर चौहान ने नाराजगी जतायी है। शिवराज सिंह ने निर्देश दिया कि राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान संस्थान, पुणे के निदेशक डॉ. कौशिक बनर्जी को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए और जवाब संतोषजनक न पाए जाने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि संस्थानों में निदेशक नियुक्ति की प्रक्रिया, वैज्ञानिकों की नियुक्ति व्यवस्था तथा प्रशासनिक और वैज्ञानिक नेतृत्व के चयन तंत्र पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण उन्हें उपलब्ध कराया जाए, ताकि प्रणालीगत सुधार के लिए समग्र समीक्षा की जा सके।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अध्यक्ष के रूप में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को दिल्ली में आईसीएआर के महानिदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक लेकर संस्थानों की कार्यप्रणाली, जवाबदेही, गुणवत्ता और किसानोन्मुख परिणामों को लेकर स्पष्ट और सख्त दिशा तय की। उन्होंने कहा कि आईसीएआर की संस्थाएं देश की कृषि प्रगति की धुरी हैं, इसलिए इनके कामकाज में उत्कृष्टता, दृष्टि, जवाबदेही और परिणाम अनिवार्य हैं।

चौहान ने आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट को निर्देश दिया कि 8 से 10 सदस्यों की टीम गठित कर आईसीएआर की सभी 113 संस्थाओं का औचक निरीक्षण कराया जाए। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी विभिन्न संस्थानों का औचक निरीक्षण करेंगे। उनका स्पष्ट संदेश था कि निरीक्षण का उद्देश्य केवल कमियां निकालना नहीं, बल्कि ▶▶ शेष पेज 5 पर

बोले जायसवाल, अवैध रूप से गठित किए गए न्यायाधिकरण के निर्णयों का भारत पर नहीं पड़ता प्रभाव

# सिंधु जल संधि पर अपने कड़े रुख पर कायम भारत खारिज किया मध्यस्थता न्यायाधिकरण का फैसला

**भारत की तरफ से सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का फैसला अभी भी लागू है**

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने एक बार फिर से भारत और पाकिस्तान के बीच हुई सिंधु जल संधि से जुड़े हुए मध्यस्थता न्यायाधिकरण को पूरी तरह से अवैध करार देते हुए उसके हालिया आए निर्णय को सिरे से खारिज कर दिया है। मामला पड़ोसी शत्रु देश पाकिस्तान द्वारा बीते वक्त में भारत की जम्मू-कश्मीर में चलाई जा रही किशनगंगा और रत्तले पनबिजली परियोजनाओं को लेकर नीदरलैंड के हेग स्थित मध्यस्थता न्यायाधिकरण (सीओए) में एक

शिकायत दर्ज कराए जाने से संबंधित है। जिसे लेकर शनिवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान जारी कर कहा कि भारत ने इस मामले में कभी भी ऐसे किसी तथाकथित मध्यस्थता न्यायाधिकरण को कानूनी रूप से मान्यता नहीं दी है। ऐसे में उसके किसी भी फैसले, आदेश या कार्यवाही के प्रभाव से नई दिल्ली पूरी तरह से अछूती रही है। यहां बता दें कि भारत के इस सख्त रवैये ने हेग स्थित मध्यस्थता न्यायाधिकरण की मदद से सिंधु नदी का पानी लेने की कोशिशों में जुटे पाकिस्तान के नापाक इरादों पर फिलहाल पूर्ण विराम लगा दिया है।

**15 मई को दिया था आदेश:** रणधीर ने कहा कि न्यायाधिकरण ने बीते 15 मई को एक आदेश दिया था। जिससे जुड़ी हुई खबरें हमने मीडिया में देखी हैं और उन्हीं के आधार पर मामले पर संज्ञान लेते हुए हमारा यह कहना है कि सिंधु नदी संधि को स्थगित रखने का निर्णय आज भी लागू है। अपने आदेश ▶▶ शेष पेज 5 पर

**14 से 18 आयु वर्ग के 2 करोड़ बच्चे स्कूल से बाहर, चिंतित शिक्षा मंत्रालय ने की समीक्षा बैठक**

पहले चरण में देश के 10 जिलों को किया जाएगा शामिल, राजधानी दिल्ली, मप्र, छत्तीसगढ़ में भी गंभीर हैं हालात

# एनआईओएस के साथ बच्चों को फिर से स्कूल से जोड़ने की पहल को युद्धस्तर पर देशभर में लागू करने का लिया निर्णय

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पहले कोरोना महामारी और उसके बाद अलग-अलग कारणों से स्कूलों से दूर होते बच्चों को फिर से वापस लाने के बेहद संवेदनशील मामले को लेकर शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय में स्कूली शिक्षा विभाग के सचिव संजय कुमार की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय बैठक हुई। पीएलएफएस के ताजा अनुमान बताते हैं कि वर्तमान में 14 से लेकर 18 वर्ष तक की आयु वर्ग के कुल करीब 2 करोड़ बच्चे स्कूलों से बाहर यानी आउट ऑफ स्कूल हैं। वहीं, कक्षा 1 में दाखिला लेने वाले 100 में से केवल 62 बच्चे ही 12वीं कक्षा तक पहुंच पाते हैं।

### ओपन स्कूल की अहम भूमिका

मंत्रालय में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने बच्चों के द्वारा अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ने के मामले को बेहद गंभीर माना और कहा कि इसके पीछे आर्थिक कारण, घरेलू मजबूरियां और आजीविका से जुड़ी हुई चुनौतियां हो सकती हैं। जिसे देखते हुए इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हर बच्चे को कम से कम माध्यमिक या उच्च-माध्यमिक ▶▶ शेष पेज 5 पर

### शुरुआत में 10 जिलों में लागू होगी पहल

एनआईओएस के अध्यक्ष प्रोफेसर अखिलेश मिश्रा ने कहा, शिक्षा आशा, गरिमा और अवसर का प्रतीक है। लेकिन मुख्य चुनौती तो उन बच्चों तक पहुंचने की है, जो शिक्षा प्रणाली से कटे हुए हैं। लेकिन अब इस बाबत शुरू की जा रही पहल को उन्होंने शैक्षिक समावेशन का एक ऐसा जन आंदोलन बताया। जिसका उद्देश्य लचीले, समावेशी ▶▶ शेष पेज 5 पर

### दिल्ली, मप्र., छत्तीसगढ़ में समस्या गंभीर

इस पहल के शुरुआती कार्यक्रम के लिए ऐसे पायलट जिलों की पहचान की गई है। जहां स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या बहुत कम है। जिसमें ओडिशा, महाराष्ट्र, दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक जैसे राज्य शामिल हैं। पहले चरण में पहल को देश के 10 जिलों में लागू किया जाएगा और फिर मिले अनुभव के आधार पर इसे देशभर में क्रियान्वित किया जाएगा।

# फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों की जीएसटी धोखाधड़ी करने वाले सात गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

आर्थिक अपराध शाखा ने जीएसटी धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। 128 करोड़ के इस नकली जीएसटी इनवॉइस रैकेट में शामिल मुख्य आरोपी सीए समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने 51.12 लाख नकद, 15 मोबाइल फोन, दो कार, लैपटॉप, नकली मोहरें, जाली दस्तावेज, डिजिटल उपकरण, नकली इनवॉइस और कई कार्ड बरामद किए हैं। जांच में पता चला कि फर्जी जीएसटी रिटर्न, नकली बिलिंग और गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा करने के लिए नकली संस्थाओं का इस्तेमाल किया जा रहा था। अब तक 50 शेल कंपनियां पहचानी गई हैं, जिनका इस्तेमाल नकद लेनदेन और फर्जी जीएसटी प्रविष्टियों के बदले पैसे घुमाने के लिए किया जा रहा था।

एडिशनल सीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि 24 मार्च को इसी साल एक मामला दर्ज किया गया था। यह मामला आर के इंटरप्राइजेज नामक एक नकली प्रोप्राइटरशिप फर्म के धोखाधड़ी से निर्माण और संचालन के संबंध में था। इस फर्म को जीएसटी विभाग में नौकरी दिलाने के झूठे बहाने से एक अनजान व्यक्ति की पहचान और वित्तीय दस्तावेजों का दुरुपयोग करके बनाया गया था। जांच में पता चला कि पीड़ित के आधार कार्ड, पैन कार्ड, बिजली के बिल और बायोमेट्रिक सत्यापन का दुरुपयोग करके सितंबर 2025 में उक्त फर्म का निर्माण किया गया था। आगे की जांच में पता चला कि उक्त संस्था के माध्यम से 128 करोड़ से अधिक के लेनदेन किए गए थे और लगभग 10 करोड़ का गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी से प्राप्त किया गया था। तकनीकी निगरानी, जीएसटी रिकॉर्ड, बैंकिंग लेनदेन, ईमेल आईडी और डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण से पता चला कि आरोपी दिलीप कुमार और राज कुमार दीक्षित नकली कंपनियां बनाने, फर्जी जीएसटी इनवॉइस जारी करने और धोखाधड़ी वाले जीएसटी रिटर्न दाखिल करने में शामिल मुख्य षड्यंत्रकारी थे। आगे की जांच में पता चला कि आरोपी अमर कुमार और विभाष कुमार मित्रा ने नकली संस्थाओं को चलाने में मदद की, जबकि आरोपी नितिन वर्मा, मोहम्मद वसीम और आबिद भी इस साजिश में शामिल थे। इन्होंने नकली लेन-देन और फर्जी जीएसटी गतिविधियों से कमाए गए पैसों को इधर-उधर करने के लिए बैंक खाते और इंटरनेट बैंकिंग की जानकारी उपलब्ध कराई थी। इस मामले की आगे की जांच चल रही है, ताकि इस सिंडिकेट से जुड़े अन्य लाभार्थियों और संस्थाओं की पहचान की जा सके।

## नाबालिग समेत दो पकड़े

# प्रतिद्वंद्वी गुट ने युवक को पीट पीटकर उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

मध्य जिला पुलिस ने आनंद पर्वत इलाके में 21 वर्षीय एक युवक की हत्या के सिलसिले में दो आरोपियों को पकड़ा है। इनमें एक नाबालिग भी शामिल है। गिरफ्तार एक व्यक्ति का नाम बलजीत नगर निवासी विराट उर्फ गट्टू (22) बताया गया है।

पुलिस के अनुसार गुरुवार को आनंद पर्वत पुलिस थाने में बलजीत नगर के रामजस पार्क के पास युवकों के एक समूह द्वारा की गई मारपीट के संबंध में पीसीआर के जरिये सूचना प्राप्त हुई थी। पीसीआर को सूचना देने वालों ने बताया कि इलाके से गुजर रहे तीन युवकों को करीब 10 अज्ञात व्यक्तियों ने रोक उन पर हमला किया। हमलावर बाद में एक युवक को जबरन अपने साथ उठा ले गये। मौके पर पहुंचने पर पुलिस को रामजस पार्क की चारदीवारी के निकट कूड़े के ढेर के बगल में एक अज्ञात व्यक्ति बेहोश पड़ा मिला। पीड़ित के सीने और सिर के बाईं ओर जख्म के कई निशान थे। घायल को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल से बरामद मोबाइल फोन से मिले सिम कार्ड के जरिये मृतक की पहचान की। मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई और रामजस पार्क के पास से ही विराट को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि विराट से पूछताछ के बाद अपराध में इस्तेमाल किया गया चाकू भी पास के जंगल से बरामद हो गया। पुलिस ने यह भी बताया कि हत्या के संबंध में एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है। मामले में शामिल शेष आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

# चोरी के माल के साथ ज्वैलर समेत तीन लोग गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के बिंदापुर इलाके में हुई चोरी के सिलसिले में एक जौहरी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनसे लाखों रुपये मूल्य की पिघली हुई चांदी, नकदी, सोने-चांदी के आभूषण और पुराने सिक्के बरामद किए गये हैं। आरोपियों के नाम हर्ष प्रसाद (20), आकाश यादव (19) और जौहरी राजेश कुमार कटारिया (54) बताये गये हैं।

पुलिस के अनुसार 28 अप्रैल को एक ई-एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि अज्ञात व्यक्तियों ने उसके घर से सोने और चांदी के आभूषणों के साथ-साथ 73,800 रुपये नकद चोरी कर लिए थे। जांच के दौरान पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया और एक व्यक्ति को शिकायतकर्ता के घर में प्रवेश करते और लगभग दो घंटे तक अंदर रहने के बाद बाहर निकलते हुए देखा। बाद में संदिग्ध की पहचान आकाश के रूप में हुई। 29 अप्रैल को एक टीम ने आकाश को नजफगढ़ से पकड़ा। पूछताछ के दौरान उसने हर्ष की संलिप्तता का खुलासा किया, जिसके बाद हर्ष को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने खुलासा किया कि चोरी की गई चांदी को पिघलाकर करोल बाग के एक जौहरी को 5.10 लाख रुपये में बेच दिया गया था। इस खुलासे के आधार पर पुलिस ने जौहरी को गिरफ्तार कर लिया और उसके पास से 2.433 किलोग्राम पिघली हुई चांदी की ईंट बरामद की। आरोपियों से लगभग 5.58 लाख रुपये नकद, सोने के आभूषण, चांदी की पायल, पैर की अंगूठियां और 198 पुराने भारतीय और विदेशी सिक्के बरामद किए गए।

# आईपीयू में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स ने "भारतीय ज्ञान परंपरारू निरंतरता, विच्छेद और समन्वय" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। आईपीयू प्रवक्ता ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स की प्रभारी प्रो. क्वीनि प्रधान ने रेखांकित किया कि सम्मेलन का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा (आईकेएस) के विकसित हो रहे क्षेत्र के इर्द-गिर्द आलोचनात्मक संवाद के लिए विभिन्न अनुशासनात्मक पृष्ठभूमियों के विद्वानों, शोधकर्ताओं और छात्रों को एक मंच पर लाना था। सम्मेलन में कई प्रतिष्ठित विद्वानों और प्रख्यात बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में प्रख्यात बुद्धिजीवी एवं आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी उपस्थित रहे। सम्मेलन के दो दिनों के दौरान भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित विभिन्न विषयों और उप-विषयों पर आयोजित तकनीकी सत्रों में पूरे भारत से 30 से अधिक विद्वानों और शोधकर्ताओं ने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

## कुत्तों के साथ गलत हरकत करने वाला दबोचा

**नई दिल्ली।** फर्श बाजार थाना क्षेत्र के शालीमार पार्क एक्सटेंशन इलाके में कुत्तों के साथ कथित तौर पर गलत हरकत करने के आरोप में एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद लोगों में आक्रोश फैला हुआ था। एनजीओ द्वारा भी पुलिस को शिकायत दी गई थी। शिकायतकर्ता बबीता ने पुलिस को बताया कि वह बेसहारा जानवरों की देखभाल और उन्हें खाना खिलाने का काम करती हैं। 14 मई की रात उन्हें सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति कुत्तों के साथ गलत हरकत करता है। आरोप है कि आरोपी शख्स लंबे समय से इस तरह की हरकत कर रहा था। उसका वीडियो भी प्रसारित हो रहा था। पुलिस के अनुसार शिकायत के आधार पर फर्श बाजार थाने में पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

# डेटिंग एप के जरिये हनी ट्रैप व वसूली गिरोह के चार गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने 'डेटिंग एप्लिकेशन' के माध्यम से लोगों से पैसे वसूलने वाले हनी ट्रैप और जबरन वसूली गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस रैकेट में शामिल लोग खुद को पुलिस अधिकारी बताकर लोगों को डराते धमकाते और वसूली करते थे। गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों के नाम नजफगढ़ निवासी सुशील कुमार (53), सोनीपत के दीपक उर्फ साजन, उत्तम नगर के विनोद पंडित (57) और तिलक नगर के नीरज त्यागी उर्फ धीरू (44) बताये गये हैं।

पुलिस के अनुसार मामला दर्ज होने के बाद जांच टीमों ने गिरोह की गतिविधियों पर नजर रखी। खुफिया जानकारी जुटाई गई और आखिर में 12 मई को राजौरी गार्डन में कल्याण ज्वैलर्स के पास एक जाल बिछाया। इस दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध वाहन को रोका। तीन आरोपी भागने में कामयाब रहे, जबकि सुशील कुमार को मौके पर ही पकड़ लिया गया। उसके साथ पीड़ित भी था। उस समय कुमार पुलिस की नकली वर्दी पहने हुए था। पीड़ित की शिकायत और जांच के आधार पर शेष आरोपियों को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि गिरोह भोले-भाले पुरुषों को लुभाने के लिए डेटिंग एप्लिकेशन पर महिलाओं के नाम से फर्जी प्रोफाइल बनाता था। पुलिस ने बताया कि संपर्क स्थापित करने के बाद महिला सहयोगी लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर मिलने के लिए आमंत्रित करती थीं और फिर उन्हें किराए के फ्लैट या सुनसान स्थानों पर ले जाती थी। गिरोह के अन्य सदस्य फर्जी पुलिस छापे मारते थे और पैसे वसूलने के लिए लोगों को बलात्कार सहित झूठे आपराधिक मामलों में फंसाने की धमकी देते थे। गिरफ्तार किए गए तीन आरोपी पहले बिंदापुर थाने में दर्ज इसी तरह के एक अन्य मामले में भी शामिल रहे हैं।

# बस मार्शलों ने स्थाई समाधान के लिए प्रदेश भाजपा कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली में वर्षों तक डीटीसी बसों में महिला सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाले 10,792 पूर्व सिविल डिफेंस बस मार्शलों ने अपनी स्थायी नियुक्ति की मांग को लेकर शनिवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा को ज्ञापन सौंपा है। मार्शलों का कहना है कि अक्टूबर 2023 में उन्हें अचानक सेवा से हटा दिया गया, जिसके बाद हजारों परिवार आर्थिक संकट में आ गए। प्रतिनिधिमंडल में शामिल मुकेश पाल ने बताया कि मार्च 2025 में उन्हें केवल चार महीने के लिए प्रदूषण ड्यूटी दी गई थी, लेकिन वह भी समाप्त हो चुकी है और अब अधिकांश मार्शल बेरोजगार हैं। पूर्व बस मार्शलों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो वे 22 मई को सुबह 11 बजे चांदगी राम अखाड़ा पर अपने परिवारों सहित एकत्र होकर धरना-प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने अपील की है कि आंदोलन स्थल पर आकर पारदर्शी नीति और निश्चित समय सीमा के साथ स्थायी रोजगार की सार्वजनिक घोषणा की जाए, ताकि आंदोलन समाप्त कराया जा सके। पूर्व बस मार्शलों ने दावा किया कि 8 से 10 वर्षों तक लगातार सेवा देने के बावजूद उन्हें स्थायी रोजगार नहीं मिला। उनका कहना है कि लंबे समय से बेरोजगारी के कारण कई परिवार भुखमरी की कगार पर पहुंच चुके हैं और कुछ मार्शलों ने आत्महत्या तक की चेतावनी दी है। ज्ञापन में दिल्ली सरकार से मांग की गई है कि होम डिपार्टमेंट के अंतर्गत 10,792 स्थायी "सिविल डिफेंस मार्शल" पद सृजित किए जाएं। साथ ही स्थायी नीति बनने तक "जैसा है, जहां है" के आधार पर तत्काल बहाली की जाए। मार्शलों ने 25,000 रुपए वेतन और डीए सहित मूलभूत सुविधाएं देने की भी मांग रखी है। मार्शलों का कहना है कि "समान काम, समान वेतन" और श्रम कानूनों के आधार पर वे स्थायी नियुक्ति के हकदार हैं।

## रोहिणी के नशामुक्ति केंद्र में एक व्यक्ति मृत मिला, जांच जारी

**एजेंसी, नई दिल्ली।** दिल्ली में रोहिणी के अमन विहार इलाके में स्थित नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र में 22 वर्षीय एक युवक मृत पाया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृत युवक सुल्तानपुरी का निवासी था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना की जानकारी सुबह करीब छह बजे पुनर्वास केंद्र के कर्मचारियों द्वारा परिवार के सदस्यों को दिए जाने के बाद सामने आई। सूत्रों ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। परिवार के सदस्यों और केंद्र के कर्मचारियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शव को मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। सूत्रों के अनुसार, परिसर और आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई है और अब तक किसी प्रकार की गड़बड़ी के संकेत नहीं मिले हैं। हालांकि, पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

# जितेंद्र गोगी गैंग का शूटर चढ़ा स्पेशल सेल के हत्थे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

स्पेशल सेल ने जितेंद्र गोगी गैंग के एक शूटर को गिरफ्तार किया है। पानीपत निवासी सचिन चौधरी उर्फ सोनू (24) के पास से एक सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल और पांच कारतूस बरामद हुये हैं। करावल नगर थाने के 'हत्या के प्रयास' और पानीपत के इसराना थाने के 'दंगा, गैर-कानूनी जमावड़ा और हमले' के एक मामलों में इसे 'घोषित अपराधी' करार दिया गया था।

पुलिस के अनुसार आरोपी ने करावल नगर इलाके में गत वर्ष अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर 16 अक्टूबर के दिन जौहरीपुर स्थित जगदंबा कॉलोनी इलाके में एक वकील की हत्या का प्रयास किया था। इसके तीन साथी पहले ही स्पेशल सेल द्वारा गिरफ्तार किये जा चुके थे। कोर्ट ने इस साल 10 अप्रैल को मामले में इसे भगौड़ा अपराधी घोषित करार दिया था। जांच में आरोपी पानीपत के तीन अन्य केस में भी शामिल पाया गया। पुलिस के अनुसार सोनू कैथल जिले के सीसला गांव का मूल निवासी है। वह वर्तमान में जटल रोड, सौधापुर चौक, पानीपत में रह रहा था। ज्यादा पढ़ा लिखा नहीं है। गोगी गैंग से मिलने वाले पैसों पर इसका गुजारा चल रहा था। इससे पहले सिक्योरिटी गार्ड और एक आटा चक्की ऑपरेटर के तौर पर भी काम किया था। वर्ष 2021 में सोनू का संपर्क अमेरिका में बैठे संदीप दहिया से हुआ था। संदीप गोगी गैंग का सहयोगी है। वह एनक्रिप्टेड सोशल मीडिया ऐप्स के जरिए उससे संपर्क साधता था। संदीप ने ही सोनू की मुलाकात आकाश पांचाल से करवाई थी। आकाश करावल नगर गोलीबारी मामले में सह-आरोपी है और उसे स्पेशल सेल द्वारा पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। जब सोनू 2022 में पानीपत के मॉडल टाउन में डकैती करने के बाद फरार था, तब आकाश ने उसे पनाह दी थी। अक्टूबर 2025 में संदीप दहिया के कहने पर सोनू ने आकाश और दो अन्य लोगों के साथ मिलकर पीड़ित की कार का रास्ता रोका और उस पर गोलियां चलाई। हत्या की इस कोशिश के पीछे की वजह पीड़ित के साथ आकाश के निजी झगड़े थे। हमले के लिए हथियार संदीप दहिया ने सोनू को भेजा था।

**अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **रवि कुमार उर्फ रवि शर्मा** पंजाब मिल्क प्रोडक्ट, **पता: H-11, करमपुरा, नई दिल्ली-110015,** ने **CC NO. 543831/2016, U/s 138 NI ACT, थाना: प्रसाद नगर, नई दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **रवि कुमार उर्फ रवि शर्मा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **रवि कुमार उर्फ रवि शर्मा**, फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC NO. 543831/2016, U/s 138 NI ACT, थाना: प्रसाद नगर, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **रवि कुमार उर्फ रवि शर्मा**, से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अरविंद तोमर एलडी.
न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी (NIAct)-07
केन्द्रीय जिला, कमरा नं 507
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/6384/CD/2026
(Court Matter)

## पीएम और केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफा देने की मांग

# नीट पेपर लीक मामले को लेकर जंतर-मंतर पर धरना, छात्र हिरासत में लिए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

नीट पेपर लीक को लेकर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता छात्रों के साथ शनिवार को जंतर-मंतर पर अनिश्चित कालीन धरने पर बैठ गए। आम आदमी पार्टी दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने छात्रों का समर्थन करते हुए कहा कि छात्र नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक का स्थायी समाधान चाहते हैं। इस दौरान हाथों में 'धर्मेंद्र प्रधान हटाओ, शिक्षा बचाओ, एनटीए जवाब दो, लाखों बच्चों को इंसाफ दो, बच्चों की मौत का जिम्मेदार कौन' लिखे पोस्टर लेकर शांतिपूर्वक धरने पर बैठे कार्यकर्ताओं ने सरकार पर असली मास्टर माइंड को बचाने का आरोप लगते हुए नारेबाजी की। वहीं, देर शाम दिल्ली पुलिस ने धरने पर बैठे कार्यकर्ताओं समेत कई छात्रों को हिरासत में ले लिया। साथ ही, वे प्रधानमंत्री से इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों को हिरासत में ले लिया गया। अब छात्रों और नागरिकों को सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की भी अनुमति नहीं है। यह बेहद शर्मनाक है।

### नीट का पेपर हर बार होता है लीक: आप

आम आदमी पार्टी का कहना है कि पेपर लीक की जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपना इस्तीफा दे देना चाहिए। नीट का पेपर हर बार लीक होता है- 2017, 2019, 2021, 2024 और अब 2026 में भी यह पेपर लीक हुआ है। सिर्फ नीट ही नहीं, बल्कि पुलिस एग्जाम सहित कई अन्य एग्जाम भी हर बार लीक होते हैं। ऐसा व्यवस्था में किसी न किसी लूप होल की वजह से होता है। हम सरकार से मांग करते हैं कि वह बताए कि यह लूप होल कहां है, क्योंकि सरकार और व्यवस्था दोनों उनकी है।

### इस्तीफा नहीं देंगे, हम सब यहां हड़ताल करते रहेंगे

आप ने कहा कि आज कई बच्चे आत्महत्या कर रहे हैं। वे आत्महत्या इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वे पांच-छह साल तक तैयारी करते हैं और ये लोग 15 मिनट में आकर पेपर लीक कर देते हैं। ये लोग चंद पैसों की वजह से बच्चों की सालों की मेहनत बर्बाद कर देते हैं। क्या पैसा इतना जरूरी है कि बच्चों की मेहनत इस तरह बर्बाद कर दी जाए? हम शिक्षा मंत्री से इस्तीफा चाहते हैं और जब तक वे इस्तीफा नहीं देंगे, हम सब यहां हड़ताल करते रहेंगे।

**आईएसएफ लिमिटेड**

पंजी. कार्यालय : खसरा नं. 10/2, समालका, नई दिल्ली, गुड़गांव रोड, साउथ वेस्ट दिल्ली, नई दिल्ली, भारत-110037
CIN NO : L74899DL1988PLC076648, Email id: info@isflimited.in, Website: www.isflimited.in

**31 मार्च 2026 को समाप्त चतुर्थ तिमाही और वर्ष हेतु अंकेक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण**

(रु. लाख)

| विवरण | समाप्त तिमाही 31-03-2026 | समाप्त वर्ष 31-03-2026 | समाप्त तिमाही 31-03-2025 |
|---|---|---|---|
| प्रचालनों से कुल आय | 42.19 | 169.76 | 49.74 |
| कर के बाद साधारण गतिविधियों से शुद्ध लाभ | -187.49 | -166.35 | 18.92 |
| कर के बाद अवधि हेतु शुद्ध लाभ (असाधारण मदों के बाद) | -187.49 | -166.35 | 18.92 |
| इक्विटी शेयर कैपिटल (प्रत्यक्ष मूल्य रु. 1/- प्रत्येक) | 95000000 | 95000000 | 95000000 |
| पूर्ववर्ती लेखा वर्ष की बैलेंस शीट के अनुरूप पुनर्मूल्यांकन रिजर्व्स को छोड़कर रिजर्व्स | | 392.07 | |
| अर्जन प्रति शेयर (असाधारण मदों से पूर्व) रु. 1/- प्रत्येक के (वार्षिकृत नहीं) | -0.1974 | -0.1751 | 0.0199 |
| अर्जन प्रति शेयर (असाधारण मदों के बाद) रु. 1/- प्रत्येक के (वार्षिकृत नहीं) | -0.1974 | -0.1751 | 0.0199 |

**टिप्पणी : उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग एवं अन्य घोषणा आवश्यकताएं) नियमनों, 2015 के नियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजेज के पास दायर किये गये तैमाहिक/वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक सार है। तैमाहिक/वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइट्स, www.isflimited.in पर उपलब्ध है।**

1) कम्पनी के वित्तीय परिणाम कम्पनी (भारतीय लेखा मानकों) नियमों, 2015 संशोधित अनुसार के तहत अधिसूचित लेखा मानकों (Ind AS) के अनुरूप तैयार किये गये हैं।
2) उपरोक्त परिणामों की समीक्षा ऑडिट कमेटी द्वारा कर ली गई है और 15 मई 2026 को आयोजित इसकी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित कर लिये गये और रिकार्ड पर ले लिये गये हैं।
3) IND-AS 108 में परिभाषित अनुसार सेगमेंट रिपोर्टिंग लागू योग्य नहीं है क्योंकि कम्पनी का सम्पूर्ण प्रचालन केवल एक सेगमेंट से सम्बन्धित है।
4) आंकड़े आवश्यकतानुसार रिग्रुप्ड/रिअरेंज्ड कर लिये गये हैं।
5) उपरोक्त प्रस्तुत अवधियों हेतु कोई अन्य व्यापक आय नहीं है।

कृते आईएसएफ लिमिटेड
हस्ता/-
अंजलि राज
कम्पनी सचिव एवं अनुपालन अधिकारी
एम. नं. ए77251

स्थान : नोएडा
दिनांक : 15.05.2026

# रेखा गुप्ता ने 500 से अधिक मेधावी छात्राओं को बांटी साइकिलें

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बेटियों की शिक्षा केवल परिवार नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। यह साइकिल केवल एक साधन नहीं, बल्कि छात्राओं के आत्मविश्वास, स्वतंत्रता और सपनों को नई गति देने का माध्यम है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को आर. के. पुरम विधानसभा क्षेत्र में आयोजित मेधावी छात्राओं के सम्मान और निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम के दौरान यह संबोधन दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 10वीं और 12वीं कक्षा पास करने वाली छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं ताकि वे अपनी पढ़ाई आसानी, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के साथ जारी रख सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों की शिक्षा और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए ऐसे प्रयास बेहद जरूरी हैं। उन्होंने इस पहल को महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम बताते हुए आयोजकों की सराहना की। इस अवसर पर आर. के. पुरम के विधायक अनिल शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष रविन्द्र चौधरी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

## बेटियों की शिक्षा पूरे राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला

### कक्षा 9 में प्रवेश लेने वाली छात्राओं को साइकिल उपलब्ध कराई जाएगी

रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार ने निर्णय लिया है कि सरकारी विद्यालयों में कक्षा 9 में प्रवेश लेने वाली सभी छात्राओं को साइकिल उपलब्ध कराई जाएगी। हर वर्ष लगभग 1 लाख 30 हजार छात्राएं कक्षा 9 में प्रवेश लेती हैं और साइकिल मिलने से वे कक्षा 9 से लेकर कॉलेज एवं कोचिंग तक अपनी पढ़ाई के दौरान इसका उपयोग कर सकेंगी। गर्मियों की छुट्टी के बाद छात्राओं को साइकिल वितरण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

### सरकार का उद्देश्य, कोई भी बेटी संसाधनों की कमी के कारण सपनों से समझौता न कर

मुख्यमंत्री ने आर. के. पुरम के विधायक अनिल शर्मा और रोटरी क्लब दिल्ली इंपीरियल की सराहना करते हुए कहा कि सरकार की योजना लागू होने से पहले ही 500 से अधिक छात्राओं को साइकिल प्रदान कर उन्होंने समाज के सामने प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने रोटरी क्लब सहित सभी सहयोगियों का विशेष आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार शिक्षा के क्षेत्र में बेटियों को अधिक अवसर, सुरक्षा और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी बेटी संसाधनों की कमी के कारण अपनी पढ़ाई या सपनों से समझौता न करे।

## खबर संक्षेप

### छोटे बच्चों के आहार पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

**नई दिल्ली।** शिशु एवं छोटे बच्चों के आहार पर चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (11-14 मई 2026) का आयोजन दिल्ली सरकार के गुरु गोबिंद सिंह सरकारी अस्पताल में बीपीएनआई और मोबाइल क्रेचेस के सहयोग से किया गया। यह प्रशिक्षण मोबाइल क्रेचेस के फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य समुदाय में माताओं और छोटे बच्चों को सहयोग देने हेतु उनके ज्ञान और कौशल को मजबूत करना था। कार्यशाला में सही स्तनपान पद्धतियों, माताओं की चुनौतियों, पूरक आहार, स्तनपान से जुड़े मिथकों तथा बच्चों की वृद्धि निगरानी जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया। साथ ही, काउंसलिंग तकनीकों और माताओं को सफलतापूर्वक स्तनपान कराने में मदद करने के व्यावहारिक तरीकों पर भी जोर दिया गया।

### दिल्ली सरकार ने विमान ईंधन पर वैट 25 प्रतिशत से घटाकर 7 किया

नई दिल्ली। हाल की वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों, उड्डयन क्षेत्र पर बढ़ते वित्तीय दबाव को देखते हुए दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर वैट दर को 25 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार यह रियायती दर प्रारंभिक तौर पर छह महीने की अवधि के लिए लागू की जाएगी। देश और दिल्ली हित में लिए गए इस निर्णय से सरकार को लगभग 985 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि दिल्ली एयरपोर्ट वर्तमान में देश का सबसे बड़ा एविएशन हब बना हुआ है। वर्ष 2024-25 में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लगभग 8 करोड़ यात्रियों की आवाजाही दर्ज की गई, जो देश में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार उड्डयन, पर्यटन, व्यापार, लॉजिस्टिक्स और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा राष्ट्रीय राजधानी को देश का सबसे मजबूत आर्थिक और कनेक्टिविटी केंद्र बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि सरकार का यह निर्णय फिलहाल छह माह तक रहेगा।

### जलभराव की समस्या से मिलेगी राहत

# 'नरेला-बवाना रोड पर 55 करोड़ की ड्रेन परियोजना का शिलान्यास'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को नरेला-बवाना रोड पर नरेला रेलवे क्रॉसिंग से डीजेबी आउटफॉल तक बनने वाली प्रीकास्ट आरसीसी ड्रेन परियोजना का शिलान्यास किया। यह परियोजना दिल्ली के ड्रेनेज मास्टर प्लान के तहत शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में जलभराव की समस्या का दीर्घकालिक और व्यवस्थित समाधान सुनिश्चित करना है।

इस मौके पर क्षेत्रीय सांसद योगेंद्र चांदोलिया, क्षेत्रीय विधायक राजकरण खत्री, निगम में स्थायी समिति के पूर्व अध्यक्ष मोहन भारद्वाज सहित संबंधित अधिकारी और क्षेत्रीय गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री प्रवेश ने बताया कि करीब 55 करोड़ की लागत वाली यह परियोजना कुल 9.5 किलोमीटर

लंबाई में विकसित की जाएगी। इसके तहत सड़क के एक ओर 5 किलोमीटर और दूसरी ओर 4.5 किलोमीटर लंबी ड्रेन का निर्माण किया जाएगा।

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि प्रीकास्ट तकनीक के जरिए तेज़, बेहतर और सुविधा के साथ निर्माण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य टिकाऊ समाधान देना है, ताकि लोगों को ज़मीनी स्तर पर वास्तविक बदलाव दिखाई दे।

### यातायात भी सुचारू रूप से चलता रहेगा

मंत्री ने बताया कि पारंपरिक निर्माण पद्धति की तुलना में प्रीकास्ट निर्माण से धूल, मलबा और सड़क पर सामग्री फैलने की समस्या काफी कम होती है। इससे आम लोगों को कम परेशानी होगी और यातायात भी सुचारू रूप से चलता रहेगा।

### आधुनिक प्रीकास्ट तकनीक से होगा निर्माण

मंत्री प्रवेश ने बताया कि ड्रेन का निर्माण आधुनिक प्रीकास्ट तकनीक से किया जाएगा, जिसमें निर्माण के हिस्सों को पहले नियंत्रित वातावरण में तैयार किया जाता है और बाद में साइट पर असेंबल किया जाता है। इस तकनीक से निर्माण कार्य की गति तेज़ होती है, वहीं गुणवत्ता, मजबूती और एकरूपता भी बेहतर बनी रहती है।

### ग्रेप अवधि में भी जारी रहेगा निर्माण कार्य

अधिकारियों के अनुसार, साइट पर प्रदूषण का प्रभाव न्यूनतम होने के कारण यह परियोजना ळत।ट अवधि के दौरान भी जारी रखी जा सकेगी। इससे परियोजना की समय-सीमा प्रभावित नहीं होगी और कार्य तय समय में पूरा किया जा सकेगा।

# दिल्ली बनी देश का आधुनिक लॉजिस्टिक्स हबः रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि विभिन्न राज्यों में लॉजिस्टिक्स की सुगमता '(लॉजिस्टिक्स ईज़ अक्रॉस डिफरेंट स्टेट्स) (लीड्स) 2025' इंडेक्स में राजधानी दिल्ली को देश की सर्वोच्च अनुकरणीय (इग्जेम्प्लर) श्रेणी में जगह मिली है। उन्होंने इसे दिल्ली के लिए गर्व का विषय कहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि दिल्ली सरकार द्वारा लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी बढ़ाने, व्यापार सुगमता को बेहतर बनाने और टेक्नोलॉजी आधारित प्रशासन को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि लीड्स इंडेक्स राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का मूल्यांकन लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स सेवाएं, नियामकीय व्यवस्था, डिजिटल इंटीग्रेशन, स्थिरता और हितधारकों की धारणा जैसे प्रमुख मानकों पर करता है। इस इंडेक्स में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को चार श्रेणियों, इग्जेम्प्लर, हाई परफॉर्मर, एक्सेलरेटर्स और ग्रोथ सीकर्स में रखा जाता है, जिनमें 'इग्जेम्प्लर' सबसे ऊंची श्रेणी है। दिल्ली ने लगातार प्रगति करते हुए लीड्स 2023 और 2024 में 'अचीवर' श्रेणी से आगे बढ़कर इस वर्ष देश में सर्वोच्च स्थान हासिल किया है।

### प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के तहत सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान तैयार किया

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के तहत सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान तैयार किया है, जिसे मंजूरी मिल चुकी है और जल्द ही अधिसूचित किया जाएगा। इससे शहरी माल परिवहन, अंतिम चरण की डिलीवरी व्यवस्था और शहरी फ्रेट मैनेजमेंट को अधिक व्यवस्थित बनाया जाएगा। पीएम गतिशक्ति पोर्टल पर 46 अनिवार्य लेयर्स में से 38 का सफल इंटीग्रेशन किया जा चुका है। साथ ही, 317 अतिरिक्त लेयर्स भी जोड़ी गई हैं।

### विकास कार्यों को लेकर मंत्री रविन्द्र इन्द्राज ने उपराज्यपाल संधू से की मुलाकात

*नई दिल्ली।* *दिल्ली सरकार के समाज कल्याण एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने अपने जन्मदिन के अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने दिल्ली के जनहित एवं विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की और उनके समक्ष विभिन्न लंबित एवं प्राथमिकता वाले मुद्दों को रखा। मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने दिल्ली में स्थित जल निकायों (वॉटर बॉडीज) के संरक्षण, ऑडिट, पुनर्जीवन एवं पुनर्विकास का विषय उठाते हुए कहा कि अनेक तालाब, झीलें, जोहड़ एवं पारंपरिक जल स्रोत उपेक्षा, अतिक्रमण एवं प्रदूषण के कारण प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने बवाना विधानसभा सहित पूरी दिल्ली में जल निकायों की व्यापक समीक्षा, सफाई, डी-सिल्टिंग, वर्षा जल संचयन से जोड़ने तथा अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए समयबद्ध कार्ययोजना बनाने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने दिल्ली की कॉलोनियों, गांवों एवं बस्तियों में स्वच्छ पेयजल, सड़क, सीवर, ड्रेनेज एवं अन्य मूलभूत नागरिक सुविधाओं को प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर भी बल दिया।*

# सीएम ने 25 मुख्य सड़कों के निर्माण कार्य का किया उद्‌घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शास्त्री नगर में 25 मुख्य सड़कों के निर्माण कार्य का उद्‌घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सड़कों के निर्माण से शास्त्री नगर और आसपास के क्षेत्रों में आवागमन अधिक सुगम और बेहतर होगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पीएनजी पाइपलाइन, नई वाटर पाइपलाइन, स्कूलों की मरम्मत, पार्कों के सौंदर्यीकरण एवं आरोग्य मंदिर सहित अनेक विकास कार्य तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विज़न से प्रेरित होकर दिल्ली सरकार विकसित दिल्ली के संकल्प के साथ हर क्षेत्र तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

# रसूलपुर गांव में 12 वर्षों से डीटीसी बस सेवा बंद, ग्रामीणों में नाराज़गी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के मुंडका विधानसभा क्षेत्र के गांव रसूलपुर में पिछले करीब 12 वर्षों से बस सेवा बंद से ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सत्ता पक्ष के विधायक की सिफारिश के बावजूद दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) प्रशासन पिछले साढ़े छह महीनों से नई 'देवी बस' सेवा शुरू करने में लापरवाही बरत रहा है। चौगामा विकास समिति के महासचिव विजेंद्र सिंह डबास द्वारा मुख्य महाप्रबंधक यातायात, दिल्ली परिवहन निगम को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि मुंडका विधानसभा के विधायक गजेंद्र दराल ने गांव रसूलपुर से बस सेवा शुरू कराने के लिए आधिकारिक सिफारिश की थी। महासचिव डबास ने बताया कि समिति का पत्र भी इसके साथ संलग्न कर 3 दिसंबर 2025 को ई-मेल और स्पीड पोस्ट के माध्यम से एमडी कार्यालय भेजा गया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

### 'लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा'

पत्र में आरोप लगाया गया है कि गांव रसूलपुर के लोग पिछले 12 वर्षों से सार्वजनिक परिवहन सुविधा से वंचित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बस सेवा न होने के कारण विद्यार्थियों, महिलाओं, बुजुर्गों और नौकरीपेशा लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समिति ने यह भी दावा किया है कि संबंधित फाइल पिछले एक महीने से वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के लिए लंबित पड़ी है, लेकिन अधिकारियों द्वारा केवल 'वीआईपी फाइलों' पर ध्यान दिया जा रहा है। पत्र में इसे अफसरशाही की मनमानी बताते हुए कहा गया है कि सत्ता पक्ष के विधायक की सिफारिश को भी नजरअंदाज किया जा रहा है, जो जनहित के खिलाफ है।

### विधायक के साथ डीटीसी मुख्यालय पर देंगे धरना

चौगामा विकास समिति ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द बस सेवा शुरू नहीं की गई तो ग्रामीण विधायक के साथ मिलकर डीटीसी मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की होगी। ग्रामीणों ने दिल्ली सरकार और डीटीसी प्रशासन से मांग की है कि गांव रसूलपुर समेत बाहरी दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाए ताकि लोगों को बुनियादी यातायात सुविधा मिल सके।

### पशिचम विहार स्थित डिस्ट्रिक्ट पार्क में आयोजित किया गया कार्यक्रम

# एलजी ने दिल्ली भर में 101 जलाशयों के कायाकल्प के लिए 'जल संचय अभियान' किया लॉन्च

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के पारंपरिक पानी के स्रोतों के पुनरूद्धार, कायाकल्प और संरक्षण के लिए उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू ने शनिवार को दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी (डीडीए) का 'जल संचय अभियान' शुरू किया। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में पर्यावरण की स्थिरता और पानी की सुरक्षा के बड़े विज़न को ध्यान में रखकर शुरू की गई है। उद्‌घाटन समारोह पश्चिमी दिल्ली के पश्चिम विहार स्थित डिस्ट्रिक्ट पार्क में आयोजित किया गया,

जिसमें क्षेत्र के विधायक करनैल सिंह और डीडीए के उपाध्यक्ष एन. सरवण कुमार मौजूद रहे। इस पहल के प्रथम फेज़ में, लगभग 155 हेक्टेयर (383 एकड़) में फैले 101 चिह्नित जलाशयों का कायाकल्प किया जाएगा। इनमें द्वारका ज़ोन में 22, साउथ ज़ोन में 13, रोहिणी ज़ोन में 17 और नरेला ज़ोन में 06 जलाशय शामिल हैं। इस मौके पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने शहर में लंबे समय तक पानी की सुरक्षा, ग्राउंडवाटर रिचार्ज और इकोलॉजिकल बैलेंस सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली के पारंपरिक पानी के स्रोतों को फिर से ज़िंदा करने की अहमियत पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि यह पहल सिर्फ़ सुंदरता बढ़ाने का काम नहीं है, बल्कि इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन और सस्टेनेबल शहरी विकास की दिशा में एक अहम कोशिश है।

### जलाशयों को बचाने पर दिया जोर

क्षेत्र के विधायक करनैल सिंह ने भी आने वाली पीढ़ियों के लिए जलाशयों को बचाने और उनकी सुरक्षा करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया और इस अभियान को हरी-भरी और सेहतमंद दिल्ली की तरफ एक ज़रूरी कदम बताया। पश्चिम विहार स्थित डिस्ट्रिक्ट पार्क के अंदर मौजूद लगभग 1.47 हेक्टेयर में फैले जलाशयों को भी इस कैंपेन के तहत कायाकल्प करने का काम शुरू किया गया है। फेज़-एक के अंतर्गत, डीडीए ने तुरंत ठीक करने के लिए 101 जलाशयों की पहचान की है, जिनके 30 अगस्त 2026 तक कायाकल्प करने का लक्ष्य है।

# सीएम श्री स्कूल रोहिणी का आईएएस अधिकारियों ने किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित सीएम श्री स्कूल, सेक्टर-8 रोहिणी का शुक्रवार को वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों ने दौरा किया। शिक्षा मंत्री कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस दौरान अधिकारियों ने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, आधुनिक सुविधाओं और विद्यार्थियों के लिए विकसित किए गए नवाचार आधारित शिक्षण वातावरण का निरीक्षण किया।

दौरे पर पहुंचे पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्कूल एवं उच्च शिक्षा विभाग) बिनोद कुमार (आईएएस) तथा भारत सरकार के समग्र शिक्षा अभियान के राज्य परियोजना निदेशक विभु गोयल (आईएएस) ने स्कूल परिसर में विकसित विभिन्न सुविधाओं का अवलोकन किया। विद्यालय प्रशासन ने अतिथियों का तिलक और अंगवस्त्र पहनाकर पारंपरिक स्वागत किया। इसके बाद अधिकारियों ने फ्रीडम फाइटर्स पार्क, मल्टीपर्पज हॉल, शोभित रीडिंग रूम, कंप्यूटर लैब, फिजिक्स वाला लर्निंग हब एवं डाउट क्लासरूम, विज्ञान प्रयोगशालाएं, कॉन्फ्रेंस रूम, स्ट्रेस बस्टर रूम, आर्ट रूम, जूनियर साइंस लैब, मैथ्स लैब, जीरो वेस्ट सिटीजन बैंक, स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लाइब्रेरी और स्किल लैब का निरीक्षण किया।

■ नवाचार आधारित शिक्षण व्यवस्था, स्मार्ट क्लासरूम और विज्ञान लैब की सराहना

## खबर संक्षेप

### ठगी के मामले में एक गिरफ्तार

**फरीदाबाद।** मंहगे कपडे को सस्ते दामो पर स्पलाई करने के नाम पर 1,50,000 रुपए की ठगी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने द्वारिका प्रसाद निवासी जिला गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार न्यु भूड़ कालोनी ओल्ड फरीदाबाद वासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सेंट्रल में दी अपनी शिकायत में बताया कि उसने फेसबुक पर मंहगे कपड़े को सस्ते मे बेचने बारे एक विज्ञापन देखा था।

### ठगी के मामले में 2 पकड़ाए

**फरीदाबाद।** टेलीग्राम टास्क के नाम पर 4,02,550 रुपए की ठगी के एक मामले में साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने मोहम्मद फैजी व अकील शेख निवासी बरेली उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी मोहम्मद फैजी खाताधारक है, जिसका खाता अकील शेख ने खुलवाकर आगे ठगों को उपलब्ध करवाया था। खाता में ठगी के 49,200 रुपए आए थे। दोनों आरोपी को न्यायलय में पेश कर 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

### 21.91 ग्राम स्मैक बरामद, 3 आरोपी गिरफ्तार

**फरीदाबाद।** शनिवार 16 मई की अल सुबह फरीदाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच की 8 टीमों द्वारा नेहरू कॉलोनी एनआईटी-3 फरीदाबाद क्षेत्र में व्यापक सर्चिंग, कांबिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में 100 के करीब पुलिस कर्मचारी शामिल रहे। अभियान की कमान क्राइम ब्रांच बदरपुर बॉर्डर प्रभारी द्वारा संभाली गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि कांबिंग एवं सर्चिंग अभियान के दौरान क्राइम ब्रांच की विभिन्न टीमों ने कार्रवाई करते हुए नेहरू कॉलोनी क्षेत्र से 3 आरोपियों को स्मैक सहित गिरफ्तार किया है।

---

**साझा पहल का मकसद वैज्ञानिक तथ्यों नीति और जनता की कार्रवाई के बीच की दूरी को पाटना**

# एनसीआर में प्रदूषण से निपटने को नीति-निर्माता और नागरिक एक मंच पर, यूपी में बनेगा पराली सुरक्षा बल

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गंभीर वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सीएक्यूएम रिसोर्स लैब ने 'क्लीन एयर डायलॉग्स' की शुरुआत की है। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में हुए उद्घाटन सत्र में सीएक्यूएम ने तीन बड़े निर्देश जारी किए। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग और राहगिरी फाउंडेशन की इस साझा पहल का मकसद वैज्ञानिक तथ्यों, नीति और जनता की कार्रवाई के बीच की दूरी को पाटना है।

#### सीएक्यूएम के 3 बड़े निर्देश

सिर्फ इलेक्ट्रिक ऑटो का रजिस्ट्रेशनः दिल्ली एनसीटी में में 1 जनवरी 2027 से, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद और सोनीपत में 1 जनवरी 2028 से, तथा शेष एनसीआर में 1 जनवरी 2029 से केवल इलेक्ट्रिक 3-पहिया एल5 वाहनों का पंजीकरण होगा।

**बिना पीयूसी पेट्रोल नहीं:** वहीं 1 अक्टूबर 2026 से पूरे एनसीआर में बिना वैध पीयूसी प्रमाण पत्र के किसी भी वाहन को पेट्रोल पंप पर ईंधन नहीं दिया जाएगा।

**पराली पर सख्ती**

आगामी 15 मई 2026 को निर्देश संख्या 99 जारी कर पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश को 2026 की फसल कटाई में पराली जलाना पूरी तरह खत्म करने को कहा गया है। इसके लिए खेतों की मैपिंग, नोडल अधिकारियों की तैनाती और पराली सुरक्षा बल का गठन होगा।

#### एनसीआर में वायु प्रदूषण बहु-क्षेत्रीय चुनौती

उद्घाटन सत्र का विषय एनसीआर का स्वच्छ वायु की ओर सफरः प्रगति, बाधाएं और आगे की राह" रहा। सीएक्यूएम अध्यक्ष राजेश वर्मा, आईएएस सेवानिवृत्त, ने कहा कि एनसीआर में वायु प्रदूषण एक जटिल, बहु-क्षेत्रीय चुनौती है। सीएक्यूएम पारदर्शी और सहयोगात्मक परिवेश को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएक्यूएम के सदस्य सचिव तरुण कुमार पिठोडे, आईएएस ने कहाः "प्रभावी प्रदूषण नियंत्रण के लिए जमीनी स्तर पर कठोर कार्यान्वयन जरूरी है। हमारी प्राथमिकता स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर बाधाओं की पहचान करना और प्रवर्तन तंत्र बेहतर बनाना है।

**नियामक और जनता एक मंच पर**

सत्र की संचालक एवं राहगिरी फाउंडेशन की सह-संस्थापक सारिका पांडा ने कहा कि क्लीन एयर डायलॉग्स को इस तरह तैयार किया गया है कि नियामकों और समुदायों को एक ही मंच पर लाया जाए, ताकि वे एक-दूसरे को प्रभावी ढंग से समझ सकें। पैनल चर्चा में एनर्जीवा वेंचर्स की निधि मदान के साथ सीएक्यूएम के तकनीकी सदस्य डॉ. विरिंदर शर्मा और डॉ. एस.डी. अत्री भी शामिल रहे।

---

**हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही**

# ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया

**सरकार की नीतियों से खफा हुए बैठे कर्मचारियों ने जिला मुख्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया**

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के लिए नियमितीकरण की नीति बनाकर पक्का करने, चार सौ की आबादी पर एक सफाई कर्मचारी को लगाने, अनुग्रह पूर्वक अनुदान नीति के तहत मृतक कर्मचारियों के परिजन को स्थाई नौकरी देने, दुर्घटना में मृत्यु होने पर 50 लाख मुआवजा राशि तथा साधारण मृत्यु पर 20 लाख की धनराशि देने और सेवानिवृत्ति पर एक मुस्त 10 लाख रुपए और ग्रजूयटी का लाभ देने सहित अन्य मांगों को लेकर आज ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की हड़ताल आज दूसरे दिन भी बदस्तूर जारी रही। सरकार की नीतियों से खफा हुए बैठे कर्मचारियों ने जिला मुख्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया। आज के प्रदर्शन की अध्यक्षता जिले के वरिष्ठ उपप्रधान महेंद्र मानढोतिया ने की जबकि संचालन जिला सचिव राजू बहादुर पुर ने किया।

आज की हड़ताली सभा को यूनियन के कोषाध्यक्ष दिनेश पाली और सीटू जिला सचिव वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने संबोधित किया। उन्होंने राज्य सरकार पर ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण अंचल में सफाई नियमित रूप से करनी पड़ती है। यदि कार्य स्थाई है। तो उसको पूरा करने वाले श्रमिक भी रेगुलर ही होने चाहिए। ऐसा करना सरकार के अधिकार क्षेत्र की बात है। क्योंकि शहरों में स्थाई सफाई कर्मचारी हैं। इस आधार पर इनको भी रखा जा सकता है। इस मामले पर माननीय हाईकोर्ट ने भी आदेश पारित किए हैं। नियमितीकरण की मांग को लेकर वर्षों से ग्रामीण सफाई कर्मचारी लगातार आंदोलन कर रहे हैं। लेकिन सरकार सुन नहीं रही है। राज्य भर में ग्रामीण सफाई कर्मियों के हजारों पद खाली पड़े हैं। यदि सरकार इन पर भर्ती करती है। तो स्वाभाविक रूप से बेरोजगारी कम होती है। प्रदेशभर में विभिन्न विभागों में कर्मचारियों के पद रिक्त हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में किसी सरकार के कार्यकाल में एक भी ग्रामीण सफाई कर्मचारी को पक्का नहीं किया। भाजपा सरकार ने पुराने 29 श्रम कानूनों को बदलकर चार लेबर कोड्स बना दिए। दिन में काम के घंटे 8 से बढक़र 12 किया जा रहे हैं।

**सरकार मजदूरों को मालिकों का गुलाम बनाना चाहती**

सरकार मजदूरों को मालिकों का गुलाम बनाना चाहती हैं। आज भी कई विभागों में सफाई कर्मियों को न्यूनतम वेतन नहीं मिल रहा है। विभाग के अधिकारी उनका शोषण करते हैं। पूरे महीने काम करवाया जाता है। लेकिन वेतन नहीं मिलता आज की सभा को जिला कोषाध्यक्ष दिनेश पाली, नरेश पावटा, राजू नरावली, महेश अटाली, ओम प्रकाश आलमपुर, गुलाब सिंह, हंस हीरापुर, राजू बहादुरपुर, मनोज हंस मौजपुर, विनीत प्रधान बल्लभगढ़ ब्लॉक, मुकला, धीर सिंह रायपुर, कुलदीप अलीपुर, नरेंद्र शाहजहांपुर, अजीत मोहना, दीपक नारियाला, अमित, कुसुम, तारा, सुनीता, धकेली एकांता, विजय, राजपाल, रोहित, राजू, दीपक, संजय, बुधराम, अजय, मन्नू, अनिल, सनी, मुकेश, सुभाष तथा धर्मेंद्र, मनोज कुमार, मनोज हंस आदि ने भी संबोधित किया। वहीं उपमंडल बल्लभगढ़ में कुल 286 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स में से 280 ब्लॉक्स में कार्य जारी है तथा 6 ब्लॉक्स में कार्य पूर्ण हो चुके हैं। डीसी ने कहा कि प्रशासन द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्य में तेजी लाने तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर शेष कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

---

**भाजयुमो फरीदाबाद की प्रथम मासिक बैठक में संगठन विस्तार को लेकर बनी रणनीति**

# युवा मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन का मजबूत स्तंभ है: पंकज रामपाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

भारतीय जनता युवा मोर्चा फरीदाबाद की प्रथम मासिक बैठक आज सेक्टर-15 स्थित जिला कार्यालय में उत्साह, ऊर्जा और संगठनात्मक जोश के साथ संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष सचिन ठाकुर ने की। बैठक में नव नियुक्त जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, जिला कार्यकारिणी सदस्यों एवं युवा कार्यकर्ताओं का परिचय कराया गया तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, बूथ सशक्तिकरण, युवा संपर्क अभियान और जनसेवा से जुड़े कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई। बैठक में जिला युवा मोर्चा प्रभारी गोल्डी अरोड़ा, जिला महामंत्री अवतार चंदीला एवं रजनीश सिंह, जिला उपाध्यक्ष जसबीर चौधरी, अजय प्रताप, राजीव गौर, जिला सचिव कपिल ढुल, कार्तिक शर्मा तथा हर्ष भड़ाना उपस्थित रहे। साथ ही जिला मीडिया प्रभारी गौरव भाटिया, जिला सोशल मीडिया प्रमुख अरुण सिसोदिया, जिला आईटी प्रमुख राहुल वासुदेव, जिला सह आईटी प्रमुख गौरव कोहली, कार्यालय सचिव अभिषेक प्रताप सिंह, जिला कॉलेज आउटरीच संयोजक अंशुल नागर भी उपस्थित रहे।

बैठक में मंडल अध्यक्षों में देवेंद्र सिंह, लव शर्मा, वरुण गुप्ता, आकाश नरवत, अक्षय अवाना, सन्नी ठाकुर, हर्ष चौधरी एवं ओमवीर शाह विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जिला कार्यकारिणी सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति ने बैठक को और अधिक प्रभावशाली बनाया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का वास्तविक सामर्थ्य उसके समर्पित कार्यकर्ताओं में निहित है। युवा मोर्चा पार्टी की अग्रिम पंक्ति है और आने वाले समय में फरीदाबाद का प्रत्येक बूथ संगठन की ताकत का उदाहरण बनेगा। युवा कार्यकर्ताओं की ऊर्जा और समर्पण पार्टी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

---

# डीसी आयुष सिन्हा ने की आमजन से जनगणना कार्य में सहयोग की अपील

**जिले में जनगणना-2027 का कार्य 92 प्रतिशत तक पहुंचा**

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

डीसी आयुष सिन्हा ने बताया कि जिले में जनगणना का कार्य पूरी जिम्मेदारी और सुव्यवस्थित ढंग से लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। सभी चार्ज अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से फील्ड में पहुंचकर मकान सूचीकरण कार्य का निरीक्षण किया जा रहा है। अधिकारी विभिन्न क्षेत्रों में प्रगणकों से संवाद कर सर्वे कार्य की जानकारी ले रहे हैं और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दे रहे हैं। साथ ही कार्य की प्रगति और गुणवत्ता की लगातार समीक्षा की जा रही है, ताकि जनगणना का कार्य तय समय सीमा के भीतर प्रभावी तरीके से पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि जिले के कुल 4648 ब्लॉकों में से 4300 ब्लॉकों में कार्य शुरू हो चुका है और जिले की कुल प्रगति 92 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

नगर निगम फरीदाबाद क्षेत्र में हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स के कार्य को लेकर विभिन्न ज़ोन में कार्य प्रगति पर है। प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार कुल 4061 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स में से 3722 ब्लॉक्स में कार्य शुरू किया जा चुका है, जबकि 63 ब्लॉक्स में कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स के कार्य में तेजी से प्रगति हो रही है।

---

**अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा**

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **रवि कुमार उर्फ रवि शर्मा** पंजाब मिल्क प्रोडक्ट, पताः H-11, करमपुरा, नई दिल्ली-110015, ने **CC NO. 543831/2016, U/s 138 NI ACT, थानाः प्रसाद नगर, नई दिल्ली**, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **रवि कुमार उर्फ रवि शर्मा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **रवि कुमार उर्फ रवि शर्मा**, फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC NO. 543831/2016, U/s 138 NI ACT, थानाः प्रसाद नगर, नई दिल्ली**, के उक्त अभियुक्त, **रवि कुमार उर्फ रवि शर्मा**, से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.09.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अरविंद तोमर एलडी.
न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी (NIAct)-07
केन्द्रीय जिला, कमरा नं 507
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/6384/CD/2026
(Court Matter)

---

**परिवार का आरोप जब महिला को अस्पताल लेकर गए वहां कोई नहीं था**

# सरकारी अस्पताल की पार्किंग में महिला की डिलीवरी अंधेरे में टॉर्च लेकर खड़ी रही नर्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

सेक्टर-3 स्थित एफआरयू सरकारी अस्पताल की पार्किंग में महिला की डिलीवरी कराई गई। पार्किंग में लाइट की व्यवस्था भी नहीं थी। महिला स्टाफ ने टॉर्च की रोशनी में डिलीवरी के बाद की सभी प्रक्रियाएं पूरी कीं। महिला के परिवार का आरोप है कि जब वे उसे डिलीवरी के लिए अस्पताल लेकर आए, तो वहां कोई भी स्टाफ मौजूद नहीं था। मेन गेट भी बंद था और इमरजेंसी वार्ड में भी कोई नर्स नहीं मिली। महिला को लेबर पेन हो रहा था। इसके बाद परिवार के साथ आई एक महिला ने पार्किंग में ही उसकी डिलीवरी कराई। महिला ने बेटे को जन्म दिया। परिवार के सदस्य व्हीलचेयर भी खुद ही लेकर आए। मामले में डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रचना का कहना है कि यदि कोई लापरवाही पाई जाती है,तो कार्रवाई की जाएगी।

फरीदाबाद के बल्लभगढ़ सेक्टर-3 सरकारी अस्पताल फर्स्ट रेफरल यूनिट में शुक्रवार-शनिवार रात करीब 2 बजे बड़ौली गांव का एक परिवार महिला की डिलीवरी कराने पहुंचा। महिला बलेश को लेबर पेन हो रहा था। बलेश के जेठ चमन चंदीला ने कहा कि रात में अस्पताल का मेन गेट भी बंद था।

चमन ने बताया कि मैं गेट खोलकर तुरंत इमरजेंसी वार्ड में पहुंचा, वहां भी कोई स्टॉफ मेंबर मौजूद नहीं था। परिवार के अन्य लोग बलेश को लेकर पार्किंग में ही खड़े थे। मैं खुद ही व्हीलचेयर लेकर पार्किंग में पहुंचा।

चमन ने आगे बताया कि बलेश के साथ मां भी मौजूद थी। पार्किंग में काफी देर तक अस्पताल का कोई स्टाफ नहीं पहुंचा। बलेश की हालत गंभीर होती जा रही थी। मजबूरी में मां को ही बलेश की डिलीवरी करानी पड़ी। अगर समय से डिलीवरी न होती बलेश और उसके बच्चे, दोनों की मौत हो सकती थी। महिला की पार्किंग में डिलीवरी का एक वीडियो भी सामने आया है।

---

**पति हत्या करने बाद सीधे थाने पहुंचा**

# 80 साल के बुजुर्ग ने 72 वर्षीय पत्नी की कुल्हाड़ी मारकर की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

मुरादनगर के रावली कला गांव में शनिवार तड़के एक 80 वर्षीय बुजुर्ग ने 72 वर्षीय पत्नी पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर मौत के घाट उतार दिया। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद बुजुर्ग सीधा थाने पहुंचा पुलिस को खुद ही पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी।

बुजुर्ग ने पुलिस से कहा कि उसने अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस उसे साथ लेकर उसके घर पहुंची। जहां महिला चारपाई पर लहूलुहान अवस्था मे तड़प रही थी। घायल महिला को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस विभत्स हत्यकांड के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। आरोपी के नाती का कहना है कि उसके नाना-नानी के बीच अक्सर झगड़ा होता था। रात भी वे लोग अंदर सोए हुए थे, जबकि नाना-नानी आंगन में थे।

रात में झगड़ा होने के बाद नाना ने नानी को मार डाला। शनिवार सुबह लगभग चार बजे हरपाल पुत्र खचेड़ू निवासी रावली कला, थाना मुरादनगर ने रावली चौकी पहुंचकर पुलिस को सूचना दी कि उसने अपनी पत्नी को कुल्हाड़ी से काट दिया है। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत हरकत में आई और मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शुरूआती जांच में सामने आया है कि पति को पत्नी पर चरित्र पर शक था। उसे लगता था कि पत्नी का बाहर किसी से अवैध संबंध है। वहीं, बुजुर्ग मानसिक रूप से कमजोर बताया जा रहा है।

---

### विद्यार्थी उज्ज्वल भविष्य शिविर का आयोजन

**फरीदाबाद।** भांखरी स्थित संतश्री आशाराम जी बापू आश्रम में विद्यार्थी उज्ज्वल भविष्य शिविर का तीसरा दिन संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में मेयर प्रवीण बत्रा जोशी मौजूद रही। आश्रम पहुंचने पर संचालक रामा भाई ने मेयर प्रवीण बत्रा जोशी का स्वागत किया। मेयर जोशी ने शिविर में मौजूद विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सती अनसुईया जी की ब्रह्म, विष्णु, महेश जी को अपने योग बल से अपना बालक बनाने की कथा सुनाई।

---

**कैलाश मानसरोवर भवन का वीसी व सचिव ने अधिकारियों के साथ लिया तैयारियों का जायजा**

# जीडीए ने शुरू की कैलाश मानसरोवर यात्रा की तैयारी, 21 को होगा प्रेजेंटेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने कैलाश मानसरोवर यात्रा की तैयारी शुरू कर दी है। इसी के चलते जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल ने जीडीए अधिकारियों के साथ शनिवार को इंदिरापुरम स्थित कैलाश मानसरोवर भवन का निरीक्षण किया और तैयारी का जायजा लिया। इस मौके पर जीडी उपाध्यक्ष ने तैयारी में मिली खामियों को समय रहते दूर करने और मानसरोवर यात्रियों को हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा की किसी भी सूरत में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दरअसल कैलाश मानसरोवर यात्रा जून माह में शुरू होगी। एक अनुमान के मुताबिक कैलाश मानसरोवर यात्रा में करीब 1000 श्रद्धालुओ का ठहराव मानसरोवर भवन में होगा। 50- 50 के जत्थों में मानसरोवर यात्री यहां पहुंचेंगे। जहां पर ठहरने,भोजन, लॉन्ड्री आदि की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही मानसरोवर यात्रियों को मेडिकल सुविधा तथा ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था भी की जाएगी। इसके अलावा कीर्तन व पूजा पाठ का इंतजाम भी कैलाश मानसरोवर यात्रियों के लिए मानसरोवर भवन में होगा।

**पीएम मोदी की अपील का असर-एक ही कार में मानसरोवर पार्क पहुंचे जीडीए उपाध्यक्ष व सचिव**

कैलाश मानसरोवर भवन के निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का भी असर दिखाई दिया। जीडीए उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल व जीडीए सचिव विवेक मिश्रा एक ही कार में सवार होकर कैलाश मानसरोवर भवन पहुंचे और निरीक्षण किया। उन्होंने तैयारी का पूरा जायज लिया। इसके साथ ही जीडीए के मीडिया संयोजक रूद्रेश शुक्ला व दो अन्य अधिकारी भी एक ही कार में कैलाश मानसरोवर भवन पहुंचे। यानी प्रधानमंत्री द्वारा की गई अपील का असर भी अब सरकारी अफसर पर दिख रहा है।

---

**केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट)**
**Central Institute of Petrochemicals Engineering & Technology**
(Dept. of Chemicals & Petrochemicals, Ministry of Chemicals & Fertilizers, Govt. of India)
50वां माइल स्टोन, डीसीआरयूएसटी कैम्पस, मुरथल, सोनीपत, हरियाणा– 131039

सिपेट CIPET

फोन : 0130–2203000, ईमेल : murthal@cipet.gov.in, वैबसाईट : www.cipet.gov.in
Telephone No.: 0130–2203000, E-Mail ID: murthal@cipet.gov.in, website: www.cipet.gov.in

एआईसीटीई स्वीकृत AICTE Approved | उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड Excellent Placement Record

**सिपेट : डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक वर्ष 2026–27 के लिए प्रवेश**
**CIPET- Admission in Diploma Level Programmes for the academic year 2026-27**

**सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) 2026 / CIPET ADMISSIONTEST-2026**
Apply Online: https://cipet26.onlineregistrationform.org/CIPET/ ऑनलाइन आवेदन करें: https://cipet26.onlineregistrationform.org/CIPET/

| क्रम. संख्या Sl.No. | पाठ्यक्रम का नाम Name of Course | पाठ्यक्रम की अवधि Course Duration | प्रवेश योग्यता Entry Qualification |
|---|---|---|---|
| 01. | डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी (डी.पी.एम.टी) Diploma in Plastics Mould Technology (DPMT) | 3 वर्ष 3 year | कक्षा 10 उत्तीर्ण 10th Std. |
| 02. | डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी (डी.पी.टी) Diploma in Plastics Technology (DPT) | 3 वर्ष 3 year | कक्षा 10 उत्तीर्ण 10th Std. |
| 03. | पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग एंड टेस्टिंग (पीजीडी–पीपीटी) Post Graduate Diploma in Plastics Processing & Testing (PGD-PPT) | 2 वर्ष 2 year | विज्ञान में 3 वर्ष की डिग्री 3 year Degree in Science |
| 04. | पोस्ट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड डिजाईन विथ कैड/कैम (पीडी – पीएमडी विथ कैड/कैम) Post Diploma in Plastics Mould Design with CAD/CAM (PD-PMD with CAD/CAM) | $1\frac{1}{2}$ वर्ष $1\frac{1}{2}$ year | मैकेनिकल/प्लास्टिक्स/पॉलीमर/टूल/टूल एवं डाई मेकिंग/ उत्पादन/ मेकाट्रोनिक्स/ ऑटोमोबाईल/ पेट्रोकेमिकल्स/ औद्योगिक/ इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग/ प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा या डी.पी.एम.टी./ डी.पी.टी. या समकक्ष Diploma in Mechanical/Plastics/Polymer/Tool/Tool & Die Making/Production/Mechatronics/Automobile/ Petrochemicals / Industrial/ Instrumentation Engg./ Technology or DPMT/DPT or Equivalent |

प्रवेश योग्यता परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार भी उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करने योग्य हैं।
Candidates appearing for the entry qualification examination are also eligible to apply for all the above courses

**कोई उम्र सीमा नहीं। छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग–अलग छात्रवास**
**No Age Bar | Separate Hostel Accommodation for Boys & Girls**

| सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) की महत्वपूर्ण तिथियां CIPET ADMISSION TEST (CAT) | | |
|---|---|---|
| | ऑनलाइन आवेदन जमा करने की शुरुआत तिथि Date of opening for CAT Online application submission | 15.12.2025 |
| | ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि Date of closure for CAT application submission | 28.05.2026 |
| | सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) की तिथि Date of CAT all over India | 07.06.2026 |

संपर्क सूत्र : 9466146015, 9066356322, 9896380485, 8950050008, 9888446869
विज्ञापन क्रमांक :- 2026-27/4 www.cipet.gov.in निदेशक एवं प्रमुख

## खबर संक्षेप

### प्रदेश में अब दो दिन वर्क फ्रॉम होम

**लखनऊ।** प्रदेश में बढ़ती लागत और गैस की कमी के चलते श्रम विभाग की उच्च स्तरीय बैठक में महत्वपूर्ण फैसले लिए। तय किया गया कि ऊर्जा खपत कम करने सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था लागू की जाएगी। वहीं कार्यालयों व फैक्ट्रियों को अलग-अलग शिफ्ट में संचालित करने का निर्णय लिया गया है। गैस आपूर्ति प्रभावित होने से उत्पादन लागत बढ़ी है, जिससे कई उद्योगों में नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है।

### भ्रष्ट इंजीनियर के ठिकानों पर ईओडब्ल्यू की रेड

**पटना।** बिहार के एक भ्रष्ट अधिकारी इंजीनियर गोपाल कुमार पर आर्थिक अपराध इकाई(ईओयू) ने शिकंजा कस दिया है। झाझा में ग्रामीण कार्य प्रमंडल में तैनात कार्यपालक अभियंता गोपाल कुमार पर दो करोड़ से अधिक की अवैध संपत्ति बनाने का आरोप है। पटना और जमुई में उनके चार ठिकानों पर ईओयू की कार्रवाई की जा रही है जहां से चालीस लाख नगद, ज्वेलरी और प्रॉपर्टी के कागाजात बरामद किए गए हैं।

### हरिद्वार में प्रतीक यादव की अस्थियों का विसर्जन

**लखनऊ।** मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव की अस्थियों का हरिद्वार के वीआईपी घाट पर धार्मिक रीति-रिवाजों व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां गंगा में विसर्जन किया गया। प्रतीक का 13 मई को आकस्मिक निधन हो गया था। उनकी पत्नी अपर्णा यादव, पुत्रियां प्रथमा व पद्मजा, अपर्णा के पिता अरविंद सिंह बिष्ट तथा भाई अमन सिंह बिष्ट अस्थि कलश लेकर हरिद्वार पहुंचे।

---

## राजकुमार भाटी के जरिए सपा को घेरा

# 27 में सपा साफ का दिया नाराः 2017 की तर्ज पर यूपी विधानसभा चुनाव में सफलता अर्जित करने का दावा

*समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ब्राह्मणों के खिलाफ बयान देकर घिर गए हैं। भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अब बड़ा हमला बोल दिया है।*

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारी के बीच तमाम राजनीतिक दल समीकरणों को साधने में जुट गए हैं। इस क्रम में उत्तर प्रदेश के दो मुख्य राजनीतिक दल भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच मुद्दों को जमीन पर उतरने की कवायद तेज हो गई है। ब्राह्मण वोट बैंक का मुद्दा पिछले कुछ समय में खूब

गरमाया रहा है। समाजवादी पार्टी ने पिछले कुछ समय में भाजपा पर ब्राह्मणों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए हमला बोला। वहीं, अबभाजपा के हाथ बड़ा मौका लगा है। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी के बयान के बाद भाजपा हमलावर है। भाजपा के यूपी अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सीधे तौर पर राजकुमार भाटी के जरिए समाजवादी पार्टी को घेरा है। उन्होंने कहा है कि राजकुमार भाटी ने हर समाज को अपने बयानों के जरिए अपमानित किया है।

## सपा की ओर से किया जाने वाला समाजवाद छलावा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सोशल मीडिया एक्स पर राजकुमार भाटी के ब्राह्मण समाज को लेकर दिए गए बयान के जरिए निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समाज का ऐसा कोई भी वर्ग नहीं बचा, जिसे सपा नेता राजकुमार भाटी ने अपनी भाषा से अपमानित न किया हो। प्रदेश अध्यक्ष ने सवाल किया कि कभी ब्राह्मण समाज को निशाना बनाना, कभी महिलाओं को अपमानित करना तो कभी जाट एवं गुर्जर समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाना और अंत में अपने ही सनातन धर्म पर सवाल खड़ा कर देना, क्या यही सपा का समावेशी विकास है? पंकज चौधरी ने कहा कि जिस नेता का काम ही समाज के विभिन्न वर्गों के बीच कटुता फैलाना हो, उनके साथ मिलकर सपा की ओर से किया जाने वाला समाजवाद महज एक छलावा है।

**सपा का काम कटुता फैलाना**

### 2027 को लेकर दिया नारा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि राजकुमार भाटी जैसे नेता अपने बयानों से सपा की असलियत उजागर करके 2027 में जनता का काम और भी आसान कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने यूपी चुनाव 2027 को लेकर नारा भी बुलंद किया है, '27 में सपा साफ'। दरअसल, भाजपा के तमाम नेता यूपी चुनाव 2017 की तर्ज पर इस बार के विधानसभा चुनाव में सफलता अर्जित करने का दावा कर रहे हैं।

---

## योगी सरकार की अनुदेशकों को बड़ी सौगात

# आज पूरे राज्य में होंगे भव्य कार्यक्रम सौंपे जाएंगे बढ़े हुए मानदेय के चेक

*योगी सरकार 17 मई को पूरे उत्तर प्रदेश में अंशकालिक अनुदेशकों के बढ़े हुए मानदेय वितरण के लिए भव्य कार्यक्रम आयोजित करेगी...*

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

प्रदेश सरकार अंशकालिक अनुदेशकों के सम्मान और उनके बढ़े हुए मानदेय वितरण को लेकर रविवार 17 मई को पूरे उत्तर प्रदेश में भव्य कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। राजधानी लखनऊ स्थित लोकभवन सभागार में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अंशकालिक अनुदेशकों के सम्मान एवं बढ़े हुए मानदेय वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे।

कार्यक्रम सायं 4 बजे से आयोजित होगा। सरकार द्वारा पूर्व में जारी शासनादेश के तहत अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि का निर्णय लिया गया था।

**खास बातें**

- लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी करेंगे मानदेय वितरण का शुभारंभ
- अंशकालिक अनुदेशकों को मिलेगा बढ़ा हुआ मानदेय चेक

बढ़ा हुआ मानदेय 1 अप्रैल, 2026 से प्रभावी किया गया है। इसी के तहत अब प्रदेशभर में प्रतीकात्मक चेक वितरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा द्वारा सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। निर्देशों में कहा गया है कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाले कार्यक्रम के समानांतर सभी जिलों में भी भव्य आयोजन सुनिश्चित किए जाएं। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक, अन्य जनप्रतिनिधि, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और जिला स्तरीय अधिकारियों की सहभागिता रहेगी।

### बढ़े हुए मानदेय के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए जाएंगे

जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए। जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में शिक्षकों, अंशकालिक अनुदेशकों और आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम के समापन के बाद जिलों में जनप्रतिनिधियों द्वारा अंशकालिक अनुदेशकों को बढ़े हुए मानदेय के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए जाएंगे। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम और जनप्रतिनिधियों के संबोधन भी आयोजित होंगे।

### खेत तालाब योजना में किसानों को 52500 का अनुदान दे रही योगी सरकार

यूपी सरकार लगातार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को लाभकारी बनाने के लिए महत्वकांक्षी योजनाएं चला रही है। सरकार का प्रयास है कि किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि समृद्ध और आत्मनिर्भर उद्यमी भी बनें। इसी क्रम में 'खेत तालाब योजना' किसानों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है। यह योजना जल संरक्षण और कृषि उत्पादन बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

---

## नित्यानंद राय ने बताया केंद्र का प्लान

# बिहार से घुसपैठियों को निकालने की तैयारी तेज

एजेंसी ▶▶ मधुबनी

केवल असम व पश्चिम बंगाल ही नहीं, बिहार में भी घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी चल रही है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा है कि बिहार से भी जल्द घुसपैठियों को बाहर निकालने की कार्रवाई शुरू होगी। उन्होंने कहा कि इसको लेकर केंद्र सरकार गंभीर है और विस्तृत रोडमैप तैयार किया जा रहा है।

### सीमांचल में पहले चरण में कार्रवाई

मधुबनी जिले के मधेपुर में आयोजित भाजपा के झंझारपुर जिला प्रशिक्षण वर्ग कार्यक्रम में पहुंचे केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहले चरण में सीमांचल क्षेत्र में अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से भी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सीमांचल क्षेत्रों का तीन दिवसीय दौरा कर चुके हैं और इस मुद्दे पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

**बीएसएफ ने फेंसिंग शुरू की**

नित्यानंद राय ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत वहां की तुष्टिकरण और अराजकता की राजनीति पर प्रहार होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनते ही बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ फेंसिंग कार्य को गति मिलेगी।

---

## पेज एक का शेष

### राजनाथ भी दे चुके ऐसी ...

उक्त बयान से पहले भी पाकिस्तान को दो टूक अंदाज में संदेश देते हुए कहा था कि अगर वो अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आता है। तो अब परिणाम काफी गंभीर होंगे। पहले ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तो हमने कुछ संयम बरता था। लेकिन अब ऐसा कुछ होने पर संयम की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी और हमारी प्रतिक्रिया यानी अभियान भी पहले के मुकाबले बेहद मारक होगा।

**पहलगाम के बाद गर्त में चले गए संबंधः** गौरतलब है कि भारत के पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंध वैसे तो बीते कुछ वर्षों से तल्ख ही बने हुए थे। लेकिन पिछले साल 22 अप्रैल 2025 को पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' के आतंकवादियों द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में किए गए हमले (कुल 26 लोग मारे गए) के बाद से दोनों देशों के संबंध पूरी तरह से पटरी से उतर गए हैं। भारत ने पाकिस्तान को साफ शब्दों में यह बता दिया है कि उसका ऑपरेशन सिंदूर अभियान अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। अगर पाक ने भारत के खिलाफ अपनी किसी आतंकी मंशा को पूरी करने की हिमाकत की तो उसे करारा जवाब दिया जाएगा। वहीं, यह भी कहा है कि आतंकवाद और बातचीत किसी भी सूरत में साथ-साथ नहीं चल सकते हैं। फिलहाल दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध बेपटरी हैं, सिंधु नदी समझौता स्थगित है और किसी तरह का कोई व्यापार भी नहीं हो रहा है।

### न्यायपालिका को अस्पतालों ...

न्यायालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह व्यवस्था देश के सभी न्यायालयों में लागू की जाए। वे शनिवार को जबलपुर में आयोजित 'फ्रेगमेंटेशन ऑफ फ्यूजनः एम्पावरिंग जस्टिस वाया-यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफार्म इंटीग्रेशन' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मप्र उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश, मुख्य सचिव अनुराग जैन, कानूनविद एवं न्यायविद मौजूद थे।

**वार्ड स्तर पर स्थापित संकेत समाधान मध्यस्थता केंद्रों का शुभारंभः** कार्यक्रम में हाईकोर्ट के डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की लॉन्चिंग की गई। मप्र हाईकोर्ट ने लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग के लिए अपना नया क्लास (कोर्टरूम लाइव ऑडियो-विजुअल स्ट्रीमिंग सिस्टम) लॉन्च किया। यह एक ओटीटी स्टाइल में तैयार किया गया डिजिटल सिस्टम है, जिससे थर्ड पार्टी सिस्टम पर निर्भरता खत्म होगी और लाइव स्ट्रीमिंग का पूरा कंट्रोल हाईकोर्ट अथॉरिटी के पास होगा। मप्र हाईकोर्ट का नया पोर्टल भी लॉन्च किया गया। यहां जज, वकील और फरियादियों के लिए कोर्ट के ऑर्डर, बेल एप्लिकेशन सहित अन्य जरूरी दस्तावेज आसानी से उपलब्ध होंगे। यह फ्यूचर रेडी ज्यूडिशियल सिस्टम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मप्र हाईकोर्ट ने डिजिटल डेटा मैनेजमेंट सिस्टम 'प्रथम' भी लॉन्च किया है।

**तकनीक का समन्वय न्याय व्यवस्था को और अधिक विश्वसनीय बनाएगा :** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि न्याय व्यवस्था के डिजिटली सशक्त होने से प्रक्रियाएं पारदर्शी होंगी, जिसका सीधा परिणाम आम नागरिक को त्वरित न्याय मिलने के रूप में सामने आएगा। तकनीक का यह समन्वय हमारी न्याय व्यवस्था को और अधिक विश्वसनीय बनाएगा। वर्तमान समय तकनीक और नवाचार का है। केंद्रीय विधि एवं कानून राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि देश की न्याय व्यवस्था में यह दिन ऐतिहासिक है। मप्र सिंहासन बत्तीसी की धरती है, सम्राट विक्रमादित्य का सिंहासन धरती में दबकर भी न्याय करता था। मप्र ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ जस्टिस की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मप्र सीसीटीएनएस और मूक-बधिरों के लिए एप्लीकेशन की शुरुआत करने वाला नवाचारी राज्य है।

### वैश्विक परिस्थितियों के ...

इनकी वजह से यह दशक दुनिया के लिए आपदाओं का दशक बन रहा है। अगर इन चुनौतियों के साथ परिस्थितियां तेजी से नहीं बदली गईं, तो पिछले कई दशकों की हमारी उपलब्धियों पर पानी फिर जाएगा। दुनिया की बहुत बड़ी आबादी फिर से गरीबी के दलदल में चली जाएगी। बताते चलें कि पीएम 5 देशों (यूएई, नीदरलैंड, स्वीडन, नार्वे और इटली) की अपनी विदेश यात्रा के तहत नीदरलैंड से पहले 15 मई को यूएई गए थे। जहां पश्चिम-एशिया संकट की वजह से भारत की एलपीजी की सप्लाई में आ रही परेशानियों को दूर करने के लिए खाड़ी के इस महत्वपूर्ण देश के साथ एक जरूरी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

### 21 वीं सदी का भारत ...

पुरखों के गांव से जुड़ने और विकसित भारत की यात्रा में भागीदारी करने का है। मैं, भारतीय समुदाय के सभी लोगों से कहूंगा कि अपने देश में ज्यादा से ज्यादा सहयोग बढाएं। जिससे न केवल भारत का सामर्थ्य बढ़ेगा, रिटर्न भी अधिक मिलेगा। यह मोदी की गारंटी है।

### संस्कृति की आस्था ...

त्योहारों की यादें, भजन की धुनें और पूर्वजों के संस्कार। मानवता का इतिहास साक्षी है कि समय के साथ कई संस्कृतियां मिट गईं। लेकिन भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति वर्तमान समय में भी अपने लोगों के दिल में धड़कती है। पीढ़ियां बदल गईं, देश बदल गए, परिवेश बदल गए। लेकिन परिवार के संस्कार, अपनापन नहीं बदले। भारतीयों ने यहां डच भाषा के साथ-साथ अपने पुरखों की भाषा को भी नहीं छोड़ा है।

### इंडियन फ्रेंडशिप में ...

कहा, नीदरलैंड का ट्यूलिप, भारत का कमल का फूल हमें बताता है कि जड़े पानी के अंदर हो, धरती पर सही पोषण मिले तो सुंदरता के साथ ताकत भी आती है। यही दोनों देशों के बीच साझेदारी का भी आधार है।

**बताया 16 तारीख का महत्व :** प्रधानमंत्री ने कहा कि आज 16 तारीख है। जो बहुत ही विशेष है। आज से 12 साल पहले 16 मई को 2014 को बहुत ही खास हुआ था। क्योंकि तब लोकसभा चुनाव के नतीजे आए थे। दशकों बाद भारत में स्थिर, पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनना तय हुआ था। एक वो दिन था और एक आज का दिन है। कोटि- कोटि भारतीयों का विश्वास मुझे रुकने और थकने नहीं देता है। मेरी राजनीतिक यात्रा में 13 साल मुख्यमंत्री के रूप में, 12 साल पीएम के रूप में और लोकतांत्रिक दुनिया में 25 वर्षों तक करोड़ों-करोड़ मतदाताओं का लगातार समर्थन मेरे लिए बहुत ही सौभाग्य की बात है। मेरे लिए ये आशीर्वाद नहीं। बल्कि बहुत बड़ी पूंजी है। देश का ये प्यार-आशीर्वाद मुझे अपने जीवन का पल-पल देशवासियों के सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करता है।

**तस्वीरों से बयां किया स्वागत का सार :** एम्सटर्डम पहुंचने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर कुछ पोस्ट की और उनके जरिए भारतीयों के जोरदार स्वागत के लिए उनका धन्यवाद किया। कुछ तस्वीरों के माध्यम से उन्होंने इसकी झलकियां प्रस्तुत की। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, कल नीदरलैंड पहुंचने पर भारतीयों ने दिल को छू लेने वाला जो स्वागत किया है। उसे लेकर मैं अभिभूत हूं। प्रवासी भारतीयों ने प्रधानमंत्री के आगमन पर एक शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया था। जिसमें देश के विभिन्न भागों की पारंपरिक नृत्य शैलियां मौजूद थीं। जैसे कथक, ओडिसी, भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, मोहिनीअट्टम और गरबा नृत्य। प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरी नीदरलैंड की यह यात्रा एक ऐसे समय में हो रही है। जब भारत, ईयू के बीच एफटीए ने व्यापार-निवेश संबंधों को मजबूती प्रदान की है। जिससे सेमीकंडक्टर, जल, स्वच्छ ऊर्जा तथा अन्य क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत बनाने का मौका मिला है।

### लचीली सप्लाई चेन...

मुक्त व्यापार समझौते का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे भारत और नीदरलैंड की साझेदारी को भी और अधिक बल मिलेगा। जिसका सीधा फायदा नीदरलैंड में रह रहे भारतीय व्यापारियों को होगा। नीदरलैंड भारतीय उद्योगपतियों के लिए यूरोप में प्रवेश करने का स्वाभाविक प्रवेश द्वार बनेगा। हमारी इस यात्रा में प्रवासी भारतीय दोनों देशों के बीच एक भरोसेमंद पुल बन सकते हैं। वह अपने देश की महत्वाकांक्षाओं के साथ-साथ यूरोप के मानकों को अच्छी तरह से समझते हैं। यही वजह है कि यहां बसे भारत के लोगों को भी देश के उच्च-गुणवत्ता वाले उत्पादों के ज्यादा मौके मिलेंगे।

### एनटीए की एक्सपर्ट ...

का दावा है कि इनमें से अधिकांश सवाल 3 मई 2026 को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा के वास्तविक प्रश्नपत्र से मेल खाते थे। सीबीआई ने पिछले 24 घंटों में देशभर में 6 ठिकानों पर छापेमारी भी की है। अब तक इस मामले में दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे और अहिल्यानगर से कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें से 5 आरोपियों को अदालत में पेश कर 7 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

### आईसीएआर के 113 ...

संस्थानों की वास्तविक स्थिति समझकर उन्हें अधिक सक्षम, उत्तरदायी और प्रभावशाली बनाना है। बैठक की शुरुआत में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पुणे स्थित आईसीएआर के राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान संस्थान के 15 मई को औचक निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों, अव्यवस्थाओं और कार्यप्रणाली संबंधी कमजोरियों पर गंभीर नाराजगी और कड़ी आपत्ति दर्ज की। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि वहां पर उपस्थित मुख्य अधिकारी को अंगूर संस्थान के बारे में बेसिक जानकारी भी नहीं थी। पहले मुझे फील्ड पर जाने से टाला गया, कहा कि अभी अंगूर नहीं है। वहां पहुंचने पर देखा कि नर्सरी में घास उगी हुई है। काटने के लिए मजदूर नहीं मिल रहे ऐसा जवाब कहां तक उचित है? वहां के प्रमुख अधिकारी किसी भी सवाल का उचित जवाब नहीं दे पाए, मेरे पूछने पर कि एक्सपोर्ट के लिए क्या कर रहे है, रोगों से निपटने के क्या प्रबंध है, वैरायटी को बढ़ाने की योजना है, कोई भी जवाब संतोषजनक नहीं था। उनके पास कोई विजन नहीं था। ग्रेप्स संस्थान का प्रस्तुतिकरण भी बहुत नीरस था। किसानों ने मुझसे कहा कि हम वैरायटी निजी नर्सरी से लेते है, यहां की वैरायटी किसी उपयोग की नहीं रहती है।

चौहान ने डीडीजी (बागवानी) डॉ. एस.के. सिंह से भी बैठक में सवाल किए कि आप डीडीजी होने के नाते क्या देख रहे थे, आप कब से संस्थान के दौरे पर नहीं गए, आपका अंतिम दौरा कब था, डीडीजी के नाते आपकी जिम्मेदारी भी है आपके अंतर्गत आने वाले संस्थान सही तरीके से काम करे। हम किसानों और देश के लिए काम कर रहे है। ऐसी अव्यवस्था और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर ऐसे संस्थान चल रहे तो यह नेशनल लॉस है। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों से कहा कि निरीक्षण के दौरान जो स्थिति सामने आई, उससे वे बहुत निराश हुए हैं और यह स्पष्ट संकेत है कि कुछ संस्थानों में व्यवस्थागत सुधार की तत्काल आवश्यकता है।

चौहान ने कहा कि किसी भी राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान में बुनियादी जानकारी, स्पष्ट कार्य योजना, किसानों के लिए उपयोगी अनुसंधान, निर्यातोन्मुख दृष्टि, रोग प्रबंधन की तैयारी तथा बेहतर किस्मों के विकास और प्रसार पर ठोस काम दिखना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी चिंता व्यक्त की कि यदि किसान निजी नर्सरियों से सामग्री लेने को मजबूर हों और संस्थान की उपयोगिता पर प्रश्न उठाएं, तो यह आत्ममंथन का विषय है।

उन्होंने कहा कि अनुसंधान संस्थानों का लक्ष्य केवल औपचारिक कामकाज नहीं, बल्कि खेत, किसान और बाजार की वास्तविक जरूरतों का समाधान देना होना चाहिए। चौहान ने बैठक में अधिकारियों से सीधे प्रश्न करते हुए संस्थागत निगरानी व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शीर्ष स्तर पर जवाबदेही तय होना जरूरी है, क्योंकि प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारी है कि उसके अधीन संस्थान सक्रिय, परिणामोन्मुख और किसानहितैषी ढंग से कार्य करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों और देश के हित में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अव्यवस्था या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

### सिंधु जल संधि पर ...

में न्यायाधिकरण ने सिंधु नदी के पानी की परिभाषा और उसके जल भंडारण को लेकर एक पूरक फैसला दिया था। जिसे भारत ने दो टूक अंदाज में खारिज कर दिया है। यहां बता दें कि भारत ने पिछले साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद से सिंधु नदी संधि को स्थगित कर दिया था। उसका यह फैसला वर्तमान में भी जस का तस लागू है।

### ओपन स्कूल की...

स्तर तक की शिक्षा तो मिलनी ही चाहिए। इसके अलावा उसे स्थानीय रोजगारपरक अवसर भी सिखाए जाने चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि तमाम भागीदारों का जोर बच्चों को फिर से औपचारिक स्कूली शिक्षा से जोड़ने पर केंद्रित होना चाहिए। वहीं, जो बच्चे नियमित स्कूलों में नहीं लौट पा रहे हैं। उन्हें ओपन, डिस्टेंस लर्निंग व्यवस्थाओं के माध्यम से एनआईओएस और राज्य मुक्त विद्यालयों जैसे लचीले शिक्षण माध्यमों से जोड़ा जाना चाहिए। जमीनी स्तर पर इस पहल को लागू करने और इसे एक राष्ट्रव्यापी अभियान के रूप में तब्दील करने में जिलाधीशों, जिला प्रशासन की अहम भूमिका होगी। उन्होंने राज्यों सहित अन्य भागीदारों से इस मामले में सहयोग के साथ-साथ तीव्र गति से कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

### शुरुआत में 10 ...

शैक्षिक माध्यमों के जरिए बच्चों तथा युवाओं को सीखने के अवसरों तक फिर से जोड़ना है। एनआईओएस सचिव ने इस पहल के ढांचे के बारे में बैठक में ऑनलाइन प्रस्तुति भी दी।

---

# बेटी की उम्र की छात्रा से अश्लील डिमांड करने वाला प्रोफेसर हिरासत में

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर और एक स्नातक छात्रा के बीच कथित बातचीत की वायरल ऑडियो क्लिप से सनसनी मच गई। ऑडियो में एक असिस्टेंट प्रोफेसर अपनी बेटी की उम्र की छात्रा से कह रहा है कि अगर तुम कहोगी तो, तो मैं आ जाऊंगा डार्लिंग...तुम सिर्फ बता देना क्या हेल्प चाहिए, तुम्हारे लिए सब कुछ ओपन है। मैंने तुम्हारे लिए दोनों पेपर आउट कर लिए हैं, कब मिलने आओगी। उसने इसके अलावा भी कई अशोभनीय बातें कीं। आरोपी प्रोफेसर को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला सामने आने के बाद शुक्रवार की रात में ही लखनऊ विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ने असिस्टेंट प्रोफेसर के खिलाफ हसनगंज थाने में केस दर्ज करा दिया था। मामले की जानकारी विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को हुई तो वे भड़क गए।

---

**दो साल कैद और 20 हजार का लगा जुर्माना**

# डीएम पर विवादित टिप्पणी में सपा नेता आजम खां दोषी

एजेंसी ▶▶ रामपुर

सपा नेता आजम खां को तत्कालीन डीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में रामपुर की कोर्ट ने दो साल की कैद और 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भोट थाना क्षेत्र में दर्ज किया गया था। आरोप था कि चुनाव प्रचार के दौरान सपा नेता ने तत्कालीन जिलाधिकारी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच के बाद कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। तभी से अदालत में मामले की सुनवाई चल रही थी। शनिवार को कोर्ट ने सुनवाई पूरी होने के बाद आजम खां को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा और 20 हजार रुपये जुर्माना अदा करने का आदेश दिया गया।

# अब जन्मेंगे मनचाहे डिजाइनर बेबी!

अब तक तो यही माना जाता रहा है कि जन्म लेने वाले बच्चे का रूप, रंग, गुण या उसकी कोई बीमारी प्रकृति ही निर्धारित करती है। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग की नई तकनीक से आने वाले समय में मनचाहे यानी कस्टमाइज्ड बेबी जन्म ले सकेंगे। क्या है यह तकनीक, क्या हो सकते हैं इसके फायदे या नुकसान, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन

नमस्कार डॉक्टर साहब! हम एक ऐसा बेबी चाहते हैं, जो हमारी जेनेटिक बीमारियों से दूर रहे। उसका आई क्यू लेवल शानदार हो, चश्मा न लगे उसको, टॉल फिगर हो, कॉम्प्लेक्शन फेयर हो।'

क्या आपने कल्पना की है कि आने वाले दौर में पैरेंट्स किसी फर्टिलिटी क्लीनिक पर जाकर डॉक्टर से कुछ ऐसा कहेंगे? यह मजाक की बात या कोरी कल्पना नहीं है। विज्ञान इतनी तरक्की कर रहा है कि निकट भविष्य में यह संभव होगा। इस तकनीक से पैदा होने वाले बच्चों को 'डिजाइनर बेबी' कहा जाएगा।

## क्या है यह तकनीक

डिजाइनर बेबी ऐसा बच्चा होता है, जिसके जेनेटिक स्ट्रक्चर (आनुवंशिक संरचना) को पैदा होने से पहले ही बदल दिया जाता है। यह मुख्य रूप से 'क्रिसपर-केस नाइन' जैसी जीन एडिटिंग तकनीक के जरिए किया जाता है। इसके तहत भ्रूण से खराब जीन कतरकर होने वाले माता-पिता के पसंदीदा गुणों वाले जीन को जोड़ा जा सकता है। ये कस्टम-मेड बच्चे होंगे। वांछनीय गुणों वाले बच्चे पैदा करने यानी बनाने के लिए, होने वाले माता-पिता आईवीएफ क्लीनिक में भ्रूणों का चयन बीमारी के जोखिम के आधार पर कर रहे हैं। इस प्रक्रिया को प्री-इंप्लांटेशन जेनेटिक डायग्नोसिस कहा जाता है। मुख्य रूप से वंशानुगत बीमारियों को रोकने के लिए इसका अभ्यास किया जाता है। इसमें आईवीएफ से बनाए गए भ्रूणों की स्क्रीनिंग की जाती है और माता-पिता उस भ्रूण का चयन करते हैं, जिसे वे एक ऐसे बच्चे के लिए प्रत्यारोपित कर सकते हैं, जिसमें आनुवंशिक विकार के सबसे कम जोखिम होने की भविष्यवाणी की जाती है। इसमें एक एंब्रियो-सेलेक्शन/स्क्रीनिंग कंपनी और आईवीएफ प्रोवाइडर 8-14 दिनों तक रोजाना हार्मोन इंजेक्शन देकर कम से कम 15 अंडे निकालते हैं, जिन्हें पसंद के स्पर्म से फर्टिलाइज किया जाता है। 4-5 दिनों के बाद, एक ब्लास्टोसिस्ट बनता है। यह कोशिकाओं की एक खोखली गेंद जैसी होती है, जिसमें एक अंदरूनी द्रव्य और बाहरी परत होती है। बाहरी परत प्लेसेंटा में विकसित होती है। अंदरूनी द्रव्य भ्रूण बनता है। हर भ्रूण से निकाले गए अंशों की जेनेटिक बीमारी/क्रीमोसोमल असामान्यताओं के लिए स्क्रीनिंग की जाती है और मापे गए हर पैरामीटर के लिए पॉलीजेनिक (कई-जीन) स्कोर दिए जाते हैं। माता-पिता चुनते हैं कि कौन-सा भ्रूण इंप्लांट करना है। दुनिया के सबसे पहले डिजाइनर बेबी होने का दावा वर्ष 2018 में चीन के वैज्ञानिक हे जियानकुई ने किया था, जिन्होंने जुड़वां बच्चियों (लुलु और नाना) के जीन एडिट किए थे।

### ब्लास्टोसिस्ट क्या है

**ब्लास्टोसिस्ट भ्रूण** के विकास का एक प्रारंभिक चरण है, जो फर्टिलाइजेशन के लगभग 5-6 दिनों बाद बनता है, जिसमें लगभग 200-300 कोशिकाएं होती हैं और इसमें दो मुख्य भाग होते हैं, आंतरिक कोशिका द्रव्यमान (जो शिशु बनेगा) और ट्रोफोब्लास्ट (जो प्लेसेंटा बनेगा)। यह वह अवस्था होती है, जब भ्रूण गर्भाशय की परत में प्रत्यारोपित होता है, खासकर आईवीएफ प्रक्रियाओं में।

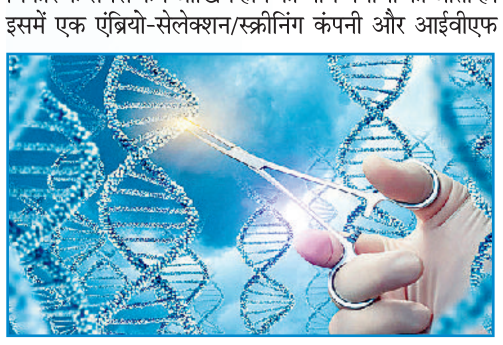

### यूजेनिक्स क्या है

**यूजेनिक्स एक** ऐसा विचार और पद्धति है, जिसका उद्देश्य मानव आबादी की आनुवंशिक गुणवत्ता में सुधार करना है, जिसमें स्वस्थ और वांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को बढ़ावा दिया जाता है और कम वांछनीय या अवांछनीय गुणों वाले लोगों के प्रजनन को रोका जाता है, जो अकसर जबरन नसबंदी और भेदभावपूर्ण प्रथाओं से जुड़ा रहा है, खासकर नाजी जर्मनी और अमेरिका में। इसे विज्ञान के रूप में खारिज कर दिया गया है।

## जीन एडिटिंग के प्रभाव

जीन एडिटिंग के द्वारा डिजाइनर बेबी बनाने के कई प्लस और माइनस परिणाम हो सकते हैं।

**बीमारियों से मुक्तिः** इस तकनीक का असली उद्देश्य बच्चों को कैंसर, अल्जाइमर और एचआईवी जैसी वंशानुगत बीमारियों से बचाना है।

**बनगे सुपर ह्यूमनः** जैसे-जैसे तकनीक ज्यादा विकसित होगी भविष्य में वैज्ञानिक ऐसी कोशिश कर सकते हैं, जिससे बच्चे की मांसपेशियों की ताकत और याददाश्त को बढ़ाया जा सकेगा और वे 'सुपर ह्यूमन' बन सकें। कुछ देशों में आईवीएफ क्लीनिक पहले से ही माता-पिता को बच्चे की आंखों का रंग चुनने का विकल्प देने की दिशा में शोध कर रहे हैं। वर्तमान में यह प्रक्रिया इतनी महंगी है कि इसे केवल दुनिया के अमीर लोग ही अपना सकते हैं।

## चुनौतियां भी कम नहीं

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे डिजाइनर बेबी बनाने की तकनीक विकसित होने के कुछ नेगेटिव परिणाम भी भविष्य में देखने को मिल सकते हैं। यदि केवल अमीर लोग ही 'जीनियस' बच्चे पैदा कर पाएंगे, तो समाज में एक नया भेदभाव उत्पन्न हो सकता है। साथ ही जीन एडिटिंग के दीर्घकालिक प्रभाव क्या होंगे, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। एक छोटी-सी गलती बच्चे के स्वास्थ्य पर बहुत भारी पड़ सकती है। उसके जीवन की पूरी दिशा बदल सकती है।

जीन एडिटिंग के जरिए मनचाहे बच्चे पाने के संबंध में एक सवाल यह भी है कि भ्रूणों की एक श्रृंखला में से चुनाव या जीन-एडिटेड भ्रूणों के बावजूद, क्या माता-पिता को भ्रूण के गैर-चिकित्सा लक्षणों को चुनने की अनुमति दी जानी चाहिए? क्या जीन को चुनकर/बदलकर विशेषताओं को 'डिजाइन' किया जा सकता है? क्या आप अंततः अपने बच्चे के जेनेटिक कोड को अपनी मर्जी से बना सकते हैं? समाज शास्त्री कहते हैं डिजाइनर बेबी तकनीक मानव जाति के लिए एक वरदान साबित हो सकती है यदि इसका उपयोग केवल जानलेवा बीमारियों को खत्म करने के लिए किया जाए। लेकिन यदि इसे खूबसूरती और ताकत का पैमाना बनाया गया, तो यह मानवता के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर सकता है। समाज में एक नए तरह का भेदभाव और विघटन पैदा कर सकता है। कई समाजशास्त्री चिंतकों का मानना है कि जीवन के साथ इस तरह का बदलाव करना प्रकृति के नियमों का उल्लंघन होगा। कुछ वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि आधुनिक जेनेटिक स्क्रीनिंग और काउंसलिंग का इस्तेमाल माता-पिता पर दबाव बनाने के लिए किया जा सकता है। अगर समाज कुछ खास लक्षणों को बढ़ावा देता है, तो प्रजनन का चुनाव सामाजिक दबाव बन जाता है। व्यवहार, बुद्धिमत्ता या व्यक्तित्व जैसी चीजों के लिए भ्रूण की स्क्रीनिंग करना, पूर्व में सामने आए यूजेनिक्स पद्धति जैसा होगा, जिसमें यह कंट्रोल करने की कोशिश की गई थी कि किसे पैदा होने की इजाजत है।

कहने का सार है कि आने वाले समय में जीन एडिटिंग से डिजाइनर बेबी के जन्म लेने का चलन बढ़ सकता है। लेकिन इसके परिणाम कितने सकारात्मक या नकारात्मक होंगे, यह तो भविष्य में ही पता चलेगा। *

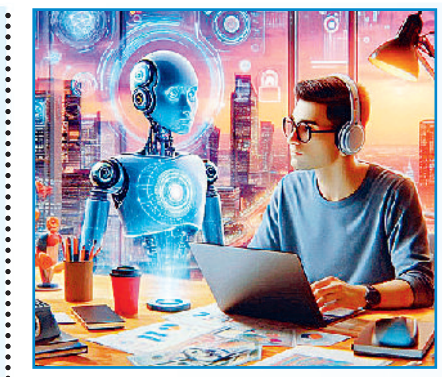

जिस तेजी से तकनीक का दखल बढ़ता जा रहा है, हमारी जीवनशैली आने वाले समय में पूरी तरह बदल जाएगी। आने वाले दिनों में यंगस्टर्स को हाई इनकम वाली कई ऐसी जॉब्स मिलेंगी, जो पूरी तरह हाईटेक होंगी। इनमें से कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स पर एक नजर।

# यंगस्टर्स को लुभाएंगी फ्यूचरिस्टिक जॉब्स

अपकमिंग ट्रेंड
अंजू जैन

आज के दौर में यंगस्टर्स के लिए करियर की परिभाषा पूरी तरह बदल चुकी है। अब डॉक्टर, इंजीनियर या सरकारी नौकरी ही एकमात्र 'सफल' विकल्प नहीं रह गए हैं। अगर आपमें हुनर है और आप लीक से हटकर सोचने और करने का जज्बा रखते हैं, तो आज का डिजिटल युग आपको शानदार इनकम के मौके दे सकता है। अच्छी बात यह है कि 'फ्यूचरिस्टिक' जॉब्स के लिए आपको किसी बड़े कॉलेज की भारी-भरकम फीस भरकर डिग्री पाने की जरूरत नहीं है। आपमें नई टेक्नोलॉजी सीखने की लगन होनी चाहिए। ऐसे ही कुछ फ्यूचरिस्टिक जॉब्स के बारे में आप भी जानिए, ताकि आने वाले दौर के लिए आप खुद को टेकरेडी बना सकें।

**डेटा डिटेक्टिवः** करियर की दुनिया में कहा जाता है कि 'डेटा नया हीरा है।' डेटा साइंटिस्ट का काम बिखरे हुए आंकड़ों से अपने लिए काम की जानकारी निकालना है। यह जॉब उन युवाओं के लिए शानदार है, जिनकी गणित और लॉजिक पर पकड़ मजबूत है। इसमें शुरुआती सैलरी ही कई पारंपरिक नौकरियों के टॉप लेवल के बराबर होती है। गूगल खुद कोर्सेरा जैसे प्लेटफॉर्म पर डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी के सर्टिफिकेशन कोर्स कराता है। साथ ही साइबेरी, साइबर सिक्योरिटी संबंधी नई तकनीकें सीखने के लिए यह दुनिया का सबसे बड़ा फ्री कम्युनिटी प्लेटफॉर्म है।

**गेमिंग और ई-स्पोर्ट्सः** वीडियो गेम अब सिर्फ टाइम पास नहीं रहा। प्रोफेशनल गेमर्स, गेम स्ट्रीमर्स और गेम डेवलपर्स आज लाखों-करोड़ों में खेल रहे हैं। इंटरनेशनल ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट्स में प्राइज मनी अब किसी क्रिकेट वर्ल्ड कप से कम नहीं होती। अगर आप इसमें अपनी जगह बनाना चाहते हैं, तो कुछ बातों पर ध्यान दें। अपना खास फील्ड चुनें। ई-स्पोर्ट्स का मतलब सिर्फ गेम खेलना नहीं है। आप इनमें से अपनी रुचि के अनुसार कई क्षेत्र चुन सकते हैं, जैसे प्रोफेशनल प्लेयर यानी टूर्नामेंट में हिस्सा लेना, कंटेंट क्रिएटर या स्ट्रीमर यानी यूट्यूब या ट्विच पर गेमप्ले दिखाना, गेम एनालिस्ट/कोच यानी गेम की रणनीति समझना, मैनेजमेंट यानी टीम मैनेजर या इवेंट ऑर्गेनाइजर बनना।

आपको इसके लिए जरूरी स्किल्स सीखनी पड़ेगी। किसी एक गेम को चुनें और उसमें एक्सपर्ट बनें। इसके लिए रोजाना प्रैक्टिस और अपनी गलतियों का आकलन करना जरूरी है। इनके साथ-साथ टीम के साथ तालमेल बिठाने के लिए अच्छी बातचीत की कला सीखें। महारत पाने के लिए सबसे जरूरी है तकनीकी ज्ञान।

**प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंगः** चैटजीपीटी जैसे एआई टूल्स के आने से अब 'प्रॉम्प्ट इंजीनियर' की भारी डिमांड हो गई है। इसमें आपको कोडिंग नहीं, बल्कि एआई से सही तरीके से काम करवाने की कला (सही निर्देश देना) आना चाहिए। बड़ी कंपनियां इसके लिए करोड़ों का पैकेज देने को तैयार हैं। इसे सीखने के लिए एंड्रयू एनजी द्वारा संचालित, चैटजीपीटी प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग फॉर डेवलपर्स एक शानदार फ्री कोर्स है। इसके अलावा लर्न प्रॉम्पटिंग एक ओपन-सोर्स गाइड है, जो आपको मुफ्त में एआई से बेहतर तरीके से कम्युनिकेट करना सिखाती है।

**कंटेंट क्रिएशन और इंफ्लुएंसर मार्केटिंगः** यूट्यूब, इंस्टाग्राम और पॉडकास्ट अब सिर्फ मनोरंजन के साधन नहीं, बल्कि फुल-टाइम बिजनेस बन चुके हैं। एक खास विषय पर अच्छी पकड़ और दर्शकों से जुड़ने का हुनर आपको ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए रातों-रात सेलिब्रिटी और अमीर बना सकता है। फाइनेंस की जानकारी देने वाले फिनफ्लुएंसर और डिजिटल मार्केटिंग का फील्ड भी अच्छा है। डिजिटल मार्केटिंग की बेसिक जानकारी के लिए आप गूगल डिजिटल गैरेज मुफ्त में इस्तेमाल कर सकते हैं।

**सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंटः** दुनिया अब पर्यावरण को लेकर गंभीर है। कंपनियां ऐसे लोगों को खोजती रहती हैं, जो उन्हें 'ईको-फ्रेंडली' बनने में मदद करें। अगर आप पर्यावरण प्रेमी हैं और बिजनेस की समझ रखते हैं, तो यह क्षेत्र भविष्य का सबसे बड़ा मार्केट है। सस्टेनेबिलिटी कंसल्टेंट वह पेशेवर होता है, जो कंपनियों और संगठनों को पर्यावरण के अनुकूल काम करने और अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की सलाह देता है। इसके लिए संबंधित शैक्षणिक योग्यता जरूरी है। पर्यावरण प्रबंधन या ईएसजी में (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) विशेषज्ञता हासिल करना आपकी प्रोफाइल को बेहतर बनाता है। एक सफल कंसल्टेंट बनने के लिए आपको तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स दोनों की आवश्यकता होती है। जैसे कार्बन उत्सर्जन और पानी के उपयोग जैसे डेटा का विश्लेषण करना आना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार रिपोर्ट तैयार करना आना चाहिए। अपने क्लाइंट के वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए स्थाई व्यावसायिक रणनीतियां बनाने की चतुराई होनी चाहिए। साथ ही आप में अपने क्लाइंट्स को जटिल पर्यावरणीय नीतियों को सरल भाषा में समझाने की कला भी होनी चाहिए। *

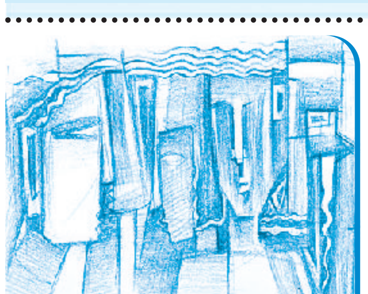

कविता
अवतार सिंह अक्षरजीवी

## स्लेटीपन

कोई सुख, नहीं होता पूरा सुख
कोई दुख, नहीं होता पूरा दुख
चरित्र आधे-अधूरे होते हैं
भावनाएं-कई रंगों का मिश्रण,
एक कोने पर थोड़ा-सा सफेद
दूसरे किनारे पर जरा-सा काला
इनके बीच में बहुत सारा स्लेटी होता है।
सुख में नुकसान ढूंढ़ लेता है मन
और दुख में आनंद तलाश लेता है,
गीतों में से निकाल सकते हैं कंक्रीट
और राख में भी संगीत देख सकते हैं,
किसी का स्वभाव कैसा भी हो
हमारे अनुकूल हो, बस ठीक है जैसे
गर्मियों का आलोचक है संसार लेकिन
शहर की खाली सड़कें, कम ट्रैफिक
इस ऋतु को बेहतर घोषित करने में
कहीं न कहीं विवश सा कर देता है।

लघुकथाएं

## पतझड़

एआई इमेज

उसकी दरवाजे पर हल्की-सी वह दस्तक मुझे आज भी याद है। दरवाजे की सांकल खोलते ही उसे सामने पाया तो मैं एक बारगी ठगा-सा रह गया। सारा केश विन्यास अस्त-व्यस्त था, चेहरे की लालिमा कहीं खो सी गई थी। आंखों के नीचे स्याही की एक मोटी रेखा ने मुझे झकझोर दिया। मैंने उसके शांत लेकिन अंदर तक उद्वेलित चेहरे को पढ़ने का प्रयास किया। मुझे लगा कि वह नितांत अकेली वन में खड़ी एक प्यासी हिरनी सी है, जो अपने साथी के बिछड़ जाने पर अपनी गोल-गोल चपल आंखों में अतीत के कितने ही पल समेटे हुए है। मैं और वह किंकर्तव्यविमूढ़ से एक-दूसरे को कुछ देर तक निहारते रह गए। तंद्रा तब टूटी, जब बादलों की तेज गड़गड़ाहट ने हमें बारिश होने का अहसास दिलाया। 'आओ न! बाहर क्यों खड़ी हो?' मैंने सहज भाव से उसे अंदर आने का निमंत्रण दिया। ऐसा लगा कि हम वर्षों वर्ष अलग रहने के बावजूद भी भावनात्मक रूप से कहीं जुड़े हुए हैं। गहरी चुप्पी के साथ वह अंदर आ गई और सोफे के एक किनारे पर सिमट कर जड़वत बैठ गई। 'आज अचानक, इस तरह!' मैंने खामोशी को तोड़ने का प्रयास किया। सुनते ही उसकी आंखों में लाल डोरे तैरने लगे, जिन्हें मैंने साफतौर पर महसूस किया। 'कुछ परेशान सी हो! क्या हुआ?' मेरे यह पूछते ही वह संयम खो बैठी। आंखों में बरसों से सिमटा दर्द एकाएक आंसुओं की धार बनकर बह निकला। जब तक मैं कुछ समझ पाता वह फूट-फूटकर रोने लगी। मैं एकटक उसके मन का बोझ हल्का होते देखता रहा। कुछ समय बीता और वह धीरे से कुछ बुदबुदाई। मैंने सुना वह प्राश्यिचत कर रही थी। 'मुझे माफ कर दो सुमी! मैं हार गई हूं। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।' उसकी आवाज की कंपकंपी को मैंने सर्द झौंके सा महसूस किया। एक ठंडी सिहरन मेरे तन-बदन में दौड़ गई। कुछ देर बाद मैं चाय बनाकर ले आया। मेरे आग्रह पर उसने चाय का कप उठा लिया। 'याद है मिनी...' मैंने उसे टटोलते हुए कहा, 'मैंने कभी भी अपने हाथ से चाय नहीं बनाई और न ही मैं आज तक ठीक से चाय बनाना सीख सका, क्योंकि तुमने मुझे अपने ऊपर इतना निर्भर कर दिया था। तुम कहती थी कि मेरे होते तुम चाय क्यों बनाओगे? सब कुछ बदल गया इधर कुछ सालों से! देखो तो चाय ठीक बनी है या नहीं? मिनी ने हां में सिर हिलाया और उसकी आंखें मेरे चेहरे पर ठहर गईं। प्रशंसा की यह मूक भाषा मैंने उसकी आंखों में पहली बार पढ़ी थी। 'तुम्हें पता है सुमी! मैं भी इतने बरस, इतनी अकेली रही हूं कि चैन की एक सांस भी न ले सकी। हर घड़ी तुम्हारे साथ बीते पल मुझे कुरेदते रहते। मेरा अहंकार मुझे धीरे-धीरे खोखला करता गया और मैं घुन लगे पेड़ की तरह अंदर से बिल्कुल बेजान हो गई। मुझमें अकेले खड़े रहने की भी ताकत नहीं बची, सुमी मैं टूट गई हूं। मुझे मेरा सहारा वापस दे दो प्लीज। अब मैं तुम्हारे सहारे जीना चाहती हूं।' उसका क्रंदन मुझे भीतर तक सालता चला गया। दस साल पहले वह उस पत्ते की तरह मुझसे अलग हो गई थी, जो पतझड़ के मौसम में एक क्षण में अपनी शाख से अलग हो जाता है। उसने मुड़कर भी नहीं देखा था तब। घर छोड़कर जाते समय उसने अपने दोनों बच्चों रजत और सजल को भी नहीं पुकारा। एक निष्ठुर मां बनकर उसने घर में कदम न रखने की कसम खाई थी और फिर लौटकर नहीं आई। आज दस साल बीतने के बाद वक्त ने करवट ली थी और हम दोनों उसी कमरे में एक बार फिर साथ बैठे हैं। *

-डॉ. सुबोध भटनागर

## तस्वीर

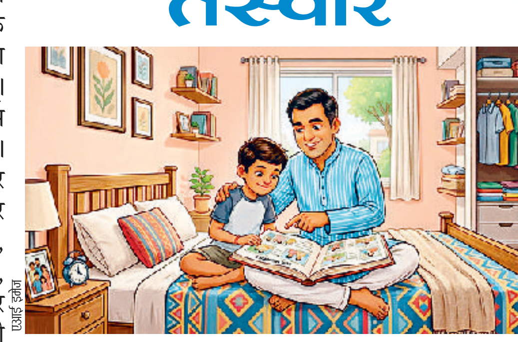

एआई इमेज

पापा-पापा आप ये क्या देख रहे हैं?' अशोक के बेटे ने पूछा। 'बेटा एक पुरानी तस्वीर देख रहा हूं। अपने भाई-बहनों की।' आंखें नम करते हुए अशोक ने जवाब दिया। 'कौन-कौन हैं ये?' बेटे ने तस्वीर को गौर से देखते हुए पूछा। तस्वीर को दिखाते हुए अशोक बोले, 'पीली ड्रेस वाली तेरी बड़ी बुआ, पिंक ड्रेस में मंझली बुआ और लाल में जो बैठी है, वो छोटी बुआ।' 'और ये हरी ड्रेस में कौन है?' बेटे ने पूछा। 'अरे यह मेरा छोटा भाई श्यामू यानी तेरा चाचू।' अशोक ने बताया। 'इसका मतलब नीली शर्ट वाले आप ही हैं।' बेटे ने शरारती लहजे में कहा। अशोक ने मुस्कुराते हुए हां में गर्दन हिला दी। 'लेकिन पापा इनको तो मैंने कभी देखा ही नहीं। बुआ और चाचू अब कहां हैं और अपने घर क्यों नहीं आते?' बेटे ने फिर सवाल किया। अशोक ने स्वयं को संभालते हुए कहा, 'हम सबको पिताजी ने यानी तुम्हारे दादाजी ने खूब पढ़ाया-लिखाया लेकिन...' 'लेकिन क्या पापा?' बेटे ने पूछा। 'ये सब विदेश में जाकर बस गए वहीं बड़ी-बड़ी कंपनियों में इंजीनियर हैं।' अशोक ने उदास मन से जवाब दिया। 'आप क्यों नहीं गए विदेश पापा पढ़े-लिखे तो आप भी बहुत है।' बेटे ने पूछा। 'बेटा, मैं भी जाने को तो चला जाता लेकिन बूढ़े मां-बाप की जिम्मेदारी थी मुझ पर... उनकी देखभाल जो करनी थी।' अशोक ने कहा। 'तो क्या बड़े का ही कर्तव्य होता है मां-बाप की सेवा करना, छोटों का नहीं?' बेटे ने थोड़ा गंभीर होते हुए पूछा। 'होता तो है लेकिन कोई समझे तब ना!' उन्होंने लंबी सांस भरते हुए कहा। बेटे का चेहरा उतर गया। उसके उतरे चेहरे को देखकर अशोक ने पूछा, 'अरे तुमने मुंह क्यों लटका लिया?' उसने धीरे से कहा, 'इसका मतलब तो यह हुआ कि मैं बड़ा होकर विदेश नहीं जा सकता।' 'क... क... क्यों... नहीं जा सकते तुम?' अशोक ने आश्चर्य से पूछा। 'मैं तो आपका इकलौता बेटा हूं ना इसलिए। मुझे तो बड़े होने की भूमिका निभानी है, छोटे होने की नहीं।' बेटायह कहते हुए अपने पापा के गले से लिपट गया। बेड पर रखे एलबम के पन्ने हवा के संग फड़फड़ा रहे थे। *

-गोविंद भारद्वाज

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

## लोक-संस्कृति का प्रवाह

वर्तमान आधुनिकता के हाहाकारी बयार और पश्चिमी अंधानुकरण के दौर में जब जन सामान्य, अपनी जड़ों से दूर होता जा रहा है, ऐसे में लोक संस्कृति से जुड़ाव की दिशा में किया गया छोटा सा प्रयास भी बहुत मायने रखता है। इस लिहाज से हाल में प्रकाशित हुए 'नवोदित प्रवाह' के लोक संस्कृति विशेषांक की सराहना की जानी चाहिए। इसमें देश के लगभग हर प्रदेश की लोक संस्कृति की बहुरंगी छवि देखी जा सकती है। संस्कृति की महत्ता को रेखांकित करते हुए वरिष्ठ लेखक राजेंद्र रंजन चतुर्वेदी लिखते हैं, 'संस्कृति जीवन के साथ चलती है, जीवन के प्रवाह में बहती है, जीवन को गति देती है, जीवन को प्रेरित और निर्देशित करती है।' रमई काका पर गंगा प्रसाद शर्मा का लेख, कजली पर कृष्ण कुमार यादव का लेख, लावणी लोकनृत्य पर इंदिरा किसलय का लेख समेत पूर्वोत्तर राज्यों की सांस्कृतिक विरासत पर भी बढ़िया लेख यहां पढ़े जा सकते हैं। बंगाल के लोक साहित्य पर अल्पना सिंह का लेख, छत्तीसगढ़ के लोकगीत और लोकनृत्य पर ममता तिवारी का लेख भी पठनीय है। इनके अलावा 'महुआ घटवारिनः एक अधूरी प्रेम कहानी' (कहानी), 'गर्व या मातम' (लघुकथा) और लोक-सांस्कृतिक रंग में रंगी बुद्धिनाथ मिश्र, आकांक्षा द्विवेदी, कृष्ण बिहारी, उद्भ्रांत की कविताएं विशेष रूप से पठनीय हैं। वरिष्ठ कवि बाल स्वरूप राही के साक्षात्कार ने इस अंक की महत्ता को और बढ़ा दिया है। *

**पत्रिकाः** नवोदित प्रवाह-वार्षिकांक 2026 (लोक संस्कृति विशेष), **संपादकः** रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', **मूल्यः** 200 रुपए
**प्रकाशन स्थलः** देहरादून, उत्तराखंड

**धार भोजशाला मामले पर आए फैसले से हिंदू धर्मगुरुओं में खुशी की लहर, बोले- राम मंदिर जैसा ऐतिहासिक फैसला**

# धार भोजशाला को लेकर हाईकोर्ट का फैसला स्वागत योग्य ऐतिहासिक तथ्य स्पष्ट हुए, यह सत्य और सनातन की जीत

*भोपाल। धार भोजशाला को लेकर मप्र हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। इस फैसले को लेकर हरिभूमि ने राजधानी के हिंदू धर्मगुरुओं-संतों, जनप्रतिनिधियों से बात की। उन्होंने इस फैसले को राम मंदिर जैसा ऐतिहासिक बताते हुए इसका स्वागत किया और खुशी जताई है।*

## भोजशाला के लिए सनातनियों ने लंबे समय तक संघर्ष किया

मां चामुंडा दरबार भोपाल पुजारी रामजीवन दुबे ने बताया कि धार भोजशाला मामले को लेकर जो फैसले आया है, वह स्वागत योग्य है। यह सत्य और सनातन की जीत है। भारत के सनातन हिंदू धर्म पर इतिहास में लगातार आक्रमण हुए, मंदिर तोड़े गए और हिंदुओं पर अत्याचार किए गए। लेकिन इसके बावजूद हिंदू समाज अपनी संस्कृति और धर्म के लिए लगातार संघर्ष करता रहा। भोजशाला के लिए सनातनियों ने लंबे समय तक संघर्ष किया। हम सभी सनातनियों को न्यायालय पर विश्वास बना रहा। उसी विश्वास और सत्य की जीत हुई है। यह केवल एक कानूनी जीत नहीं, बल्कि सनातन परंपरा की जीत है।

### जैसी उम्मीद थी, वैसा आया फैसला

मप्र परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष पंडित विष्णु राजोरिया ने भोजशाला को लेकर हाई कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर' जैसी जीत की उम्मीद थी। वहीं फैसला कोर्ट ने सुनाया। उन्होंने कहा है कि न्यायालय ने भोजशाला मामले में साक्ष्यों और एएसआई की रिपोर्ट को प्राथमिकता दी है। मुगल शासकों ने तलवार के दम पर हमारे प्राचीन धार्मिक स्थलों पर अवैध कब्जा किया था। अब इस प्रकार के फैसले से हिंदुओं में न्याय की उम्मीद जगी है। धार भोजशाला सनातन और सत्य की बड़ी जीत है। यह एक ऐतिहासिक क्षण था।

### सभी समाज, वर्ग सत्य को स्वीकार करेंगे

*गुफा मंदिर के महंत राम प्रवेश दास महाराज ने कहा कि धार स्थित भोजशाला मामले में आए हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। महाराज ने कहा कि भोजशाला परिसर को देखने पर यह स्पष्ट होता है कि वहां का स्वरूप मंदिर जैसा है। उन्होंने कहा कि देश में कई ऐसे प्राचीन मंदिर हैं, जिन पर समय के साथ अन्य ढांचे स्थापित हुए हैं और इस दिशा में शोध व अध्ययन जारी है। अब न्यायालय के फैसले ने ऐतिहासिक तथ्यों को स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत लोगों ने लगातार कानूनी लड़ाई लड़ी, जिसके बाद यह फैसला आया है। उन्हें उम्मीद है कि सभी समाज, वर्ग सत्य को स्वीकार करेंगे। जिन मंदिरों को मुगल शासकों के दौर में नुकसान पहुंचाया गया, उन्हें वापस करके भाईचारे और दोस्ती का संदेश देगा।*

## धार भोजशाला पर हाईकोर्ट के निर्णय से प्रसन्न संगठन करेंगे आज हवन-पूजन

- संवैधानिक व्यवस्था के तहत हिंदुओं ने कानूनी लड़ाई लड़ी, जिसके बाद यह फैसला आया
- हाईकोर्ट का निर्णय भारतीय संस्कृति, आस्था, विरासत के सम्मान को नई मजबूती प्रदान करने करने वाला
- न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हुए सौहार्द और सांस्कृतिक गौरव को आगे बढ़ाने पर जोर

हरिभूमि चर्चा

### जाति एवं वर्गों को हाईकोर्ट के फैसले का सम्मान करना चाहिए

अखिल भारतीय संत समिति मप्र के कार्यकारी अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी अनिलानंद महाराज ने कहा कि भोजशाला को लेकर हाईकोर्ट द्वारा जो फैसला सुनाया गया, वह सर्वमान्य होना चाहिए, क्योंकि भारतीय संविधान के अनुसार हम लोग कोर्ट का अनुपालन करते हैं और सम्मान करते हैं। सभी जाति और वर्गों को कोर्ट का सम्मान करना चाहिए और निर्णय को स्वीकार करें। हिंदू संस्कृति के हिसाब से वहां मंदिर होने के संबंध में हाईकोर्ट ने जो फैसला दिया है, उसकी सभी को मान्य होना चाहिए। हम सभी कोर्ट का सम्मान करेंगे। उसको स्वीकार करेंगे, तथ्यों के आधार पर राजा भोज के द्वारा माता सरस्वती का वहां स्थान जो बनाया गया था, वह प्रमाणित हो चुका है।

### धार भोजशाला का फैसला हिंदू धर्म की जीत

धार भोजशाला का फैसला हिन्दू धर्म की जीत है। इस फैसले से भेल बरखेड़ा स्थिति मां सरस्वती देवी मंदिर में आने वाले भक्तों व बिहार सांस्कृतिक परिषद में खुशी की लहर है। यह भी एक ऐतिहासिक मंदिर है, जिसकी स्थापना 66 साल पहले 1960 में की गई थी, तभी से इस मंदिर में हर साल वसंत पंचमी पर मां सरस्वती की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। हाई कोर्ट के फैसले के बाद अब हिन्दू समाज के लोग आ-जा सकेंगे। वहां पर पूजा कर सकेंगे। यह तो पहले से ही तय था कि वहां सरस्वती माता का मंदिर है। कोर्ट के फैसले से यह साबित भी हुआ। परिषद के महासचिव सतेंद्र कुमार ने बताया कि इस फैसले के बाद मंदिर में शनिवार को हवन-पूजन व प्रसादी वितरण किया जाएगा।

## करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मानः खंडेलवाल

धार स्थित भोजशाला को लेकर मप्र हाईकोर्ट के फैसले के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर मप्र उच्च न्यायालय का निर्णय भारतीय संस्कृति, आस्था और हमारी गौरवशाली विरासत के सम्मान को नई मजबूती प्रदान करने वाला है। मां वाग्देवी की आराधना स्थली के रूप में भोजशाला की मान्यता एवं इसे संरक्षित स्मारक के रूप में संरक्षण मिलना करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान है। यह निर्णय श्रद्धालुओं के अधिकारों को सशक्त करेगा तथा भोजशाला की गरिमा को और मजबूती देगा। मां वाग्देवी की प्रतिमा को भारत वापस लाने संबंधी निर्देश भी स्वागत योग्य हैं। हम सभी को न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हुए सामाजिक समरसता, सौहार्द और सांस्कृतिक गौरव को आगे बढ़ाना है।

## धार भोजशाला के लिए सनातनियों ने लड़ी लंबी लड़ाईः शर्मा

धार भोजशाला के निर्णय का स्वागत कर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि भारत के सनातन हिंदू धर्म पर लगातार आक्रमण हुए, मुगलों ने मंदिरों पर आक्रमण किए, मंदिर तोड़े गए, वेद पुराण जलाए गए, लाखों हिंदुओं का रक्त बहाया गया लेकिन अपने धर्म के लिए, अपने हिंदुस्तान के लिए, अपनी संस्कृति के लिए हिंदू फिर भी लड़ता रहा। धार भोजशाला के लिए भी सनातनियों ने लंबी लड़ाई लड़ी है। न्यायालय पर हमारा विश्वास बना रहा कि यहां सत्य जीतेगा और आज इसी सत्य की जीत हुई है। मैं सनातन के लिए लड़ने वाले करोड़ बलिदानी हिंदुओं को नमन करता हूं। यह सनातन की जीत है। हम उम्मीद करते हैं कि मुसलमान भी सत्य को स्वीकार करेंगे और जहां-जहां हिंदुओं के स्मृति चिन्ह है, जिन-जिन मंदिरों को मुगल लुटेरों ने तोड़ा है, उनको वापस करके हिंदुओं की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाएंगे।

## मुस्लिम पक्ष करेगा अपील

धार के भोजशाला को लेकर हाईकोर्ट ने आदेश जारी किया है, जिसमें इस जगह को मंदिर मानने की बात सामने आई है। ऐसे में इस मामले को लेकर मुस्लिम पक्ष सुप्रीम कोर्ट जाएगा। जिसके तहत अपना पक्ष रखा जाएगा। यहां पर मस्जिद होने के सबूत पेश किए जाएंगे। एएसआई के सर्वे को लेकर भी कई तरह की बातें सामने आ रही हैं।

**अहमद खुर्रम**, अध्यक्ष ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी

---

**खबर संक्षेप**

### बाल आयोग में हुई दो सदस्यों की नियुक्ति

**भोपाल।** राज्य शासन ने बाल अधिकार संरक्षण आयोग में दो सदस्यों की नियुक्ति की है। इससे पहले डॉ. निवेदिता शर्मा को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया जा चुका है। आयोग में अब एक अध्यक्ष और दो सदस्यों की पूर्ण समिति कार्यरत होगी। इससे बाल अधिकार संरक्षण, बाल सुरक्षा और बाल कल्याण से जुड़े कार्यों का संचालन और अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। जानकारी के अनुसार, राज्य शासन ने मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग में सोनम निनामा और अधिवक्ता अर्चना गुप्ता को सदस्य नियुक्त किया है।

### 72 अभ्यर्थियों को जारी किए नियुक्ति-पत्र

**भोपाल।** मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा कंपनी द्वारा दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद 72 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रस्ताव जारी किए गए हैं। इनमें पूर्व में घोषित प्रथम प्रतीक्षा सूची के 29 अभ्यर्थी भी सम्मिलित हैं। सितंबर 2025 से अब तक विभिन्न पदों पर 277 चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति-पत्र जारी कर दिए गए हैं। सीधी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत विभिन्न श्रेणी-2 एवं श्रेणी-3 पदों के लिए कुल 43 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं। अभ्यर्थियों को निर्धारित समय-सीमा में आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

---

**मुख्यमंत्री डॉ. मोहन स्वयं करेंगे कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति का निरीक्षण**

# होमगार्ड संभालेंगे धार्मिक स्थलों का प्रबंधन प्रदेश में शुरू किए जाएंगे आईवीएफ सेंटर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

**प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालयों में लागू होगी बायोमीट्रिक अटेंडेंस**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विभाग और जिले जिन क्षेत्रों में पीछे हैं, उनमें सुधार के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। मप्र को सभी क्षेत्रों में देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करना हमारा प्रयास हो। जनहित में किए जाने वाले सभी नवाचारों को राज्य सरकार प्रोत्साहित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों और योजनाओं के क्रियावयन के संबंध में शुक्रवार को मंत्रालय में आयोजित नोडल विभागों की समीक्षा बैठक में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना में महिलाओं के नाम से रजिस्ट्री कराई जाए।

बैठक में सीएस, डीजीपी समेत अधिकारियों से चर्चा करते सीएम डॉ. मोहन यादव।

**सभी कार्यों की समीक्षा के लिए माह के पहले सोमवार को होगी बैठक**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर स्थानीय लोगों को जागरूक कर नर्मदा समग्र अभियान से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि नर्मदा समग्र मिशन से जुड़े सभी कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए सभी विभागों के अधिकारियों को माह के पहले सोमवार को बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्मदा परिक्रमा यात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए।

### कपास उत्पादक किसानों के लिए कम किया मंडी शुल्क

मुख्यमंत्री ने कृषक कल्याण वर्ष 2026 में नवाचार और नई योजनाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि खंडवा और बुरहानपुर की मंडियों में कपास उत्पादक किसानों से लिया जा रहा मंडी शुल्क एक रुपए से घटाकर 55 पैसे करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के कपास उत्पादक किसानों को उपज बेचने में कठिनाई न हो इसके लिए कपास का मंडी शुल्क पड़ोसी महाराष्ट्र राज्य के बराबर 55 पैसे किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने अग्निवीरों की भर्ती प्रक्रिया में केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से मिले निर्देशों को लागू करने के निर्देश दिए।

### उत्तर प्रदेश सरकार के साथ चित्रकूट धाम के समग्र विकास के लिए होगी संयुक्त बैठक

मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट धाम के समग्र विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। चित्रकूट धाम की मंदाकिनी नदी में पानी की धारा को अविरल रखने की योजना पर कार्य किया जाएगा। देश में विरासत से विकास के मॉडल के साथ धार्मिक पर्यटन का इकोसिस्टम तैयार किया गया है।

### बायोमीट्रिक उपस्थित लागू होगी

मुख्यमंत्री ने राजधानी भोपाल में मंत्रालय, विंध्याचल और सतपुड़ा भवन में तैनात कर्मचारियों की बायोमीट्रिक उपस्थिति की व्यवस्था की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बायोमीट्रिक अडेंटेंस एक नवाचारी पहल है। इसे प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालयों में लागू किया जाए। सभी कार्यालयों में बॉयोमैट्रिक उपस्थित लागू होने से शासकीय कार्य कुशलता और समय बद्धता में वृद्धि होगी।

### सांदीपनी विद्यालय परिसरों में अकादमी समय के बाद संचालित हों स्किल डेवलपमेंट गतिविधियां

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में आईवीएफ सेंटर स्थापित करने के लिए आवश्यक कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांदीपनी विद्यालय परिसरों तथा महाविद्यालयों में अकादमी समय के बाद स्किल डेवलपमेंट, कम्प्यूटर प्रशिक्षण और कोचिंग जैसी गतिविधियां संचालित की जा सकती है।

---

## हर वर्ग के हित में काम कर रही सरकार : नायब सैनी

**यमुनानगर।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यमुनानगर के आदिबद्री में आयोजित पार्टी के दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार समाज के हर वर्ग के हित में कार्य कर रही है और प्रदेश को विकास की नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचारों को सरकार धरातल पर उतार रही है। गरीब, किसान, युवा, महिला और मजदूर वर्ग के उत्थान के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शिता, ईमानदारी और सेवा भाव के साथ कार्य कर रही है, जिससे प्रदेश में विकास कार्यों को नई गति मिली है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की नीतियों और सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण अभियान कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से मजबूत बनाएगा।

## सिंहस्थ संबंधी कार्यों में सहयोग कर नई मिशाल पेश कर रही उज्जैन की जनताः मुख्यमंत्री

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थः 2028 के लिए श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों के आवागमन एवं सुविधाएं बढ़ाने के लिए घाटों एवं मार्गों के चौड़ीकरण कार्य किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा सभी कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। सिंहस्थ के लिए सभी कार्य इस तरीके से किए जा रहे हैं कि पौराणिक और धार्मिक नगरी उज्जैन को लंबे समय तक उनका लाभ प्राप्त हो। उज्जैन के जनप्रतिनिधि, सभी धर्म के अनुयायी और नागरिक विकास कार्यों का समर्थन कर रहे हैं और सहयोग प्रदान कर देश के लिए एक नई मिसाल बन रहे है।

---

## तंबाकू सेवन के खिलाफ अभियान के लिए 'हेल्थ एंबेसडर' बनेंगे स्कूली बच्चे

**गुरुग्राम।** विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर एसजीटी विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ इंडियन मेडिकल सिस्टम द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बुढेड़ा में तंबाकू जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना था। साथ ही तंबाकू सेवन के खिलाफ सामाजिक अभियान चलाने के लिए बच्चों को 'स्वास्थ्य दूत' बनाने का भी मिशन छेड़ा जाएगा।कार्यक्रम की शुरुआत एसजीटीयू के बीएएमएस विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक से हुई, जिसमें तंबाकू सेवन के स्वास्थ्य एवं सामाजिक दुष्प्रभावों को दर्शाते हुए विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।इसके पश्चात फैकल्टी सदस्यों एवं शोधार्थियों द्वारा जागरूकता व्याख्यान आयोजित किए गए। डॉ. आशीष मिश्रा, विभागाध्यक्ष, अगड़ तंत्र विभाग तथा डॉ. चित्रा, रसायन शास्त्र विभाग ने तंबाकू सेवन, निष्क्रिय धूम्रपान, साथियों के दबाव (पीयर प्रेशर) और तंबाकू मुक्त जीवन के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए विद्यार्थियों के बीच प्री-टेस्ट एवं पोस्ट-टेस्ट भी आयोजित किए गए।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक स्लोगन आधारित गतिविधियों में भाग लिया तथा शोधार्थियों के साथ मिलकर तंबाकू विरोधी संदेशों को दोहराया।

**देश की मूल संस्कृति व मूल प्रकृति को समझो: आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण**

## पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन में पांच दिवसीय कार्यशाला आयोजित

**हरिद्वार।** भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय (एमओसी) की मुख्य पहल "ज्ञानभारतम मिशन" के अंतर्गत, पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, हरिद्वार में आयोजित 'पांडुलिपियों का निवारण एवं संरक्षण' पर पंचदिवसीय कार्यशाला पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, हरिद्वार में आयोजित की गई। इसी क्रम में, संस्कृति, धरोहर, संरक्षण और उन्हें स्थिर करने की वैज्ञानिक विधियों पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम में संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों, विशेषज्ञों तथा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथियों का स्वागत माला और स्मृति चिह्न भेंट करके किया गया। इस पंचदिवसीय श्रृंखला के पांचवें दिवस श्रद्धेय आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण ने 'देश की मूल संस्कृति व मूल प्रकृति' को समझने का उद्घोष करते हुए कहा कि जीर्ण-क्षीर्ण पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण का उद्देश्य हमारी प्राचीन सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को

**'पांडुलिपियों का निवारण एवं संरक्षण' विषय पर होगा कार्यक्रम**

भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना है। उन्होंने रेखांकित किया कि केवल संरक्षण ही नहीं बल्कि प्राचीन पांडुलिपियों के साथ-साथ नए लेखन कार्य को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने आह्वान किया कि 400–500 वर्ष पुरानी पांडुलिपियों को संशोधित एवं पुनर्संरक्षित करके उन्हें नए स्वरूप में प्रस्तुत किया जाए ताकि वे आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर बन सकें। साथ ही, उन्होंने 'साक्ष्य-आधारित दस्तावेजों' और प्रमाणों के संरक्षण पर जोर दिया, जिसमें शास्त्रीय ग्रंथों, दस्तावेजों, 'बाबरनामा' और 'आईने अकबरी' जैसे ऐतिहासिक स्त्रोतों का संदर्भ लेकर इतिहास की गहन समझ विकसित करने की बात कही गई। पतंजलि के प्रयासों का उल्लेख करते हुए आचार्यश्री ने 'साक्ष्य-आधारित इतिहास लेखन' की दिशा में किए जा रहे कार्यों को साझा किया। उन्होंने यह भी कहा कि पांडुलिपियाँ केवल पुरातन दस्तावेज नहीं हैं अपितु वे हमारी संपदा, संस्कृति व ज्ञान का अमूल्य भंडार हैं, जिन्हें संरक्षित करना आवश्यक है। उन्होंने चरक संहिता, सुश्रुत संहिता और धन्वंतरि जैसे प्राचीन ग्रंथों का उल्लेख करते हुए पांडुलिपियों के अध्ययन से इतिहास के छिपे हुए रहस्यों को समझाने की बात कही। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा में प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को संस्कृति-संरक्षण के मूल आधारों से सहसंबद्ध बताया और संस्कृति मंत्रालय के प्रयासों की सराहना की। साथ ही, यह भी बताया कि भारत सरकार द्वारा 'ज्ञानभारतम्' राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण से इन ग्रंथों की पहचान, पुनर्लेखन और डिजिटल संरक्षण का कार्य प्रारंभ किया गया है।

## एलन देगा री-नीट देने वाले सभी 23 लाख छात्रों को निःशुल्क अकेडमिक सपोर्ट

**कोटा।** नीट परीक्षा रद्द होने के बाद शिक्षा मंत्रालय ने 21 जून को री-नीट परीक्षा करवाने की घोषणा की है। ऐसे री-नीट देने वाले देशभर के सभी 22.80 लाख स्टूडेंट्स के लिए एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया हैं। स्टूडेंट फर्स्ट के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन क्लासेज के साथ-साथ टेस्ट एवं सोल्युशंस सुविधाएं सभी स्टूडेंट्स को निशुल्क दी जा रही है। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के सीईओ नितिन कुकरेजा ने कहा कि हम समझते हैं कि यह समय स्टूडेंट्स के लिए मानसिक और शैक्षणिक रूप से चुनौतीपूर्ण है। स्टूडेंट्स की तैयारी प्रभावित न हो, आत्मविश्वास बना रहे और वे अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ते रहें, इसके लिए एलन हर संभव शैक्षणिक सहयोग, मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। हम हर स्टूडेंट के साथ खड़े हैं।उन्होंने कहा कि री-नीट में शामिल होने जा रहे स्टूडेंट्स के लिए एलन एक्सपटर्स फैकल्टीज के निशुल्क अकेडमिक सपोर्ट के साथ कई अन्य सुविधाएं आज 15 मई से शुरू की जा रही है। इसके तहत एलन एप (ALLEN App) पर रोजाना सुबह 9 से 12 बजे तक स्कोर बूस्टर क्लासेज होंगी। इसके बाद एलन एप पर ही दोपहर 2 से 5 बजे तक रोजाना नीट पैटर्न टेस्ट होगा, जिसमें सभी स्टूडेंट्स को डिटेल्ड एनालिसिस भी मिलेगा। इसके साथ ही प्रतिदिन होने वाले पेपर का सायं 5:30 बजे से एलन नीट (ALLENNEET) यू-ट्यूब चैनल पर एक्सपर्ट फैकल्टीज द्वारा रोजाना डिटेल्ड पेपर सोल्युशन्स भी दिया जाएगा। यह सुविधा एलन एप पर रजिस्ट्रेशन करने वाले सभी छात्रों को 100 प्रतिशत निशुल्क प्रदान किए जाएंगे। विद्यार्थियों से हमारा अनुरोध है उन्हें सभी अनावश्यक बातों से दूर रहकर पूरी सकारात्मकता के साथ अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

**केंद्र की सरकार को बनाने और गिराने की ताकत रखने वाले कुछ प्रमुख क्षेत्रीय दल आज अपने ही गढ़ों में बेहद सीमित होकर रह गए हैं। हाल ही में हुए बिहार, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे कई राज्यों में चुनाव परिणाम इसी ओर इशारा कर रहे हैं। मतदाता अब जागरूक हो गए हैं। वे केवल क्षेत्रीय पहचान, भाषायी अस्मिता और स्थानीय भावनाओं के आधार पर वोट नहीं कर रहे, बल्कि विकास, स्थिर नेतृत्व और राष्ट्रीय दृष्टि को भी प्राथमिकता देने लगे हैं। कह सकते हैं कि लंबे समय तक सत्ता में बने रहने वाले क्षेत्रीय दलों के सामने अब नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। भारतीय राजनीति में निर्णायक बदलाव 2014 के बाद देखने को मिला। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता हासिल की और उसके बाद राष्ट्रीय राजनीति का चरित्र तेजी से बदलने लगा। इससे पहले केंद्र में बनने वाली सरकारें क्षेत्रीय दलों के समर्थन पर निर्भर रहती थीं। क्षेत्रीय दलों के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने की है। बदलते राजनीतिक दौर में यदि क्षेत्रीय दलों को अपना अस्तित्व बचाना है, तो उन्हें अपनी एकाधिकार वाली सोच को बदलना होगा। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि क्षेत्रीय दल नई परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल पाते हैं या नहीं। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...।***

# खत्म हो रहा क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व !

**विश्लेषण**
अनिरुद्ध प्रताप सिंह
स्वतंत्र पत्रकार

**भारतीय राजनीति, लंबे समय तक, क्षेत्रीय दलों की शक्ति और प्रभाव के इर्द-गिर्द घूमती रही है। साल 1989 के बाद का दौर ऐसा था, जब केंद्र की सत्ता में कोई भी राष्ट्रीय दल अपने दम पर स्थिर बहुमत हासिल नहीं कर पा रहा था। उस समय क्षेत्रीय दल न केवल राज्यों की राजनीति नियंत्रित करते थे, बल्कि दिल्ली की सत्ता के गठन और संचालन में भी निर्णायक भूमिका निभाते थे। राष्ट्रीय परिदृश्य यह संकेत देता है कि मतदाताओं का झुकाव धीरे-धीरे राष्ट्रीय दलों की ओर बढ़ रहा है। विपक्षी दल लगातार संघीय ढांचे, राज्यों के अधिकारों और केंद्र सरकार की नीतियों को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं।**

भारतीय राजनीति एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर जा पहुंची है, जहां दशकों तक सत्ता और समीकरण तय करने वाले क्षेत्रीय दलों का प्रभाव घटता दिखाई दे रहा है। कभी केंद्र की सरकारों को बनाने और गिराने की ताकत रखने वाले ये दल आज अपने ही गढ़ों में बेहद सीमित होकर रह गए हैं। पश्चिम बंगाल से तमिलनाडु और ओडिशा तक हालिया चुनाव परिणामों में देखा जा सकता है कि मतदाता अब केवल क्षेत्रीय पहचान, भाषाई अस्मिता और स्थानीय भावनाओं के आधार पर वोट नहीं कर रहे, बल्कि विकास, स्थिर नेतृत्व और राष्ट्रीय दृष्टि को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। भारतीय राजनीति, लंबे समय तक, क्षेत्रीय दलों की शक्ति और प्रभाव के इर्द-गिर्द घूमती रही है। साल 1989 के बाद का दौर ऐसा था, जब केंद्र की सत्ता में कोई भी राष्ट्रीय दल अपने दम पर स्थिर बहुमत हासिल नहीं कर पा रहा था। उस समय क्षेत्रीय दल न केवल राज्यों की राजनीति नियंत्रित करते थे, बल्कि दिल्ली की सत्ता के गठन और संचालन में भी निर्णायक भूमिका निभाते थे। लेकिन हाल के विधानसभा चुनावों ने एक नई बहस को जन्म दिया है।

## क्षेत्रीय दलों का रहा स्वर्णकाल

क्या भारत में क्षेत्रीय दलों का स्वर्णकाल समाप्ति की ओर बढ़ रहा है? पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस और तमिलनाडु में डीएमके जैसी मजबूत क्षेत्रीय पार्टियों को हालिया चुनावों में उम्मीद से कहीं अधिक नुकसान हुआ है। बंगाल में भाजपा का अभूतपूर्व प्रदर्शन और तमिलनाडु में डीएमके की हार ने यह संकेत दिया है कि मतदाता अब केवल क्षेत्रीय पहचान की राजनीति से प्रभावित नहीं हो रहे। यह बदलाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक प्राथमिकताओं में बदलाव का संकेत भी माना जा रहा है। तमिलनाडु की राजनीति इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आई है। दशकों तक द्रविड़ राजनीति और तमिल अस्मिता के मुद्दों पर चुनाव जीतने वाली डीएमके को इस बार जनता ने सत्ता से बाहर कर दिया। यहां तक कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन स्वयं अपनी सीट नहीं बचा सके। यह केवल एक नेता की हार नहीं, बल्कि उस राजनीतिक नैरेटिव को चुनौती है, जो लंबे समय तक तमिल पहचान के आधार पर मजबूत बना रहा। हाल के चुनाव परिणामों ने यह स्पष्ट किया है कि मतदाता अब बदलाव और प्रशासनिक प्रदर्शन को अधिक महत्व देने लगे हैं।

## राज्यों में सत्ता विरोधी लहर

क्षेत्रीय अस्मिता और स्थानीय भावनाओं के साथ-साथ अब विकास, स्थिरता और मजबूत नेतृत्व जैसे मुद्दे निर्णायक बनते जा रहे हैं। तमिलनाडु में डीएमके के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर ने उसके पारंपरिक वोट बैंक को प्रभावित किया। दिल्ली और पंजाब तक सीमित रह गई आम आदमी पार्टी का कमजोर होता प्रभाव भी इसी बदलाव का हिस्सा माना जा सकता है। तकनीकी रूप से राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त होने के बावजूद उसका प्रभाव सीमित रहा और हाल के समय में उसे राजनीतिक झटके झेलने पड़े। इसी तरह वामपंथ की सबसे बड़ी पार्टी सीपीआई (एम) भी अब केरल तक सिमटती दिखाई दे रही है। ओडिशा में नवीन पटनायक की बीजू जनता दल की हार ने भी इस प्रवृत्ति को मजबूत किया। करीब 24 वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद बीजेडी का सत्ता से बाहर होना यह दर्शाता है कि लंबे समय तक सत्ता में बने रहने वाले क्षेत्रीय दलों के सामने अब नई चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। भाजपा ने वहां केवल चुनाव नहीं जीता, बल्कि क्षेत्रीय राजनीति के सबसे मजबूत गढ़ों में सेंध लगाने का संदेश दिया। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि सभी क्षेत्रीय दल समाप्ति की ओर बढ़ रहे हैं।

## झारखंड व जेके में पकड़ कायम

झारखंड में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा अभी भी मजबूत स्थिति में है। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की राजनीतिक पकड़ भी बनी हुई है। लेकिन इन राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां अलग हैं और वहां सामाजिक-सांस्कृतिक समीकरण राष्ट्रीय राजनीति से अलग रूप लेते हैं। इसके बावजूद व्यापक राष्ट्रीय परिदृश्य यह संकेत देता है कि मतदाताओं का झुकाव धीरे-धीरे राष्ट्रीय दलों की ओर बढ़ रहा है। विपक्षी दल लगातार संघीय ढांचे, राज्यों के अधिकारों और केंद्र सरकार की नीतियों को मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। राज्यों को फंड आवंटन, केंद्रीय एजेंसियों के उपयोग और परिसीमन जैसे विषयों पर बहस तेज हुई है, लेकिन इन मुद्दों का चुनावी असर सीमित दिखाई दिया। समाजवादी पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में उल्लेखनीय प्रदर्शन जरूर किया, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की राजनीतिक पकड़ कमजोर नहीं हुई। भाजपा की सीटें कम होने के बावजूद उसका प्रभाव बरकरार रहा और उसके सहयोगी दल भी उसके साथ मजबूती से खड़े दिखाई दिए। इससे यह संकेत मिला कि राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा अभी भी केंद्रीय शक्ति बनी हुई है। भारतीय राजनीति में निर्णायक बदलाव 2014 के बाद देखने को मिला। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता हासिल की और उसके बाद राष्ट्रीय राजनीति का चरित्र तेजी से बदलने लगा। इससे पहले केंद्र में बनने वाली सरकारें क्षेत्रीय दलों के समर्थन पर निर्भर रहती थीं। भाजपा की मजबूत पकड़ ने समाजवादी पार्टी, बसपा, आरजेडी, शिवसेना और एनसीपी जैसे दलों को कमजोर कर दिया। कई क्षेत्रीय दलों में विभाजन हुआ और उनके गुट राष्ट्रीय गठबंधनों का हिस्सा बन गए। बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) ने लंबे समय तक राजनीतिक संतुलन बनाए रखा, लेकिन वहां भी भाजपा का प्रभाव लगातार बढ़ा।

## राजनीतिक प्रासंगिकता का सवाल

तेलंगाना में बीआरएस जैसी पार्टी, जिसने राज्य निर्माण की राजनीति के आधार पर अपनी पहचान बनाई थी, उसे कांग्रेस ने सत्ता से बाहर कर दिया। यह दर्शाता है कि केवल क्षेत्रीय पहचान अब चुनावी सफलता की गारंटी नहीं रह गई है। क्षेत्रीय दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने की है। तमिलनाडु, तेलंगाना और केरल जैसे राज्यों में राष्ट्रीय दलों की बढ़ती सक्रियता आने वाले समय में राजनीति की दिशा बदल सकती है। फिर भी भारतीय लोकतंत्र की विविधता को देखते हुए क्षेत्रीय दलों की भूमिका पूरी तरह समाप्त होती नहीं दिखाई देती। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि क्षेत्रीय दल नई परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल पाते हैं या नहीं।

# द्रविड़ राजनीति के नए अध्याय की शुरुआत

**सियासत**
भूपेन्द्र
वरिष्ठ पत्रकार

तमिलनाडु की राजनीति पांच दशकों से द्रविड़ दलों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। एम. करुणानिधि और जे. जयललिता जैसे नेताओं ने राज्य की राजनीति को ऐसी दिशा दी, जहां राष्ट्रीय दल हमेशा सीमित भूमिका में दिखाई दिए। लगभग छह दशकों में पहली बार ऐसा हुआ कि "द्रविड़" शब्द के बिना किसी पार्टी ने तमिलनाडु की सत्ता संभाली। हालांकि, टीवीके और विजय द्रविड़ विचारधारा से कितनी दूरी बनाए रखेंगे, यह अभी देखना बाकी है। क्योंकि सत्ता संभालने के तुरंत बाद ही विजय ने द्रविड़ आंदोलन के प्रमुख नेता पेरियार ई.वी. रामासामी को श्रद्धांजलि अर्पित की, लेकिन अब, अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलागा वेट्री कज़गम (टीवीके) की ऐतिहासिक जीत और विजय के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि क्या तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति का युग समाप्त हो रहा है? इस प्रश्न का उत्तर इतना सीधा नहीं है। टीवीके की जीत निश्चित रूप से तमिल राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है, लेकिन इसे द्रविड़ राजनीति के अंत के रूप में देखना जल्दबाजी हो सकती है। तमिलनाडु में द्रविड़ आंदोलन केवल राजनीतिक विचारधारा नहीं रहा, बल्कि सामाजिक न्याय, क्षेत्रीय पहचान और हिंदी विरोध की भावना से जुड़ा एक सांस्कृतिक आंदोलन था। सीएन अन्नादुराई और पेरियार ई.वी. रामासामी ने जिस आंदोलन की शुरुआत की, उसने ब्राह्मणवादी वर्चस्व, जातीय असमानता और केंद्र के प्रभुत्व के खिलाफ एक नई राजनीतिक चेतना पैदा की। इसी कारण द्रमुक और अन्नाद्रमुक जैसी पार्टियां केवल चुनावी संगठन नहीं रहीं; वे तमिल पहचान का हिस्सा बन गईं। मुफ्त योजनाएं, सामाजिक कल्याण, शिक्षा और क्षेत्रीय गौरव-इन सब ने द्रविड़ दलों को जनता के बीच मजबूत आधार दिया। तमिलनाडु में इस बदलाव के पीछे कई कारण रहे हैं। तमिलनाडु का राजनीतिक इतिहास राजनीतिक नाटकीयता का अभ्यस्त रहा है, जहां सिनेमा और सत्ता अक्सर एक ही धारा में घुल-मिल जाते हैं। एम. जी. रामचंद्रन और फिर जे. जयललिता के बाद से कुछ वर्षों में तमिलनाडु की राजनीति में नेतृत्व का संकट साफ दिखाई देने लगा था। एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक सत्ता में बनी रही, लेकिन युवाओं के बीच राजनीति को लेकर एक नई बेचैनी भी उभरी। अन्नाद्रमुक लगातार आंतरिक संघर्ष से कमजोर होती गई। ऐसे माहौल में विजय ने खुद को "नई राजनीति" के प्रतीक के रूप में पेश किया। फिल्मों में उनकी लोकप्रियता पहले से ही बहुत बड़ी थी, लेकिन उन्होंने केवल स्टारडम पर निर्भर रहने के बजाय बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक सुधार जैसे मुद्दों को उठाया। जो टीवीके की जीत के पीछे मुख्य बड़ा कारण रही। टीवीके की जीत के पीछे दूसरा सबसे बड़ा कारण है लंबे समय से द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच घूमती राजनीति से जनता का एक वर्ग थक चुका था, मुख्य रूप से युवा, इसलिए युवाओं का समर्थन विजय की पार्टी टीवीके को मिला और पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं ने पारंपरिक राजनीति से अलग विकल्प चुना। टीवीके की जीत तमिलनाडु की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ जरूर है, लेकिन इसे द्रविड़ राजनीति के अंत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह अधिक सही होगा कि इसे द्रविड़ राजनीति के "नए अध्याय" की शुरुआत कहा जाए। इस जीत के बाद विजय की सबसे बड़ी चुनौती अब चुनाव जीतना नहीं, बल्कि यह साबित करना होगी कि क्या वे वहां की जनता की उम्मीदों के अनुरूप शासन दे सकते हैं। आने वाले वर्षों में यह तय होगा कि टीवीके केवल एक करिश्माई लहर थी या तमिलनाडु की राजनीति का एक स्थायी भविष्य। विजय खुद भले नई राजनीति की बात करते हों, लेकिन उनकी राजनीति पूरी तरह द्रविड़ विचारधारा से अलग नहीं दिखती।

**एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक सत्ता में बनी रही, लेकिन युवाओं के बीच राजनीति को लेकर एक नई बेचैनी भी उभरी। अन्नाद्रमुक लगातार आंतरिक संघर्ष से कमजोर होती गई। ऐसे माहौल में विजय ने खुद को "नई राजनीति" के प्रतीक के रूप में पेश किया।**

सामाजिक न्याय, तमिल पहचान और कल्याणकारी योजनाओं पर उनका जोर द्रविड़ राजनीति की ही विरासत को आगे बढ़ाता है। अंतर केवल शैली और नेतृत्व में है। टीवीके अधिक आधुनिक, युवा-केंद्रित राजनीति करती है। विजय की छवि पारंपरिक नेताओं से अलग, "सिस्टम बदलने वाले" नेता की बनाई गई है। इसलिए कहा जा सकता है कि तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति खत्म नहीं हुई है; बल्कि उसका नया संस्करण सामने आया है।

# घटते- घटते इस बार वामदलों का पूरा सफाया

**संकेत**
डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र टिप्पणीकार

केरल में 2026 विधानसभा चुनाव में एलडीएफ सरकार के सता से हटने के बाद, भारत के नक्शे पर एक भी राज्य ऐसा नहीं बचा, जहां वामपंथी दलों का सीधा शासन हो। 1967 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब वामपंथ के तीन गढ़ों- त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और केरल में से एक में भी वे सत्ता में नहीं हैं। यह चुनावी हार भारतीय राजनीति में लेफ्ट के खात्मे का संकेत है। केरल में लेफ्ट फ्रंट वैकल्पिक रूप से सत्ता में आता रहा है। 2021 में एलडीएफ ने 99 सीटें जीतकर इतिहास रचा था। यह पहली बार था जब वहां कोई गठबंधन लगातार दूसरी बार जीता, लेकिन 2024 लोकसभा चुनाव में एलडीएफ को 19 में से महज 1 सीट मिली जबकि यूडीएफ को 18 सीटें मिलीं। यह संकेत था कि 2026 विधानसभा में बदलाव होगा और ऐसा हुआ भी। केरल में एलडीएफ का वोट शेयर 2021 में 49% के मुकाबले गिरकर 2026 में 34% रह गया। जबकि यूडीएफ का वोट शेयर 38% से बढ़कर 48% हो गया यानी 10 प्रतिशत का उछाल।

भारत में वामपंथी दलों का राष्ट्रीय वोट शेयर बीते 35 वर्षों से लगातार गिर रहा है। 1989 लोकसभा चुनाव में लेफ्ट को 8.03 फीसदी वोट और 53 सीटें मिली थीं। 2014 लोकसभा में यह वोट शेयर घटकर 4.08 प्रतिशत और 10 सीटों तक सीमित हो गया। 2019 लोकसभा में लेफ्ट को महज 2.93 फीसदी वोट और 5 सीटें मिलीं। 2024 लोकसभा में यह घटकर 2.63 प्रतिशत और महज 7 सीटों तक सिमट गया। राष्ट्रीय परिदृश्य में वामपंथ के सिमटने के तीन मुख्य कारण हैं- पहला, क्षेत्रीय दलों का उदय। पश्चिम बंगाल में टीएमसी, त्रिपुरा में बीजेपी, केरल में कांग्रेस ने वामपंथी मतदाता को खींचा। वामपंथी वोटर अब विचारधारा से ज्यादा सत्ता-विरोध और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर वोट करता है। दूसरा, आर्थिक मॉडल की चुनौती। केरल में 94% साक्षरता है लेकिन बेरोजगारी 12% है। वहीं बीजेपी और कांग्रेस ने "विकास+रोजगार" का नारा देकर युवाओं को आकर्षित किया। तीसरा, राष्ट्रीय राजनीति में 2014 के बाद वामपंथी दलों ने कांग्रेस से दूरी बना ली। राष्ट्रीय बहस में आर्थिक मुद्दों की जगह पहचान, राष्ट्रवाद ने ले ली, जहां वामपंथी नैरेटिव कमजोर पड़ता है। दक्षिण भारत के एक दूसरे राज्य तमिलनाडु की राजनीति भारत में सबसे अलग रही है। यहां न तो कांग्रेस का एकाधिकार कभी पूरी तरह बना और न ही बीजेपी का सीधा प्रवेश हुआ। इसका कारण है द्रविड़ आंदोलन और पेरियार ई. वी. रामासामी की विचारधारा जिसने बीते 80 वर्षों से राज्य की सत्ता को परिभाषित किया। तमिलनाडु की राजनीति की जड़ें 1920 के दशक में हैं। ई. वी. रामासामी 'पेरियार' ने 1925 में आत्मसम्मान आंदोलन शुरू किया। 1938 में हिंदी अनिवार्यता के खिलाफ आंदोलन में पेरियार की पत्नी नागम्माई और बहन मुथम्मल ने 1700 महिलाओं के साथ जेल भराव किया। इसी आंदोलन से सी. एन. अन्नादुराई निकले जिन्होंने 1949 में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) बनाई। 1967 में डीएमके ने पहली बार कांग्रेस को हराया। इस चुनाव में डीएमके को 138 सीटें, कांग्रेस को 50 सीटें मिलीं। यह दक्षिण भारत में कांग्रेस की पहली बड़ी हार थी। 1967 के बाद तमिलनाडु में राजनीति दो ध्रुवों में बंट गई। एक तरफ पेरियार के तर्कवाद, तमिल पहचान और सामाजिक न्याय पर जोर के साथ डीएमके थी तो दूसरी ओर 1972 में एम. जी. रामचंद्रन द्वारा बनाई गई यानी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम। एमजीआर ने डीएमके से अलग होकर फिल्मी लोकप्रियता और अम्मा छवि से राजनीति की। खास बात यह भी है कि तमिलनाडु में धर्म और राजनीति आपस में जुड़ी हैं। रजनीकांत की आध्यात्मिक राजनीति हिंदू वोट एवं तर्कवादी डीएमके वोट, दोनों को आकर्षित कर सकती है। स्टार पावर अकेले नहीं चलती, पार्टी संगठन की मजबूती बहुत जरूरी है। रजनीकांत के पास करिश्मा है पर संगठन और स्वास्थ्य बड़ी बाधा हैं। अगर वे आते भी हैं तो डीएमके-एआईएडीएमके के सियासी आधार और उनकी तुलना में युवा एक्टर विजय की टीवीके के बढ़ते प्रभुत्व को तोड़ना आसान नहीं होगा।

***भारत में वामपंथी दलों का राष्ट्रीय वोट शेयर बीते 35 वर्षों से लगातार गिर रहा है। 1989 लोकसभा चुनाव में लेफ्ट को 8.03 फीसदी वोट और 53 सीटें मिली थीं। 2024 चुनाव में यह वोट शेयर घटकर 2.63 प्रतिशत और महज 7 सीटों तक सिमट गया।***

# क्षेत्रीय राजनीति के ढहते किले और राष्ट्रीय विकल्प का उदय

**मंथन**
डा. चंद्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

भारतीय राजनीति के समकालीन परिदृश्य में एक बड़ा और युगांतकारी बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। देश के भीतर प्रादेशिक क्षत्रपों और क्षेत्रीय दलों की जो प्रभुता कभी अजेय मानी जाती थी, उसका दायरा अब धीरे-धीरे सिमटने लगा है। आज चाहे कोई भी प्रदेश क्यों न हो, मतदाता अब लोकलुभावन और संकीर्ण क्षेत्रीय विमर्श से बाहर निकलकर राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, सुरक्षा और एक मजबूत केंद्रीय विकल्प की ओर कदम बढ़ा रहा है।

किसी भी राज्य में आने वाले चुनावी परिणाम केवल एक सत्ता परिवर्तन मात्र नहीं हैं, बल्कि वे इस बात के जीवंत प्रमाण हैं कि वैचारिक आधार के बिना केवल प्रादेशिक अस्मिता के भरोसे राजनीति के अभेद्य किले हमेशा के लिए सुरक्षित नहीं रखे जा सकते। पश्चिम बंगाल के हालिया राजनीतिक घटनाक्रम को इसी बदलते राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। जैसे ही वहां चुनावी नतीजे आने शुरू हुए, पंद्रह वर्षों से सत्ता के शिखर पर बैठी ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी का वजन घटने लगा। लगभग यह स्पष्ट हो गया कि ममता बनर्जी का जिसे अभेद्य समझा जाने वाला राजनीतिक किला कहा जाता था, वह ढह चुका है। आज बड़े-बड़े राजनीतिक पंडितों के अनुमान, सर्वेक्षण और विश्लेषण धराशाई हो जाते हैं। बंगाल में भी वही हुआ। आज़ादी के इतिहास में पहली बार बीजेपी दो सौ का आंकड़ा पार कर बंगाल सत्ता के शीर्ष पर पहुंच गई। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि मतदाता अब क्षेत्रीय दलों के एकाधिकार को चुनौती देने के लिए तैयार हो चुका है। 33 वर्षों के लेफ्ट के शासन को उखाड़ फेंकने वाली ममता बनर्जी आज स्वयं बहुत असहाय सी प्रतीत हो रही हैं। पहले कांग्रेस, फिर लेफ्ट और फिर ममता बनर्जी की टीएमसी उसी पैटर्न पर चलते हुए सत्ता के शिखर तक पहुंची थीं। पंद्रह वर्ष पूर्व ममता बनर्जी ने लेफ्ट के जिस रक्त-रंजित करने वाले कैडर को अपनी जुझारू छवि के बलबूते पर उखाड़ फेंका था, बाद में वही चरित्र वाला राजनीतिक कैडर टीएमसी का सिपहसालार बनकर अपने हित साधने लगा और बंगाल की राजनीति एक ऐसे अभेद्य किले के रूप में स्थापित हो गई, जिसे भेद पाना लगभग असंभव लगने लगा था। संदेशखाली और आर जी कर जैसी वीभत्स घटनाओं के बाद जिस तरह का एक कड़ा संदेश ममता बनर्जी को देना चाहिए था, वो नहीं दे पाईं। पूरे बंगाल में विरोध प्रदर्शन हुए और परिणाम यह हुआ कि मध्यम वर्ग का एक बड़ा तबका असुरक्षा की भावना के साथ उनके खिलाफ खड़ा हो गया। टीएमसी की सत्ता के विरुद्ध एक चिंगारी धीरे-धीरे सुलगने लगी और अंततः उस चिंगारी ने भीषण आग का रूप ले लिया। आज जबकि ममता बनर्जी सत्ता से बाहर हो चुकी हैं, तो बहुत सारे नए प्रश्न उठ खड़े हुए हैं। अपने जुझारूपन के लिए प्रसिद्ध ममता बनर्जी क्या फिर से वापसी कर पाएंगी या वह प्रदेश की कमान किसी अन्य व्यक्ति को सौंप कर केंद्र की राजनीति करेंगी। यह चुनौती सिर्फ उनकी नहीं है, बल्कि देश के उन तमाम क्षेत्रीय दलों की है जो एक ही ढर्रे पर चल रहे हैं। ममता बनर्जी के लिए एक बड़ा प्रश्न पार्टी और परिवार में से किसी एक को चुनना भी है। पार्टी पर होल्ड अभिषेक बनर्जी का है, जिनकी छवि साफ-सुथरी नहीं है। इसके साथ ही कई कद्दावर और साफ छवि के नेता अपनी दावेदारी ठोक सकते हैं जिससे आंतरिक संघर्ष बढ़ेगा। यही क्षेत्रीय दलों की सबसे बड़ी कमजोरी रही है कि वे पारिवारिक नियंत्रण या एक व्यक्ति के दायरे से बाहर नहीं सोच पाते, जिसके कारण राष्ट्रीय लहर के सामने उनका बिखरना तय हो जाता है। अब इस चुनौती से ममता बनर्जी पार्टी को निकाल कर कैसे खड़ा करती हैं, यह देखना होगा। इस सब के अतिरिक्त एक बड़ी और गंभीर चुनौती है ममता बनर्जी और पार्टी पर मुस्लिम तुष्टिकरण का गंभीर आरोप। स्थिति यह है कि आसनसोल के बस्तीन बाजार का दुर्गा मंदिर, जो लेफ्ट के शासनकाल में बंद कर दिया गया था, पंद्रह वर्षों के टीएमसी के शासनकाल में भी नहीं खोला जा सका। पश्चिम बंगाल की राजनीति अब विकास, सुरक्षा, प्रशासन और न्याय व्यवस्था की परिधि से निकलकर धर्म और राष्ट्रीय अस्मिता की मुख्यधारा में आ चुकी है। बदलते राजनीतिक दौर में यदि क्षेत्रीय दलों को अपना अस्तित्व बचाना है, तो उन्हें अपनी एकाधिकार वाली सोच को बदलना होगा। बंगाल में विपक्ष के नाम पर भले ही टीएमसी के सिवाय कोई और विकल्प न हो, लेकिन यदि उन्होंने समय रहते नए सिरे से संघर्ष की जमीन तैयार नहीं की, तो राष्ट्रीय प्रवाह के इस नए युग में इस क्षेत्रीय दल की डगर आगे और भी कठिन होने वाली है।

**विस चुनाव के बाद यह लगभग स्पष्ट हो गया है कि ममता बनर्जी का जिसे अभेद्य समझा जाने वाला राजनीतिक किला कहा जाता था, वह ढह चुका है।**

# उप्र : सपा को सोच में लाना होगा बुनियादी बदलाव

**दृष्टिकोण**
चरणजीत 'चरण'
स्वतंत्र स्तंभकार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी आज कुछ वैसी ही पटकथा लिखी जा रही है, जैसी कभी अन्य राज्यों के क्षेत्रीय दलों के अवसान के समय देखी गई थी। बिहार में जिस तरह भाजपा ने बिसात बिछाकर लालू प्रसाद यादव के राष्ट्रीय जनता दल को सत्ता के गलियारों से दूर धकेल दिया था, उसी तरह से बंगाल में ममता बनर्जी का अभेद्य समझा जाने वाला राजनीतिक किला ढह गया है। आज का मतदाता खामोशी से सब देखता है और अंतिम समय तक इसकी भनक किसी को नहीं लगने देता कि इस बार ऊंट किस करवट बैठने जा रहा है।

इसी बदलते दौर में अब सबसे बड़ा सवाल उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव के सामने खड़ा है कि क्या वे क्षेत्रीय पार्टियों के इस ढहते सिलसिले के बीच खुद को बचा पाएंगे? यूपी के आगामी चुनावी समर को देखें तो सपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी पुरानी राजनीति के ढर्रे से बाहर निकलने की है। पार्टी दशकों तक मुस्लिम और यादव (एम-वाई) समीकरण के सहारे सत्ता के शिखर तक पहुंचती रही, लेकिन आज के दौर में यह सोशल इंजीनियरिंग पूरी तरह कुंद हो चुकी है। अखिलेश यादव ने इस कमजोरी को भांपते हुए पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को जोड़ने के लिए 'पीडीए' का नारा जरूर उछाला है, लेकिन केवल कागजों या चुनावी भाषणों में नारा देना एक बात है और उसे जमीन पर उतारना बिल्कुल दूसरी बात। असल संकट यह है कि भाजपा ने पिछले एक दशक में गैर-यादव ओबीसी और गैर-जाटव दलित जातियों के भीतर अपना एक ऐसा मजबूत और वफादार वोट बैंक तैयार कर लिया है, जिसे भेद पाना सपा के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है।

आम जनता के बीच यह धारणा गहरे तक बैठ चुकी है कि सपा के आते ही केवल एक विशेष जाति का दबदबा बढ़ जाता है। जब तक अखिलेश यादव इस धारणा को तोड़कर संगठन और टिकटों में इन अति-पिछड़ी जातियों को वास्तविक हिस्सेदारी नहीं देते, तब तक 'पीडीए' महज एक किताबी जुमला बनकर रह जाएगा। वहीं, सूबे की राजनीति पिछले कुछ वर्षों से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, बहुसंख्यक पहचान और हिंदुत्व के एक ऐसे मजबूत ताने-बाने में बंध चुकी है जिससे सीधे टकराना सपा के लिए हर बार आत्मघाती साबित हुआ है। सपा जब भी इस मोर्चे पर आक्रामक होती है, उस पर तुरंत 'मुस्लिम तुष्टिकरण' का ठप्पा लगा दिया जाता है। उत्तर प्रदेश का एक बड़ा मध्यम वर्ग और बहुसंख्यक आबादी का हिस्सा आज कानून-व्यवस्था, राष्ट्रवाद और धार्मिक गौरव के नाम पर मौजूदा सरकार के साथ मजबूती से खड़ा है।

सपा के सामने धर्मसंकट यह है कि वह बिना अपनी धर्मनिरपेक्ष छवि को खोए, इस बहुसंख्यक समाज के दिल में अपनी जगह कैसे बनाए? एक और गंभीर चुनौती सपा के अंदरूनी सांगठनिक ढांचे की है। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका पन्ना प्रमुख और बूथ स्तर का वह मुस्तैद कैडर है जो सारा साल जमीन पर सक्रिय रहता है। इसके विपरीत, समाजवादी पार्टी आज भी काफी हद तक स्थानीय क्षत्रपों, रसूखदार नेताओं और कुछ खास परिवारों के भरोसे चुनाव लड़ती है।

क्षेत्रीय पार्टियों के बिखरने का एक बड़ा कारण यही रहा है कि वे संस्थागत रूप से मजबूत होने के बजाय किसी एक चेहरे या परिवार पर आश्रित हो जाती हैं। उसे अपनी पुरानी सामंती कार्यशैली को छोड़कर संगठन को बूथ स्तर तक बेहद पेशेवर और मुस्तैद चुनावी मशीनरी में बदलना होगा। गठबंधन की राजनीति के मोर्चे पर भी सपा के अनुभव बहुत सुखद नहीं रहे हैं। जब भी क्षेत्रीय दल किसी बड़े मोर्चे में शामिल होते हैं, तो सीटों के बंटवारे और नेतृत्व के अहंकार को लेकर खींचतान शुरू हो जाती है। सपा के लिए चुनौती यह है कि वह कांग्रेस और अन्य छोटे जातीय दलों को साथ लेकर तो चले, लेकिन अपनी खुद की राजनीतिक जमीन को उनके हाथों में न सौंप दे। अब चुनाव भारी-भरकम बजट, सोशल मीडिया के चौबीस घंटे चलने वाले नैरेटिव और डेटा के बारीक विश्लेषण के जरिए मतदाताओं के मोबाइल स्क्रीन पर लड़े जा रहे हैं।

अंततः, समाजवादी पार्टी समय रहते अपनी रणनीति, सोशल इंजीनियरिंग और सोच में बुनियादी बदलाव नहीं ला पाती, तो क्षेत्रीय दलों के पतन के इस दौर में उसके लिए भी अपनी राजनीतिक जमीन बचा पाना बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाएगा।

**सूबे की राजनीति बहुसंख्यक पहचान और हिंदुत्व के एक ऐसे मजबूत ताने-बाने में बंध चुकी है जिससे सीधे टकराना सपा के लिए हर बार आत्मघाती साबित हुआ है**

## मेरी टिप्पणी को तोड़-मरोड़ कर मीडिया में पेश किया गया, मुझे देश के युवाओं पर गर्व, देशभर का हर युवा मुझे प्रेरित कर रहा

### सीजेआई की टिप्पणी पर बढ़ा विवाद तो सफाई पेश की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सीजेआई सूर्यकांत की शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में की गई एक टिप्पणी पर विवाद खड़ा हो गया। इसके बाद सीजेआई ने इस मुदे पर अपनी सफाई दी है। मुख्य न्यायाधीश ने युवाओं के बारे में अपने बयान पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि मीडिया के एक वर्ग ने इसे गलत तरीके से पेश किया था। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने कोर्ट में कहा था कि कुछ बेरोजगार युवा मीडिया, सोशल मीडिया यूजर्स, आरटीआई कार्यकर्ता और अन्य कार्यकर्ता कॉकरोच की तरह बन जाते हैं और फिर व्यवस्था पर हमला करना शुरू कर देते हैं।

**मैंने फर्जी डिग्री वालों के लिए वे शब्द कहे थे**

मैंने युवाओं के लिए वह टिप्पणी नहीं की थी

मुझे यह पढ़कर बहुत दुख हुआ कि मीडिया के एक वर्ग ने कल एक मामले की सुनवाई के दौरान मेरे मौखिक विचारों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है। मैंने खास लोगों पर बात की थी

#### मेरे मौखिक विचारों को गलत तरीके से पेश किया

अब इस पर सफाई देते हुए सीजेआई ने कहा कि मुझे यह पढ़कर बहुत दुख हुआ कि मीडिया के एक वर्ग ने कल एक मामले की सुनवाई के दौरान मेरे मौखिक विचारों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है। मैंने विशेष रूप से उन लोगों की आलोचना की थी जिन्होंने फर्जी और फर्जी डिग्रियों की मदद से वकालत जैसे पेशे में प्रवेश किया है। ऐसे ही लोग मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य प्रतिष्ठित पेशों में भी घुसपैठ कर चुके हैं और इसलिए वे परजीवियों के समान हैं।

#### युवाओं को विकसित भारत के स्तंभ के रूप में देख रहा

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि मुझे हमारे वर्तमान और भविष्य के मानव संसाधन पर गर्व है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारतीय युवा मेरे प्रति बहुत आदर और सम्मान रखते हैं और मैं भी उन्हें एक विकसित भारत के स्तंभ के रूप में देखता हूं।

#### सीनियर एडवोकेट की आक्रामकता पर हमने लगाई थी फटकार

सीजेआई की विवादित टिप्पणी एक याचिका की सुनवाई के दौरान आई थी जो एक वकील को सीनियर एडवोकेट का दर्जा दिए जाने से जुड़ी थी। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता वकील को सीनियर एडवोकेट का दर्जा पाने के लिए आक्रामक तरीके से पैरवी करने पर फटकार लगाई थी। अदालत ने उनके आचरण पर भी सवाल उठाए थे जिसमें फेसबुक पर कथित तौर पर इस्तेमाल की गई भाषा को लेकर भी आपत्ति जताई गई।

#### समाज में कुछ विशेष 'परिजीवी मौजूद'...

वकील के सोशल मीडिया पर किए गए आचरण का जिक्र करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी मौजूद हैं जो व्यवस्था पर हमला करते हैं और आप उनके साथ हाथ मिलाना चाहते हैं? सीजेआई ने कहा था कि कॉकरोच की तरह कुछ युवा ऐसे हैं जिन्हें न तो रोजगार मिलता है और न ही पेशे में कोई स्थान। उनमें से कुछ मीडिया में चले जाते हैं, कुछ सोशल मीडिया कार्यकर्ता बन जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता और अन्य कार्यकर्ता बन जाते हैं और वे हर किसी पर हमला करना शुरू कर देते हैं।

#### युवाओं पर जताया अटूट भरोसा

सीजेआई ने दावों को पूरी तरह आधारहीन और मनगढ़ंत बताया। उन्होंने युवा शक्ति की सराहना करते हुए कहा कि यह सुझाव देना बेबुनियाद है कि मैंने हमारे देश के युवाओं की आलोचना की। मुझे उन पर अटूट भरोसा है।

---

### खबर संक्षेप

#### अकुशल श्रमिकों को अब 13,018 रु. मिलेगा: धामी

**देहरादून।** उत्तराखंड में श्रमिकों के लिए बड़ी राहत की खबर है। धामी सरकार ने श्रमिकों का न्यूनतम वेतन बढ़ाया है। अकुशल श्रमिकों को अब 13,018 रुपए वेतन मिलेगा। अर्ध-कुशल श्रमिकों को 16,900 रुपए मिलेगा। नई वेतन दरें एक अप्रैल 2026 से लागू होंगी। इसके अलावा ओवरटाइम, बोनस और अन्य लाभ भी प्रदान किए जाएंगे।

#### आजम को 2 साल कैद और 20 हजार जुर्माना

**रामपुर।** सपा नेता आजम खां को तत्कालीन डीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में रामपुर की कोर्ट ने 2 साल की कैद और 20 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भोट थाना क्षेत्र में दर्ज था। आरोप था कि प्रचार के दौरान सपा नेता ने तत्कालीन जिलाधिकारी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

#### आजमगढ़ में एक्सीडेंट 5 की मौके पर ही मौत

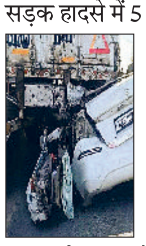

**आजमगढ़ ।** यूपी के आजमगढ़ में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। हादसे में कई लोगों के घायल होने की सूचना है। थाना कंधरापुर क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 238 के पास ये हादसा हुआ। तेज रफ्तार वाहनों की टक्कर से ये हादसा हुआ। प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य किया।

#### विभाग बंटे, सीएम विजय ने रखा गृह व प्रशासन

**चेन्नई।** तमिलनाडु के सीएम सी. जोसेफ विजय की अध्यक्षता वाली कैबिनेट में मंत्रियों के विभागों की घोषणा कर दी गई है। विजय ने गृह, पुलिस और महिला एवं बाल कल्याण सहित कुछ सबसे शक्तिशाली विभागों को बरकरार रखा है। केए सेंगोत्तैयान को वित्त के साथ पेंशन और भत्ते का प्रभार सौंपा गया है।

---

### पश्चिम बंगाल की सत्ता संभालने के बाद सीएम सुवेंदु के बदले तेवर

## दंगाइयों से की जाएगी नुकसान की वसूली कोई भी हिंसा व अपराध नहीं होगा बर्दाश्त

### भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने किया ऐलान

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

**लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली होगी**

पश्चिम बंगाल की सत्ता संभालने के बाद मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सीधे तौर पर तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कई बड़े ऐलान किए। आसनसोल में हुई हालिया तोड़फोड़ की घटना पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वालों को कड़ी चेतावनी दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उपद्रवियों को पुलिस हिरासत और रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। इसके अलावा, सरकारी संपत्ति को हुए नुकसान की पूरी भरपाई सीधे तौर पर आरोपियों की व्यक्तिगत संपत्ति से की जाएगी। उन्होंने कहा कि फाल्टा में दोबारा मतदान कराया जाएगा। वहां के लोगों को पिछले 10 साल से वोट नहीं डालने दिया गया है। इस कदम से वहां के मतदाताओं के लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली होगी।

#### राजनीतिक हिंसा, अपराधों में तुरंत एफआईआर दर्ज होगी

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी

मुख्यमंत्री अधिकारी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि वह अतीत को भूले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हम कार्यकर्ताओं पर हुए टीएमसी के अत्याचारों को भूले नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने पुलिस को निर्देश दिया है कि पिछली राजनीतिक हिंसा और अपराधों के मामलों में तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए। इसके साथ ही, उन्होंने केंद्रीय योजनाओं के फंड में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच के भी आदेश दिए हैं। केंद्रीय योजनाओं के धन के दुरुपयोग को लेकर पुलिस को शिकायत दर्ज करने को कहा गया है।

#### मुख्यमंत्री ने मिथुन दादा की सराहना की

मुख्यमंत्री ने अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि मिथुन चक्रवर्ती ने बंगाल में बदलाव लाने के लिए लगभग छह साल तक कड़ी मेहनत की है। वह बंगाल और पूरे देश के एक बेहद लोकप्रिय व्यक्तित्व हैं।

#### ओबीसी सूची कानून के मुताबिक नहीं

मई 2024 में कलकत्ता हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने वर्ष 2010 के बाद बंगाल में जारी सभी ओबीसी प्रमाणपत्रों को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया था। अदालत ने कहा था कि 2010 के बाद तैयार की गई ओबीसी सूची कानून के मुताबिक नहीं थी। पिछले वर्ष दिसंबर में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) ने पश्चिम बंगाल की 35 जातियों को केंद्रीय ओबीसी सूची से बाहर कर दिया था।

### ममता के 15 साल के राज की होगी जांच, निर्देश जारी

### 1.69 करोड़ लोगों को दिया गया ओबीसी, एससी-एसटी सर्टिफिकेट, सत्यापन होगा

बंगाल सरकार ने राज्य में पिछले 15 वर्षों के दौरान जारी किए गए सभी पिछड़ा वर्ग प्रमाणपत्रों की दोबारा जांच कराने का फैसला लिया है।पिछड़ा वर्ग विकास विभाग ने सभी जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया कि वे 2011 से 2026 तक जारी एससी, एसटी और ओबीसी प्रमाणपत्रों का पुनः सत्यापन करें।

#### अवैध प्रमाण पत्र लेने वालों पर होगी कार्रवाई

विभाग ने जिला अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि यदि किसी व्यक्ति ने फर्जी दस्तावेज देकर अवैध तरीके से ओबीसी या अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाणपत्र हासिल किया है, तो कड़ी कार्रवाई की जाए।

#### अनियमितताओं की शिकायत के बाद सख्ती

सभी 1.69 करोड़ प्रमाणपत्रों की जांच इसलिए की जा रही है ताकि कोई भी व्यक्ति गलत तरीके से आरक्षण जैसी सुविधाओं का लाभ न उठा सके। पिछली सरकार के दौरान अनियमितता की गई है।

#### अभिषेक की कंपनी पर भी कसेगा शिकंजा

सुवेंदु ने कहा कि उनके पास अभिषेक बेनर्जी की कंपनी 'लिप्स एंड बाउंड्स' की संपत्तियों की पूरी सूची आ चुकी है। इसकी संपत्तियों की गहराई से जांच की जाएगी।

---

### टीएमसी में आंतरिक फूट पर बोलीं ममता

## जिसे जाना हो तो जाए, मैं पार्टी को दोबारा से मजबूत कर लूंगी

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों मिली करारी शिकस्त को आखिरकार पूर्व मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने इस हार को स्वीकार करते हुए अपने कार्यकर्ताओं से दोबारा पार्टी मजबूत करने का आग्रह किया। ममता ने कालीघाट स्थित अपने आवास पर पार्टी बैठक की, जिसमें चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी शामिल हुए। ममता ने बैठक में प्रत्याशियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि हाल के हुए विधानसभा चुनाव में हार के बाद उनकी पार्टी फिर मजबूत होगी। टीएमसी छोड़ने वाले स्वतंत्र हैं। जो दूसरी पार्टियों में जा रहे हैं, जाएं।

#### कालीघाट आवास पर की बैठक

टीएमसी ने कालीघाट आवास पर यह बैठक उन उम्मीदवारों के लिए आयोजित की थी, जो हाल के चुनावों में मैदान में उतरे थे। यह बैठक पार्टी में आतंरिक असंतोष की खबरों और चुनाव परिणामों के बाद संभावित दलबदल की अटकलों के बीच हुई। ममता की ये टिप्पणियां तब आईं जब उन्हें परिणाम घोषित होने के एक दिन बाद ही थीं इस बात पता लगा था कि कुछ नेता पाला बदल सकते हैं। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, मुझे पता है कि कई लोग दूसरी पार्टी ज्वाइन करने के लिए टीएमसी छोड़ देंगे। उनकी अपनी मजबूरियां हो सकती हैं। इस बारे में मुझे कुछ नहीं कहना है, जो जाना चाहता है जा सकता है।

### अभिषेक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

#### शाह को धमकी और भड़काऊ भाषण देने का आरोप

टीएमसी सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के भतीजे अभिषेक बेनर्जी की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान कथित भड़काऊ और आपत्तिजनक भाषण देने के मामले में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।डायमंड हार्बर के सांसद के खिलाफ राजीव सरकार नामक एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा दायर शिकायत में आरोप लगाया गया था कि अभिषेक ने चुनाव प्रचार के दौरान कई स्थानों पर भड़काऊ भाषण दिए थे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धमकी दी थी। सामाजिक कार्यकर्ता राजीव सरकार ने 5 मई को चुनाव नतीजे घोषित होने के एक दिन बाद यह शिकायत दर्ज कराई थी।

---

### नीले के बाद अब हरे ड्रम का खौफ

## महिला ने पति के साथ की प्रेमी की हत्या, ड्रम में फेंका

एजेंसी ▶▶ मुंबई

देश अभी 'नीले ड्रम' वाले चर्चित मर्डर केस की दहशत से पूरी तरह बाहर भी नहीं निकल पाया था कि अब मुंबई से सटे मुंब्रा इलाके से एक और रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर है। इस बार सोशल मीडिया पर 'हरे ड्रम' का नाम तेजी से वायरल हो रहा है। एक महिला ने अपने पति और भाई के साथ मिलकर अपने ही प्रेमी की हत्या कर दी और फिर शव को ठिकाने लगाने के लिए उसे हरे रंग के प्लास्टिक ड्रम में भरकर सुनसान नाले में फेंक दिया।

#### प्रेम संबंध बना मौत की वजह

बताया जा रहा है कि महिला का कथित तौर पर एक युवक के साथ प्रेम संबंध था, लेकिन इसी रिश्ते ने धीरे-धीरे खतरनाक मोड़ ले लिया। महिला ने पति और भाई के साथ प्रेमी को रास्ते से हटाने की साजिश रची। युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस को शक है कि हत्या पूरी प्लानिंग के साथ की गई।

### सिक्किम पहुंचे उपराष्ट्रपति

गंगटोक। यहां सिक्किम राज्य स्थापना दिवस समारोह के लिए पहुंचने पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन (बाएं) का सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर (बीच में) और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया।

### मोदी कैबिनेट में फेरबदल की चर्चा

## 21 की बैठक पर टिकी सबकी निगाहें, 'बदलाव' की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बंगाल और असम चुनाव में शानदार जीत के बाद अब केंद्र में एक बड़े फेरबदल की अटकलें हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की नई टीम की घोषणा के बाद सरकार में भी बड़े बदलाव संभव हैं। प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण के बाद से केंद्रीय मंत्रिमंडल में कोई विस्तार या फेरबदल नहीं हुआ है, इसलिए इस बार बड़े बदलाव की उम्मीद की जा रही है।

#### बैठक होना असामान्य बात नहीं

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में 21 मई को होने वाली मंत्रिपरिषद की बैठक ने इन अटकलों को और हवा दे दी है। एक सरकारी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि मंत्रिपरिषद की बैठकें नियमित अंतरालों पर होती रहती हैं। देश मध्य पूर्व के संकट से उत्पन्न चुनौतियों से निपट रहा है, बैठक होना कोई असामान्य बात नहीं है।

---

### कोलकाता में सड़क पर नमाज को लेकर तनाव बढ़ा

## पुलिस ने खाली कराया इलाका,शांति के लिए भारी बल भी तैनात किया

**सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक गतिविधियां न करें**

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

यहां के राजाबाजार इलाके में शुक्रवार को उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गई जब कुछ लोगों ने सड़क पर नमाज अदा करने की कोशिश की। हाल ही में सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह की धार्मिक गतिविधियों पर रोक लगाई है। स्थिति तब बिगड़ गई जब सड़क खाली कराने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों ने इसका विरोध किया। विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि यह पुरानी परंपरा है। जबकि प्रशासन का तर्क था कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सार्वजनिक रास्तों को खाली रखना जरूरी है।

#### एहतियातन पुलिस- सीआरपीएफ को लगाया

पुलिस ने सड़क खाली करा दी और टैफिक को सामान्य कर दिया गया। फिलहाल इलाके में स्थिति नियंत्रण में है। प्रशासन ने

एहतियात के तौर पर बड़ी संख्या में पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान तैनात किए हैं। कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की ओर से अब तक इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। गौरतलब है कि ममता बेनर्जी सरकार के दौरान सड़कों पर नमाज और अन्य धार्मिक गतिविधियों की अनुमति थी, लेकिन नई सरकार ने इससे आम लोगों को होने वाली असुविधा को देखते हुए सख्त रुख अपनाया है।

### भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कार्यों की केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने की विस्तृत समीक्षा

## इंटीग्रेटेड और सस्टेनेबल फार्मिंग को बढ़ावा देकर किसानों की आय भी बढ़ाएंगे और धरती मां को भी बचाएंगे: चौहान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की एक्सपेंडिचर फाइनेंस कमेटी (ईएफसी) से संबंधित एक उच्च स्तरीय बैठक केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में शनिवार को 12, सफदरजंग रोड स्थित उनके कैंप कार्यालय में आयोजित की गई।

बैठक के दौरान चौहान ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर आईसीएआर के महानिदेशक तथा डेयर सचिव डॉ. एमएल जाट ने केंद्रीय कृषि मंत्री को देशभर में आईसीएआर के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी विस्तार से दी। उन्होंने भविष्य की कार्ययोजना से भी चौहान को अवगत कराया तथा बताया कि भारतीय कृषि एवं किसान बहनों-भाइयों को अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए परिषद किस प्रकार कार्य कर रही है।

बैठक में चौहान ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कृषि देश की बड़ी आबादी की जीविका का प्रमुख साधन है और भारतीय अर्थव्यवस्था को एक मजबूत आधार प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि हमारी सम्पूर्ण कोशिश और ऊर्जा इस दिशा में केंद्रित होनी चाहिए कि भारतीय कृषि को अधिक उत्पादक, कम लागत वाली तथा लाभकारी व्यवसाय बनाया जा सके।

चौहान ने इंटीग्रेटेड फार्मिंग के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष बल देते हुए कहा कि किसान बहन-भाइयों को इसे व्यावहारिक रूप से अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी तथा सतत कृषि (सस्टेनेबल फार्मिंग) को मजबूती मिलेगी। वैज्ञानिक कृषि आज समय की आवश्यकता है। भारत सहित विश्वभर में जलवायु परिवर्तन की समस्या अब प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देने लगी है। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्यों की कृषि-जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप राज्यवार कृषि रोडमैप तैयार करने की दिशा में राज्यों की सहमति से तेजी से कार्य किया जाए। अधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, असम एवं राजस्थान जैसे राज्यों के अनुरोध पर इस दिशा में कार्य प्रगति पर है तथा शीघ्र ही इन राज्यों का स्वतंत्र कृषि रोडमैप तैयार किया जाएगा। आईसीएआर की कार्ययोजना पर संतोष प्रकट करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री ने और अधिक ऊर्जा और उत्साह से अधिकारियों को कार्य करने के निर्देश दिए जिससे समयपूर्व लक्ष्यों को हासिल किया जा सके।

## बिना काम किए हर महीने आएगी नियमित इनकम

# एसआईपी के अलावा और भी हैं निवेश के बेहतर तरीके

बिना बिजनेस किए भी बन सकती है पैसिव इनकम

कम जोखिम में स्थिर आय चाहते हैं तो ये विकल्प खास

एफडी, बॉन्ड्स व आरईआईटीएस से हर माह हो सकती है कमाई

### बाजार जोखिम के बावजूद निवेशकों में बढ़ा डिविडेंड स्टॉक्स का क्रेज

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी कमाई का एक हिस्सा ऐसी जगह निवेश हो, जहां से भविष्य सुरक्षित होने के साथ-साथ नियमित मासिक आय भी मिलती रहे। बढ़ती महंगाई, नौकरी की अनिश्चितता और रिटायरमेंट की चिंता के बीच लोग अब केवल बचत नहीं, बल्कि स्मार्ट निवेश की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। आमतौर पर लोग एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान को निवेश का सबसे लोकप्रिय तरीका मानते हैं, लेकिन इसके अलावा भी कई ऐसे विकल्प मौजूद हैं जो हर महीने नियमित कमाई देने में मदद कर सकते हैं। सही योजना और जोखिम क्षमता को ध्यान में रखकर निवेश किया जाए तो हर महीने अच्छी आय प्राप्त की जा सकती है। ऐसे में जानिए एसआईपी के अलावा कई ऐसे स्मार्ट विकल्पों के बारे में, जो लंबे समय में संपत्ति बढ़ाने के साथ नियमित इनकम का मजबूत जरिया बन सकते हैं।

#### म्यूचुअल फंड एसडब्ल्यूपी

एसडब्ल्यूपी यानी सिस्टेमैटिक विदड्रॉल प्लान उन निवेशकों के लिए बेहतरीन विकल्प माना जाता है, जो अपने निवेश से हर महीने निश्चित रकम निकालना चाहते हैं। इसमें निवेशक पहले किसी म्यूचुअल फंड में एकमुश्त राशि निवेश करता है और फिर हर महीने तय रकम निकाल सकता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि बाकी बचा पैसा फंड में निवेशित रहता है और उस पर रिटर्न मिलता रहता है। हालांकि, इसमें बाजार जोखिम जुड़ा होता है, इसलिए निवेश से पहले फंड का प्रदर्शन और जोखिम स्तर समझना जरूरी है।

#### पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम

जो लोग जोखिम से बचना चाहते हैं, उनके लिए पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम काफी भरोसेमंद विकल्प है। यह केंद्र सरकार समर्थित योजना है, इसलिए इसमें जमा राशि सुरक्षित मानी जाती है। इस योजना में निवेश करने पर हर महीने निश्चित ब्याज सीधे खाते में जमा होता है। ग्रामीण और छोटे शहरों में आज भी बड़ी संख्या में लोग इसे सुरक्षित आय का साधन मानते हैं। इसमें एक निश्चित अवधि के लिए निवेश किया जाता है और ब्याज दर सरकार समय-समय पर तय करती है। यह योजना उन लोगों के लिए अधिक फायदेमंद है जो स्थिर और गारंटीड आय चाहते हैं।

#### डिविडेंड स्टॉक्स

शेयर बाजार में निवेश करने वाले लोगों के बीच डिविडेंड स्टॉक्स तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। डिविडेंड स्टॉक्स वे कंपनियां होती हैं जो अपने मुनाफे का एक हिस्सा नियमित रूप से शेयरधारकों को देती हैं। आमतौर पर मजबूत और स्थिर कंपनियां नियमित डिविडेंड देती हैं। ऐसे में निवेशकों को दोहरा फायदा मिलता है एक तरफ शेयर की कीमत बढ़ने की संभावना रहती है और दूसरी ओर नियमित डिविडेंड आय भी प्राप्त होती है। हालांकि, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहता है। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह अच्छा विकल्प साबित हो सकता है।

#### कॉर्पोरेट बॉन्ड्स

कॉर्पोरेट बॉन्ड्स उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प माने जाते हैं जो बैंक एफडी से अधिक रिटर्न चाहते हैं। इसमें निवेशक किसी निजी कंपनी को निश्चित समय के लिए पैसा उधार देता है और बदले में कंपनी तय ब्याज का भुगतान करती है। अच्छी रेटिंग वाली कंपनियों के बॉन्ड अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाते हैं और इनमें बैंक एफडी की तुलना में अधिक ब्याज मिल सकता है। कई कंपनियां मासिक, तिमाही या वार्षिक आधार पर ब्याज भुगतान करती हैं।

#### सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम खासतौर पर बुजुर्गों के लिए तैयार की गई सुरक्षित निवेश योजना है। इसमें निवेश पर तिमाही आधार पर ब्याज मिलता है और ब्याज दर सामान्य बचत योजनाओं की तुलना में अधिक होती है। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें सरकार की गारंटी रहती है, जिससे निवेश पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है। साथ ही आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत टैक्स छूट का लाभ भी मिलता है।

#### रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स

आरईआईटीएस यानी रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प हैं जो बिना प्रॉपर्टी खरीदे रियल एस्टेट से कमाई करना चाहते हैं। इसमें निवेशक बड़े मॉल, ऑफिस स्पेस, कमर्शियल बिल्डिंग और अन्य प्रॉपर्टी प्रोजेक्ट्स में अप्रत्यक्ष रूप से निवेश करते हैं। इन प्रॉपर्टी से मिलने वाला किराया निवेशकों के बीच बांटा जाता है। इसका फायदा यह है कि कम राशि में भी रियल एस्टेट सेक्टर में निवेश संभव हो जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, आरईआईटीएस लंबी अवधि में स्थिर आय और पूंजी वृद्धि दोनों का अवसर प्रदान करते हैं।

#### मासिक ब्याज एफडी

मासिक ब्याज एफडी उन लोगों के लिए अच्छा विकल्प है जो अपनी जमा पूंजी पर हर महीने निश्चित आय चाहते हैं। इसमें निवेशक बैंक या एनबीएफसी में फिक्स्ड डिपॉजिट कराते हैं और 'मंथली पेआउट' विकल्प चुनते हैं। इससे हर महीने ब्याज सीधे खाते में आता रहता है, जिसे पेंशन की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। वर्तमान समय में कई बैंक और वित्तीय संस्थान आकर्षक ब्याज दरें दे रहे हैं। यह विकल्प कम जोखिम वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त माना जाता है। हालांकि, ब्याज दरें समय-समय पर बदलती रहती हैं, इसलिए निवेश से पहले विभिन्न बैंकों की दरों की तुलना करना जरूरी है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी निवेश विकल्प को चुनने से पहले अपनी आय, खर्च, जोखिम क्षमता और वित्तीय लक्ष्य को समझना जरूरी है।

# एसआईपी की भीड़ में छुपा निवेश का सबसे 'स्मार्ट प्लान' एफएमपी

सुझाव
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में निवेश की बात हो और एसआईपी का नाम न आए, ऐसा कम ही होता है। हर दूसरा निवेशक एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में बड़ा फंड बनाने की बात करता है। लेकिन निवेश की दुनिया केवल शेयर बाजार और इक्विटी फंड्स तक सीमित नहीं है। ऐसे निवेशकों के लिए भी कई विकल्प मौजूद हैं, जो कम जोखिम के साथ स्थिर और अनुमानित रिटर्न चाहते हैं। इन्हीं विकल्पों में एक नाम है एफएमपी यानी फिक्स्ड मैच्योरिटी प्लान?। यह उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है जो बैंक एफडी जैसी सुरक्षा चाहते हैं, लेकिन उससे थोड़ा ज्यादा रिटर्न और टैक्स में राहत भी पाना चाहते हैं। यही वजह है कि इसे "म्यूचुअल फंड वाली एफडी " भी कहा जाता है।

#### क्या होता है एफएमपी ?

एफएमपी यानी फिक्स्ड मैच्योरिटी प्लान एक क्लोज-एंडेड डेट म्यूचुअल फंड होता है। "क्लोज-एंडेड" का मतलब यह है कि इसमें निवेश केवल एक तय समय तक ही किया जा सकता है। जब स्कीम लॉन्च होती है, तभी निवेशक इसमें पैसा लगाते हैं। उसके बाद स्कीम बंद हो जाती है और नए निवेश की अनुमति नहीं रहती।
इसकी सबसे खास बात यह है कि इसकी मैच्योरिटी पहले से तय होती है। यानी फंड हाउस पहले ही बता देता है कि यह योजना 1 साल, 3 साल या 5 साल की होगी। निवेशक को उसी अवधि तक पैसा निवेशित रखना पड़ता है।

#### कहां निवेश होता है पैसा?

एफएमपी एक डेट फंड है। इसका मतलब है कि इसमें निवेशकों का पैसा शेयर बाजार में नहीं लगाया जाता, बल्कि सरकारी बॉन्ड्स, कॉरपोरेट बॉन्ड्स, डिबेंचर्स और अन्य फिक्स्ड इनकम इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश किया जाता है। इन साधनों से निश्चित ब्याज मिलता है, इसलिए इसमें जोखिम इक्विटी फंड्स के मुकाबले काफी कम माना जाता है। यही कारण है कि बाजार में भारी गिरावट आने पर भी एफएमपी निवेशकों पर ज्यादा असर नहीं पड़ता।

#### कैसे काम करता है एफएमपी

एफएमपी का काम करने का तरीका काफी सरल है। मान लीजिए किसी स्कीम की अवधि 3 साल है, तो फंड मैनेजर उन्हीं बॉन्ड्स में निवेश करेगा जिनकी मैच्योरिटी भी लगभग 3 साल बाद हो। इससे फायदा यह होता है कि ब्याज दरों में बीच-बीच में आने वाले उतार-चढ़ाव का असर सीमित हो जाता है। निवेशक को पहले से अंदाजा रहता है कि मैच्योरिटी पर लगभग कितना रिटर्न मिल सकता है।

#### एफडी से कैसे अलग

अक्सर लोग एफएमपी की तुलना बैंक एफडी से करते हैं। दोनों में ही पैसा एक तय अवधि के लिए निवेश होता है और रिटर्न भी अपेक्षाकृत स्थिर रहता है। लेकिन एफएमपी की सबसे बड़ी ताकत टैक्स बचत मानी जाती है। बैंक एफडी पर मिलने वाले ब्याज पर निवेशक को अपनी टैक्स स्लैब के हिसाब से टैक्स देना पड़ता है। वहीं एफएमपी में लंबी अवधि के निवेश पर इंडेक्सेशन का लाभ मिल सकता है, जिससे टैक्स देनदारी कम हो जाती है। इंडेक्सेशन महंगाई को एडजस्ट करके निवेश की लागत बढ़ा देता है, जिससे टैक्स योग्य लाभ कम दिखता है। इसका फायदा यह होता है कि निवेशक के हाथ में एफडी के मुकाबले ज्यादा नेट रिटर्न बच सकता है।

#### बाजार की उथल-पुथल में राहत

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में रिटर्न बाजार की चाल पर निर्भर करता है। बाजार तेजी में हो तो मुनाफा अच्छा मिलता है, लेकिन गिरावट आने पर नुकसान भी हो सकता है। इसके विपरीत, एफएमपी में निवेश बॉन्ड्स और फिक्स्ड इनकम इंस्ट्रूमेंट्स में होता है। इसलिए शेयर बाजार में भारी गिरावट आने पर भी इसमें उतार-चढ़ाव सीमित रहता है।

#### एफएमपी के जोखिम भी समझना जरूरी

एफएमपी को अपेक्षाकृत सुरक्षित माना जाता है, लेकिन इसमें भी कुछ जोखिम मौजूद रहते हैं। सबसे बड़ा जोखिम इसकी कम लिक्विडिटी है। अगर निवेशक को बीच में पैसों की जरूरत पड़ जाए, तो वह एफडी की तरह आसानी से पैसा नहीं निकाल सकता। इसलिए इसमें वही पैसा लगाना चाहिए जिसकी जरूरत मैच्योरिटी से पहले न हो। दूसरा जोखिम क्रेडिट रिस्क का होता है। अगर जिस कंपनी के बॉन्ड में निवेश किया गया है, वह कंपनी भुगतान करने में असफल हो जाए, तो नुकसान हो सकता है।

#### क्या चुनें?

अगर कोई निवेशक हर महीने छोटी रकम निवेश करना चाहता है और लंबे समय तक जोखिम लेने को तैयार है, तो एसआईपी बेहतर विकल्प हो सकता है। लेकिन जिन लोगों के पास एकमुश्त राशि है जैसे बोनस, रिटायरमेंट फंड या बचत और वे उसे 1 से 3 साल के लिए सुरक्षित रखना चाहते हैं, उनके लिए एफएमपी बेहतर साबित हो सकता है।

#### समझदारी से लें फैसला

निवेश का सही विकल्प हमेशा व्यक्ति की जरूरत, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। एफएमपी उन निवेशकों के लिए अच्छा विकल्प है जो स्थिरता, अनुमानित रिटर्न और टैक्स में राहत चाहते हैं।एसआईपी और इक्विटी फंड्स जहां लंबी अवधि में अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं, वहीं एफएमपी पोर्टफोलियो में संतुलन और सुरक्षा देने का काम करता है। इसलिए निवेश करते समय केवल भीड़ का हिस्सा बनने के बजाय जरूरतों के हिसाब से फैसला लेना ज्यादा जरूरी है।

# अर्थव्यवस्था मजबूत बनाने वाले विकल्पों में करें निवेश

### पीएम मोदी की अपील के बाद बदल रही निवेश की सोच

बचत मंत्र
बिजनेस डेस्क

भारत में सोने को हमेशा सुरक्षित निवेश और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक माना गया है। शादी-ब्याह से लेकर बचत तक, हर घर में सोना एक अहम हिस्सा रहा है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई मंचों से यह अपील की है कि लोग भौतिक सोने की खरीद कम करें और ऐसे निवेश विकल्प अपनाएं जो देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दें। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर निवेशक सोने में पैसा फंसाने के बजाय भारतीय कंपनियों, सरकारी योजनाओं और उत्पादक क्षेत्रों में निवेश करते हैं, तो इससे न केवल उन्हें बेहतर रिटर्न मिल सकता है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा। ऐसे में अगर निवेशक वैकल्पिक साधनों की ओर बढ़ते हैं, तो इससे विदेशी मुद्रा बचाने और घरेलू निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है।

#### इक्विटी म्यूचुअल फंडः छोटी रकम से बड़ी भागीदारी

आज के समय में इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश का सबसे लोकप्रिय विकल्प बन चुके हैं। इसमें निवेशकों का पैसा भारतीय कंपनियों के शेयरों में लगाया जाता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि निवेशक केवल 500 महीने की एसआईपी से भी शुरुआत कर सकते हैं। लंबे समय में इक्विटी फंड महंगाई को मात देने और बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि जब लोग इक्विटी फंड में निवेश करते हैं, तो उनका पैसा सीधे भारतीय उद्योगों और कारोबार को मजबूत करने में लगता है।

#### एसजीबी : सोने जैसा भरोसा, बिना स्टोरेज की चिंता

जो लोग सोने में निवेश करना चाहते हैं, उनके लिए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड यानी एसजीबी बेहतर विकल्प माना जाता है। यह भारत सरकार द्वारा जारी किया जाता है और इसमें निवेशक को सोने की कीमत बढ़ने का फायदा भी मिलता है। सबसे खास बात यह है कि इसमें भौतिक सोना खरीदने जैसी चोरी, शुद्धता और स्टोरेज की चिंता नहीं रहती। इसके अलावा निवेशक को तय ब्याज भी मिलता है। व

#### रियल एस्टेटः लंबी अवधि का मजबूत विकल्प

रियल एस्टेट हमेशा से भारतीय निवेशकों की पसंद रहा है। खासतौर पर ऐसे क्षेत्रों में जहां सड़क, मेट्रो, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर या नई इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं विकसित हो रही हों, वहां जमीन और संपत्ति के दाम तेजी से बढ़ सकते हैं। हालांकि रियल एस्टेट में निवेश के लिए बड़ी पूंजी की जरूरत होती है, लेकिन लंबी अवधि में यह अच्छा रिटर्न और संपत्ति निर्माण का माध्यम बन सकता है।

#### पीपीएफ और एनएससी : सुरक्षित निवेश का विकल्प

जो निवेशक जोखिम नहीं लेना चाहते, उनके लिए सरकार समर्थित बचत योजनाएं बेहतर विकल्प मानी जाती हैं।पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (एनएससी) जैसी योजनाएं सुरक्षित और स्थिर रिटर्न देती हैं। पीपीएफ में लंबी अवधि का टैक्स-फ्री रिटर्न मिलता है, जबकि एनएससी निश्चित ब्याज के साथ सुरक्षित निवेश का विकल्प देता है।

#### कॉरपोरेट एफडी : बैंक एफडी से ज्यादा रिटर्न

कई निवेशक बैंक एफडीसे बेहतर रिटर्न के लिए कंपनी फिक्स्ड डिपॉजिट यानी कॉरपोरेट एफडी की ओर भी रुख कर रहे हैं। कॉरपोरेट एफडी में ब्याज दरें सामान्य बैंक एफडी से अधिक हो सकती हैं।

#### गोल्ड ईटीएफ और ईजीआर भी बन रहे विकल्प

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कोई निवेशक सोने में निवेश करना ही चाहता है, तो फिजिकल गोल्ड खरीदने के बजाय गोल्ड ईटीएफ या इलेक्ट्रोनिक गोल्ड रिसिप्ट (ईजीआर) जैसे विकल्प बेहतर हो सकते हैं।इससे गोल्ड इम्पोर्ट पर दबाव कम करने में मदद मिलती है।

#### संतुलित पोर्टफोलियो जरूरी

वित्तीय विशेषज्ञ हमेशा संतुलित निवेश रणनीति अपनाने की सलाह देते हैं। केवल एक ही साधन में पैसा लगाने के बजाय निवेश को इक्विटी, गोल्ड, डेट और सुरक्षित योजनाओं के बीच बांटना बेहतर माना जाता है। इससे जोखिम कम होता है और अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में पोर्टफोलियो स्थिर बना रहता है।

# डायरेक्ट फंड्स चुनें या रेगुलर?

## म्यूचुअल फंड में सही तरीके से ही लें निवेश का फैसला

सावधानी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले ज्यादातर लोगों के सामने एक सवाल जरूर आता है—डायरेक्ट फंड चुनें या रेगुलर फंड पहली नजर में दोनों लगभग एक जैसे दिखाई देते हैं। एक ही फंड मैनेजर, एक जैसी निवेश रणनीति और एक जैसा पोर्टफोलियो। लेकिन इन दोनों के बीच का छोटा-सा फर्क लंबे समय में आपकी कमाई पर बड़ा असर डाल सकता है। निवेश शुरू करने से पहले यह समझना जरूरी है कि आखिर डायरेक्ट और रेगुलर फंड में अंतर क्या है और आपके लिए कौन-सा विकल्प ज्यादा बेहतर हो सकता है।

#### क्या होता है डायरेक्ट और रेगुलर फंड?

डायरेक्ट फंड वह होता है जिसमें निवेशक सीधे म्यूचुअल फंड कंपनी के जरिए निवेश करता है। इसमें कोई एजेंट, डिस्ट्रीब्यूटर या बिचौलिया शामिल नहीं होता। वहीं रेगुलर फंड में निवेश किसी एडवाइजर, बैंक, एजेंट या डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से किया जाता है। इसके बदले फंड हाउस उन्हें कमीशन देता है, जिसकी लागत निवेशक से वसूली जाती है। यही वजह है कि दोनों फंड्स के रिटर्न में अंतर देखने को मिलता है।

#### एक्सपेंस रेशियो का खेल समझिए

डायरेक्ट फंड का सबसे बड़ा फायदा इसका कम एक्सपेंस रेशियो होता है। क्योंकि इसमें किसी डिस्ट्रीब्यूटर को कमीशन नहीं दिया जाता, इसलिए निवेशक की लागत कम रहती है। दूसरी तरफ रेगुलर फंड में कमीशन जुड़ने से एक्सपेंस रेशियो थोड़ा ज्यादा हो जाता है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन लंबे समय में यह आपकी कुल कमाई पर बड़ा असर डालता है। उदाहरण के तौर पर, अगर दो फंड एक जैसा रिटर्न दे रहे हों और उनमें केवल 1% लागत का फर्क हो, तो 10-15 साल में यह अंतर लाखों रुपये तक पहुंच सकता है। डायरेक्ट फंड में रिटर्न ज्यादा क्यों दिखता है? डायरेक्ट फंड में रिटर्न ज्यादा होने का कारण कोई अलग निवेश रणनीति नहीं है। असल वजह यह है कि इसमें फीस कम कटती है। कम लागत का सीधा फायदा निवेशक को मिलता है और लंबी अवधि में कंपाउंडिंग के जरिए यह अंतर और बढ़ जाता है। यही कारण है कि जो निवेशक खुद रिसर्च कर सकते हैं और बाजार को समझते हैं, वे अक्सर डायरेक्ट फंड को प्राथमिकता देते हैं।

#### फिर लोग रेगुलर फंड क्यों चुनते हैं?

अगर डायरेक्ट फंड सस्ते और ज्यादा रिटर्न देने वाले हैं, तो सवाल उठता है कि लोग रेगुलर फंड क्यों चुनते हैं?
असल में रेगुलर फंड केवल निवेश नहीं, बल्कि गाइडेंस भी देते हैं। एक अच्छा वित्तीय सलाहकार निवेशक की आय, लक्ष्य, जोखिम क्षमता और जरूरतों के हिसाब से सही फंड चुनने में मदद करता है। इसके अलावा बाजार में गिरावट आने पर कई निवेशक घबरा जाते हैं और गलत समय पर पैसा निकाल लेते हैं। ऐसे समय में एडवाइजर निवेशक को शांत रखने और सही रणनीति पर टिके रहने में मदद करता है। यानी रेगुलर फंड की अतिरिक्त लागत केवल कमीशन नहीं, बल्कि सलाह और सपोर्ट की फीस भी होती है।

#### आपके लिए कौन-सा विकल्प सही?

अगर आप निवेश की बेसिक समझ रखते हैं, खुद रिसर्च कर सकते हैं और बाजार के उतार-चढ़ाव में भावनात्मक फैसले नहीं लेते, तो डायरेक्ट फंड आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं। लेकिन अगर आप नए निवेशक हैं, फंड चुनने में कन्फ्यूज रहते हैं या बाजार गिरने पर घबरा जाते हैं, तो रेगुलर फंड ज्यादा सुरक्षित विकल्प साबित हो सकते हैं। कई बार गलत फैसले जैसे बाजार गिरते ही निवेश रोक देना या बार-बार फंड बदलना निवेशक को उस फीस से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचा देते हैं जो वह रेगुलर फंड में देता है। म्यूचुअल फंड में सफलता केवल सही फंड चुनने से नहीं मिलती, बल्कि सही व्यवहार भी उतना ही जरूरी होता है। हाल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड के पीछे भागना। बाजार गिरते ही निवेश रोक देना। बार-बार पोर्टफोलियो बदलना। छोटी अवधि में बड़े रिटर्न की उम्मीद करना। ये गलतियां निवेश की पूरी रणनीति खराब कर सकती हैं।

#### लंबी अवधि में अनुशासन ही असली फायदा

डायरेक्ट फंड हो या रेगुलर, दोनों में सबसे ज्यादा जरूरी है अनुशासन और धैर्य। अगर निवेशक लंबे समय तक लगातार निवेश बनाए रखता है, तो कंपाउंडिंग का फायदा धीरे-धीरे बड़ा फंड तैयार करता है। इसलिए निवेश का फैसला केवल कम फीस या ज्यादा रिटर्न देखकर नहीं, बल्कि अपनी समझ, अनुभव और व्यवहार को ध्यान में रखकर लेना चाहिए।

#### समझदारी से चुनें निवेश का रास्ता

डायरेक्ट और रेगुलर फंड दोनों के अपने फायदे हैं। डायरेक्ट फंड कम लागत और ज्यादा संभावित रिटर्न देते हैं, जबकि रेगुलर फंड सलाह और निवेश अनुशासन बनाए रखने में मदद करते हैं। आखिर में सही विकल्प वही है जो आपकी जरूरत, निवेश ज्ञान और मानसिक आराम के हिसाब से फिट बैठे। क्योंकि सफल निवेश केवल सही फंड चुनने से नहीं, बल्कि लंबे समय तक सही रणनीति पर टिके रहने से बनता है।

## सही रणनीति, अनुशासन और धैर्य के साथ करें निवेश

# एसआईपी के बेस्ट टिप्स, लंबे समय में बना देंगे बड़ा फंड

- समय पर शुरू की गई एसआईपी देती है बड़ा फायदा
- लंबी अवधि का निवेश ही दिलाता है असली रिटर्न

तैयारी
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में हर व्यक्ति चाहता है कि उसका भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित हो। बेहतर घर, बच्चों की पढ़ाई, रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन और अचानक आने वाली जरूरतों के लिए बड़ा फंड तैयार करना अब लोगों की प्राथमिकता बन चुका है, लेकिन जब निवेश की बात आती है तो अधिकतर लोग शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से डर जाते हैं। ऐसे में म्यूचुअल फंड की एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान एक आसान और भरोसेमंद विकल्प बनकर सामने आती है। एसआईपी केवल हर महीने कुछ रुपये जमा करने का तरीका नहीं है, बल्कि यह एक अनुशासित निवेश रणनीति है। छोटी रकम से शुरू होकर यह लंबे समय में बड़ा फंड तैयार करने की क्षमता रखती है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि सही प्लानिंग और धैर्य के साथ एसआईपी करोड़ों रुपये का कॉर्पस तैयार कर सकती है।

#### अनुशासन जरूरी

कई लोग बाजार गिरने पर घबराकर अपनी एसआईपी बंद कर देते हैं, जबकि यही सबसे बड़ी गलती होती है। एसआईपी का असली फायदा तभी मिलता है जब निवेशक लगातार निवेश करता रहे। बाजार में गिरावट आने पर कम कीमत पर ज्यादा यूनिट्स खरीदने का मौका मिलता है। इसे रुपी कॉस्ट एवरेजिंग (आरसीए)कहा जाता है। लंबे समय में यही रणनीति औसत लागत को कम करती है और बेहतर रिटर्न देने में मदद करती है। इसलिए बाजार की हलचल देखकर निवेश रोकने के बजाय अनुशासन बनाए रखना जरूरी है।

#### लंबी अवधि का नजरिया रखें

एसआईपी उन लोगों के लिए नहीं है जो एक-दो साल में पैसा दोगुना करना चाहते हैं। म्यूचुअल फंड में असली संपत्ति लंबे समय में बनती है। विशेषज्ञ कम से कम 5 से 10 साल का नजरिया रखने की सलाह देते हैं। शुरुआती वर्षों में निवेश की रफ्तार सामान्य लग सकती है, लेकिन जैसे-जैसे समय बढ़ता है, कंपाउंडिंग का असर तेजी से दिखाई देने लगता है। कई निवेशकों का अनुभव है कि 10-15 साल तक नियमित एसआईपी करने पर बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।

#### लक्ष्य तय करके करें निवेश

बिना लक्ष्य के निवेश करना अक्सर भ्रम पैदा करता है। इसलिए एसआईपी शुरू करने से पहले यह तय करना जरूरी है कि निवेश किस उद्देश्य के लिए किया जा रहा है। जैसे घर खरीदना, बच्चों की उच्च शिक्षा, शादी, रिटायरमेंट या इमरजेंसी फंड। जब निवेश किसी खास लक्ष्य से जुड़ा होता है तो बाजार की गिरावट में भी निवेशक भावनात्मक रूप से मजबूत बना रहता है।

#### जोखिम क्षमता को समझें

हर निवेशक की आर्थिक स्थिति और जोखिम लेने की क्षमता अलग होती है। इसलिए दूसरों को देखकर निवेश करना नुकसानदायक हो सकता है। यदि कोई निवेशक ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहता तो उसे लार्ज कैप या इंडेक्स फंड से शुरुआत करनी चाहिए। वहीं, लंबे समय तक निवेश करने वाले और ज्यादा जोखिम लेने वाले निवेशक मिड कैप या स्मॉल कैप फंड का विकल्प चुन सकते हैं। सही फंड का चयन उम्र, आय और वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

#### ज्यादा रिटर्न देख फंड न चुनें

कई लोग पिछले एक साल का शानदार रिटर्न देखकर किसी फंड में निवेश कर देते हैं, जबकि यह तरीका सही नहीं माना जाता। फंड चुनते समय उसके पिछले 5 से 10 साल के प्रदर्शन को देखना जरूरी है। यह भी देखना चाहिए कि बाजार गिरने पर फंड का प्रदर्शन कैसा रहा, फंड मैनेजर का अनुभव कितना है और फंड लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है या नहीं। जैसे-जैसे आय बढ़ती है, निवेश की रकम भी बढ़ानी चाहिए। इसे स्टेपअप एसआईपी कहा जाता है। यदि कोई व्यक्ति हर साल अपनी एसआईपी में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करता है तो लंबे समय में उसका फंड कई गुना तेजी से बढ़ सकता है। उदाहरण के तौर पर 5 हजार रुपये मासिक एसआईपी शुरू करने वाला निवेशक यदि हर साल इसमें थोड़ी वृद्धि करता रहे, तो भविष्य में करोड़ों रुपये का कॉर्पस तैयार करना आसान हो सकता है।

#### बाजार की गिरावट को समझें

जब बाजार में भारी गिरावट आती है तो अधिकतर निवेशक डर जाते हैं, लेकिन अनुभवी निवेशक इसे अवसर मानते हैं। गिरावट के दौरान कम कीमत पर खरीदी गई यूनिट्स भविष्य में ज्यादा रिटर्न देने की संभावना रखती हैं। इसीलिए बाजार में उतार-चढ़ाव को लेकर घबराने के बजाय निवेशकों को अपनी रणनीति पर टिके रहना चाहिए। एसआईपी की सबसे बड़ी ताकत यही है कि यह बाजार के अलग-अलग स्तरों पर निवेश जारी रखती है।

#### धैर्य ही सबसे बड़ी पूंजी

शेयर बाजार में सफलता केवल ज्ञान से नहीं, बल्कि धैर्य से भी मिलती है। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है। जो निवेशक हर गिरावट में घबराकर फैसले बदलता है, उसे नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं, जो निवेशक लंबे समय तक अपनी रणनीति पर कायम रहता है, वही अंत में बड़ा लाभ कमाने में सफल होता है। एसआईपी में धैर्य रखने वाले निवेशकों को ही कंपाउंडिंग का असली फायदा मिलता है।

# कबड्डी में चोट से बचाव का मंत्र : सही तकनीक व रिकवरी सबसे बड़ी ढाल

- छोटी लापरवाही भी खत्म कर सकती है खिलाड़ी का करियर
- घुटने, कंधे और सिर की चोटें खिलाड़ियों में सबसे आम
- बिना फिटनेस मैदान में वापसी से दोबारा चोट का खतरा कई गुना
- फिजियोथेरेपी, संतुलित डाइट और वैज्ञानिक ट्रेनिंग को बताया सफलता की कुंजी
- ग्रामीण टूर्नामेंटों में मेडिकल सुविधाओं की कमी बन रही बड़ा खतरा

रोहित डागर ▶▶ रोहतक

देश का पारंपरिक खेल कबड्डी आज अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुका है, लेकिन इसकी तेज़ रफ्तार और शारीरिक टकराव खिलाड़ियों के लिए गंभीर चोटों का खतरा बढ़ा रहे हैं। घुटने, कंधे, टखने और सिर की चोटें खिलाड़ियों के करियर के लिए बड़ी चुनौती हैं। खेल विशेषज्ञों और चिकित्सकों का मानना है कि सही तकनीक, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और उचित रिकवरी प्रोटोकॉल अपनाकर इन जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। हेल्थ विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि दर्द निवारक दवाइयों के सहारे खेलना खतरनाक हो सकता है, जबकि बिना पूरी फिटनेस के मैदान में वापसी दोबारा चोट की आशंका बढ़ा देती है। यदि खिलाड़ी सही तकनीक और रिकवरी प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते, तो एक छोटी सी चोट उनके पूरे करियर को खत्म कर सकती है।

एआई जनरेटिड फोटो।

### कबड्डी में आम चोटें

- घुटने के लिगामेंट टूटना
- कंधा व कोहनी उतरना
- टखने की मोच और सिर में चोट।

### यह बरतें सावधानी

- चोटिल हिस्से को सहारा दें और सुरक्षित रखें।
- आराम बेहद जरूरी है।
- डॉक्टर की सलाह पर चोटिल हिस्से पर धीरे-धीरे और हल्का भार डालें। रिकवरी जल्दी होगी।
- सूजन और दर्द कम करने के लिए प्रभावित जगह पर कपड़े में लपेटकर बर्फ लगाएं।
- सूजन को नियंत्रित करने के लिए चोट वाली जगह पर हल्की दबाव वाली पट्टी बांधें।
- चोटिल हिस्से को हृदय के स्तर से ऊपर उठा कर रखें।

## दर्द निवारक गोलियां खाकर न खेलें

*यह खेल हाई-कॉन्टैक्ट श्रेणी में आता है, इसलिए यहां जोखिम भी अधिक है। गलत तरीके से गिरने या टैकल होने पर मस्तिष्काघात, सिर की चोट या रीढ़ की हड्डी में चोट लग सकती है, जिससे लकवा होने का खतरा रहता है। ऐसे में खिलाड़ी को तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए। खिलाड़ी अक्सर दर्द निवारक गोलियां खाकर खेलते हैं, जो जानलेवा हो सकता है। यह न केवल चोट को बढ़ाता है, बल्कि किडनी, पेट के अल्सर और हृदय रोग का कारण भी बनता है। चोट लगने पर सबसे पहले खेल को तुरंत रुकवाएं। इसके बाद पीओआरएलआईसीई प्रोटोकॉल अपनाएं। -डॉ. राजेश रोहिल्ला, खेल चिकित्सा विभाग के अध्यक्ष और वरिष्ठ प्रोफेसर, पीजीआईएमएस, रोहतक*

### तकनीक गलत तो करियर खत्म

कोच की देख-रेख के बिना अभ्यास करना जोखिम भरा है। यदि खेल मिट्टी पर है, तो मिट्टी नरम होनी चाहिए। यदि मैट पर है, तो ध्यान दें कि मैट पुराना या फटा हुआ न हो, अन्यथा लिगामेंट टूटने का डर रहता है। एक कुशल कोच समझता है कि खिलाड़ी का पैर किस कोण पर पड़ना चाहिए। बिना कोच के प्रैक्टिस मैच खेलने से बचें। खेल के दौरान केवल पानी नहीं, बल्कि 'इलेक्ट्रोलाइट्स' का सेवन करें ताकि शरीर में ऐंठन न आए। -प्रवीन, कबड्डी कोच

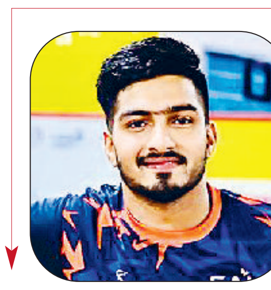

### डाइट और अनुशासन ही रिकवरी की कुंजी

चोट से लड़ना केवल शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक और खान-पान का भी खेल है। अभी घुटने की चोट से उबरा हूं। इससे पहले भी चोट लगी है। मुझे खुद एसीएल और एमसीएल की इंजरी हुई थी। मैंने रोहतक में लंबे समय तक फिजियोथेरेपी करवाई। चोट से उबरने के लिए कम से कम 2-3 महीने का धैर्य जरूरी है। मैंने चार बार जूनियर नेशनल मेडल जीता है और खेलो इंडिया गेम्स में भी दो स्वर्ण पदक जीते हैं। मांसपेशियों की मरम्मत के लिए पनीर, उबला हुआ चिकन और ड्राई फ्रूट्स सबसे अच्छे स्रोत हैं। रिकवरी के दौरान मीठा पूरी तरह छोड़ देना चाहिए, क्योंकि यह शरीर में सूजन बढ़ाता है। -अंकित राणा, खिलाड़ी

### फिजियोथेरेपी और सही एक्सरसाइज असली सुरक्षा

कबड्डी में चोट लगने का मुख्य कारण अचानक दिशा बदलना और शरीर पर अत्यधिक दबाव पड़ना है। खिलाड़ी की फिटनेस और रिकवरी पर ध्यान दें। घुटने और कंधे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं, क्योंकि रेडर और डिफेंडर दोनों ही इन जोड़ों पर बहुत अधिक भार डालते हैं। चोट के बाद मैदान में जल्दी वापसी करना दोबारा चोट लगने के खतरे को 200% बढ़ा देता है। पूरी फिटनेस के बिना वापसी न करें। मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए रोजाना स्ट्रेचिंग, स्क्वाट्स, कोर एक्सरसाइज और बैलेंस ट्रेनिंग करनी चाहिए। -डॉ. हेमलता, स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपिस्ट, पीजीआईएमएस रोहतक

### आईपीएल पाइंट टेबल

| टीम | मैच | जीते | हारे | अंक |
|---|---|---|---|---|
| बेंगलुरु | 12 | 8 | 4 | 16 |
| गुजरात | 13 | 8 | 5 | 16 |
| हैदराबाद | 12 | 7 | 5 | 14 |
| पंजाब | 12 | 6 | 5 | 13 |
| राजस्थान | 11 | 6 | 5 | 12 |
| चेन्नई | 12 | 6 | 6 | 12 |
| कोलकाता | 12 | 5 | 6 | 11 |
| दिल्ली | 12 | 5 | 7 | 10 |
| मुंबई | 12 | 4 | 8 | 8 |
| लखनऊ | 12 | 4 | 8 | 8 |

ऑरेंज कैप

साईं सुदर्शन
554 रन
गुजरात

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
22 विकेट
बेंगलुरु

## खबर संक्षेप

### अवनि का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर, किया कट हासिल

**हैम्बर्ग।** भारतीय गोल्फर अवनि प्रशांत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में चार अंडर 69 का दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया, जिससे वह जर्मन मास्टर्स टूर्नामेंट के कट में जगह बनाने में सफल रही। पहले दौर में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली अवनि का कुल स्कोर अब एक ओवर हो गया है और वह संयुक्त 47वें स्थान पर है। कट दो ओवर पर गया। इस तरह से अवनि कट में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रही। इस टूर्नामेंट में भाग ले रही भारत की दो अन्य खिलाड़ी प्रणवी उर्स और वाणी कपूर कट में जगह नहीं बना पाई। प्रणवी ने दूसरे दौर में एक ओवर पार का स्कोर बनाया और कुल मिलाकर चार ओवर के साथ संयुक्त 72वें स्थान पर रहीं। वाणी पहले दौर के बाद ही टूर्नामेंट से हट गईं थी।

### सिनसिनाटी में कट हासिल करने से चूकी अदिति

**सिनसिनाटी ।** भारतीय गोल्फर अदिति अशोक दूसरे दौर में एक ओवर 71 का कार्ड खेलने के बाद क्रोगर क्वीन सिटी चैंपियनशिप में कट हासिल करने से चूक गईं। पहले दिन के उन्होंने दो ओवर कर स्कोर किया था, जिससे उनका कुल स्कोर तीन ओवर का रहा जबकि कट दो ओवर पार पर तय किया गया था। अमांडा डोहर्टी और जिन यंग ने दूसरे दौर की समाप्ति तक संयुक्त बढ़त कायम कर ली थी।

**सूचना**

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

### एलन ने 93 रन बनाए, गिल के 85 रन काम नहीं आए

# केकेआर ने गुजरात को हराकर प्लेऑफ की उम्मीद जीवंत रखी

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन ने शुरूआत में मिले दो जीवनदान का फायदा उठाते हुए 35 गेंद में 93 रन की विस्फोटकीय पारी खेली जिसकी बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में गुजरात टाइटन्स के खराब क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए 29 रन से जीत हासिल कर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीद जीवंत रखा। इस हार से गुजरात टाइटन्स का लगातार पांच मैचों में जीत का सिलसिला भी टूट गया जो 16 अंक से तालिका में दूसरे स्थान पर बरकरार है। एलन के गेंदबाजों की धुनाई करने के बाद अंगकृष रघुवंशी (नाबाद 82 रन) और कैमरन ग्रीन (नाबाद 52 रन) के नाबाद अर्धशतकों तथा दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए महज 53 गेंद में 108 रन की शतकीय साझेदारी से टीम 'करो या मरो' के मुकाबले में दो विकेट पर 247 रन के विशाल स्कोर तक पहुंची। यह इस सत्र में उसका सबसे बड़ा स्कोर है। लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टाइटन्स फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (नाबाद 53 रन) के 23 रन पर रिटायर्ड हर्ट होने के बाद कप्तान शुभमन गिल (49 गेंद में 85 रन) और जोस बटलर (35 गेंद में 57 रन) के बीच 73 गेंद में 128 रन की साझेदारी के बावजूद चार विकेट पर 218 रन ही बना सकी।

- गुजरात 5 जीत के बाद हारी
- कोलकाता 29 रन से जीती

### कोलकाता-247/2 (20)

| खिलाड़ी | रन |
|---|---|
| अजिंक्य रहाणे बो सिराज | 14 |
| फिन एलन का राशिद बो किशोर | 93 |
| अंगकृष रघुवंशी नाबाद | 82 |
| कैमरन ग्रीन नाबाद | 52 |

अतिरिक्त : 06
कुल योग : 20 ओवर में दो विकेट पर 247
विकेट पतन : 1-44, 2-139
गेंदबाजी : सिराज 4-0-50-1, रबाडा 4-0-40-0, होल्डर 4-0-39-0, राशिद 4-0-57-0, साई किशोर 3-0-38-1, अरशद 1-0-22-0

### गुजरात-218/4 (20)

| खिलाड़ी | रन |
|---|---|
| साई सुदर्शन नाबाद | 53 |
| शुभमन गिल का रॉय बो नारायण | 85 |
| निशांत सिंधू का पांडे बो नारायण | 01 |
| जोस बटलर का सब बो दूबे | 57 |
| राहुल का रघुवंशी बो ग्रीन | 02 |

अतिरिक्त : 20
कुल योग : 20 ओवर में चार विकेट पर 218 रन
विकेट पतन : 0-42 (रिटायर्ड हर्ट), 1-49, 2-177, 3-207, 4-218
गेंदबाजी : सौरभ दूबे 2.4-0-23-1, ग्रीन 3-0-25-1, त्यागी 4-0-59-0, पाथिराना 1.2-0-9-0, नारायण 4-0-29-2, चक्रवर्ती 4-0-47-0, अनुकूल रॉय 1-0-17-0

### पंजाब को जीत की चाह प्लेऑफ पर आरसीबी की नजर

**धर्मशाला।** मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) रविवार को होने वाले आईपीएल में पंजाब किंग्स की कमजोर गेंदबाजी का फायदा उठाकर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा। धर्मशाला के बेहद खूबसूरत स्टेडियम में होने वाले इस मैच का मुख्य आकर्षण निश्चित तौर पर विराट कोहली रहेंगे, जिन्होंने पिछले मैच में शतक लगाया था। आरसीबी टूर्नामेंट की एकमात्र ऐसी टीम है, जिसने अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखी है। उसकी टीम पंजाब के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतारेगी। टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत करने वाले पंजाब किंग्स पर लगातार 5 मैच में हार के बाद टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। आरसीबी की टीम, जहां अंक तालिका में बेहद अच्छी स्थिति में है पंजाब किंग्स की टीम के लिए एक और हार प्लेऑफ के दरवाजे लगभग बंद कर देगी।

- आज दोपहर 3.30 बजे से मुकाबला

### करो या मरो की जंग में आमने सामने दिल्ली-रॉयल्स

**नई दिल्ली।** राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स को प्लेआफ की उम्मीदें बनाए रखने के लिए रविवार को आईपीएल का महत्वपूर्ण मुकाबला हर हालत में जीतना होगा और नजरें इस पर लगी होंगी कि वैभव सूर्यवंशी सीम और स्विंग के महारथी मिचेल स्टार्क का सामना कैसे करते हैं। दिल्ली के 12 मैचों में 10 अंक है और प्लेऑफ में जगह बनाने की उसकी संभावना नहीं के बराबर है। इस मैच में हार से वह दौड़ से बाहर ही हो जाएगी।

- आज शाम 7.30 बजे होगा सामना

## सात्विक-चिराग का धमाकेदार खेल, फाइनल में बनाई जगह

**थाईलैंड ओपनः** भारतीय जोड़ी ने मलेशियाई जोड़ी को 82 मिनट में हराया

एजेंसी ▶▶ बैंकॉक

सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में मलेशिया के गोह जे फेइ और नूर इजुद्दीन को हराकर थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल फाइनल में प्रवेश कर लिया। दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी सात्विक और चिराग ने नौवीं रैंकिंग वाली मलेशियाई जोड़ी को 82 मिनट में 19-21, 22-20, 21-16 से हराया। चिराग ने कहा, 'अच्छा लग रहा है। हमने साल की शुरुआत उतनी अच्छी नहीं की थी और अच्छी शुरुआत नहीं होने की वजह से हम मानसिक रूप से भी मजबूत नहीं थे। 'उन्होंने कहा, 'बतौर खिलाड़ी हम सचमुच जवाब चाहते थे। आखिरकार थॉमस कप में मिले कांस्य पदक ने हमारे आत्मविश्वास में काफी बढ़ोतरी की। और अब हम यहां साल का अपना पहला फाइनल खेल रहे हैं।'उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि हम यह खिताब जीत लेंगे।' भारतीय जोड़ी ने 2019 और 2024 में खिताब जीता था और तीसरी बार फाइनल में पहुंची है।

### मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ रिकॉर्ड 7-2 का

अब सात्विक और चिराग का सामना इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन या चीन के हि जि तिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी से होगा। मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 7-2 का था लेकिन गोह और इजुद्दीन ने पिछले साल इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में उन्हें हराया था। मलेशियाई जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 3-1 की बढ़त बना ली लेकिन सात्विक और चिराग ने स्कोर 5-5 से बराबर कर लिया। पहले गेम में मलेशियाई जोड़ी ने ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बना ली। चिराग की गलती से शटल नेट में चली गई और अंतर बढ़ गया।

## महिला क्रिकेट टीम पहुंची उज्जैन, लिया महाकाल का आशीर्वाद

**उज्जैन।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर पहुंची। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम ने भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया और सभी खिलाड़ी भस्म आरती में भी शामिल हुईं। भारतीय टीम की कई खिलाड़ी अपने परिवार संग आशीर्वाद लेने पहुंचीं। सभी खिलाड़ियों ने पूजा-अर्चना करते हुए टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने की मनोकामना मांगी।

## स्क्वाश चैंपियनशिपः सेंथिलकुमार और जोशना ने जीता युगल का खिताब

**चेन्नई।** वेलवन सेंथिलकुमार और जोशना चिनप्पा की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए शनिवार को तीसरी एचसीएल राष्ट्रीय युगल स्क्वाश चैंपियनशिप में मिश्रित युगल का खिताब जीता। शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने फाइनल में अभय सिंह और रतिका सीलान की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को 11-7, 11-9 से हराया। सेंथिलकुमार और जोशना दोनों ने इससे पहले टूर्नामेंट में अपने-अपने साथियों के साथ क्रमशः पुरुष और महिला युगल खिताब भी जीते थे। सेंथिलकुमार ने अभय के साथ मिलकर फाइनल में राहुल बैठा और सूरज कुमार चंद को 11-8, 11-5 से हराकर लगातार तीसरे वर्ष पुरुष युगल का खिताब अपने नाम किया। महिला युगल के फाइनल में जोशना और रतिका ने जेनेट विधि और पूजा आरती को 11-8, 11-4 से हराया।

**एशियाई जूनियर स्क्वाश में भारत की चुनौती पेश करेंगे आर्यवीरः** आर्यवीर दीवान चीन में इस महीने के आखिरी में होने वाली एशियाई जूनियर व्यक्तिगत स्क्वाश चैंपियनशिप में भारत की चुनौती पेश करेंगे। पिछले साल अंडर 17 लड़कों का खिताब जीतने वाले दीवान इस बार अंडर 19 वर्ग में उतरेंगे।

**रेल पहिया कारखाना / बेला**
(जिला-सारण), बिहार-841221
**ई-निविदा संः RWP-PNG-COMBINED-2026**
उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/अनुरक्षण, रेल व्हील पलांट, बेला, भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्य करते हुए, भारतीय रेल के विशेष निविदा पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से निम्नलिखित कार्य हेतु एकल पैकेट प्रणाली के अंतर्गत प्रतिष्ठित फर्मों से खुली ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।
1. कार्य का नाम, स्थान एवं पूर्णता अवधि - कार्य का नामः 1. रेल व्हील पलांट, बेला में DRS (IOCL) से NF, DF, सैंड पलांट, ट्यूब स्टैंड एवं राइजर कटिंग स्टेशन तक ओवरहेड PNG पाइपलाइन का पूर्ण निर्माण, स्थापना एवं परीक्षण। 2. रेल व्हील पलांट, बेला में नॉर्मलाइजिंग फर्नेस (NF) एवं ड्रॉ फर्नेस (DF) के हीटिंग चक्र को प्राप्त करने हेतु कार्य क्षेत्र (अनुलग्नक-A एवं B) के अनुसार पाइप्ड नेचुरल गैस सेट (PNG) के लिए स्टैंडबाय व्यवस्था तैयार करने हेतु गैस ट्रेन, वाल्व, पाइप एवं संबंधित अवयवों का डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना एवं कमीशनिंग। **स्थानः** रेल व्हील प्लांट, बेला। **पूर्णता अवधि** : 05 माह। **2. अनुमानित लागत** : ₹ 3,73,98,342.32, **3. जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा राशि (बिड सिक्योरिटी)** : ₹ 7,48,000.00, **4. निविदा बंद होने की तिथि एवं समय** : 08.06.2026 को 15:0 बजे. **5. वेबसाइट विवरण, सूचना पट्ट का स्थान जहाँ निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता हैः** निविदा के पूर्ण विवरण एवं बोली प्रस्तुत करने हेतु निविदाकार/बोलीदाता भारतीय रेल के विशेष निविदा पोर्टल www.ireps.gov.in का अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं को निर्देशित किया जाता है कि उपरोक्त निविदा से संबंधित परिशिष्ट/शुद्धिपत्र/निरस्तीकरण आदि अद्यतनों हेतु IREPS पोर्टल www.ireps.gov.in से निरंतर जुड़े रहें।
**उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/अनुरक्षण**
**रेल व्हील प्लांट, बेला**
आर.डब्ल्यू.पी./सी.पी.आर.ओ./ए.डी.भी.टी./2026-27/19

### चैंपियंस लीग : विला 37 मुकाबलों में 62 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर

# एस्टन विला ने लिवरपूल को हराया, पक्का किया क्वालिफिकेशन

एजेंसी ▶▶ बर्मिंघम

एस्टन विला ने प्रीमियर लीग में लिवरपूल पर 4-2 से शानदार जीत हासिल करके अगले सीजन के यूईएफए चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफिकेशन पक्का कर लिया है। एस्टन विला की तरफ से ओली वॉटकिंस ने शानदार दो गोल किए। इस जीत से एस्टन विला 37 मुकाबलों में 62 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर पहुंच गया है। वहीं, लिवरपूल 59 पॉइंट के साथ पांचवें नंबर पर आ गया और अब क्लब को चैंपियंस लीग में अपनी जगह पक्की करने के लिए एक मुश्किल लड़ाई लड़नी होगी।

### एमरी की टीम ने दिखाया आक्रामक खेल

उनाई एमरी की टीम ने विला पार्क में आक्रामक खेल दिखाया। लिवरपूल ने पहले हाफ में काफी समय तक मैच में कंट्रोल रखा, लेकिन विला ने 42वें मिनट में पहला गोल किया। मॉर्गन रोजर्स के पास पेनल्टी एरिया के बाईं ओर जगह थी और लुकास डिग्ने ने उन्हें पास दिया, और रोजर्स ने आराम से गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया। दूसरे हाफ में जल्द ही लिवरपूल ने बराबरी कर ली। मैच के 52वें मिनट में कप्तान वर्जिल वैन डाइक ने डोमिनिक सोबोस्जलाई के फ्री-किक पर हेडर से गोल किया। कुछ देर बाद मेहमान टीम लगभग मैच में वापसी कर ही ली थी, लेकिन युवा खिलाड़ी रियो न्गुमोहा का दूर से खेला गया जोरदार शॉट गोल पोस्ट से टकरा गया। फिर सोबोस्जलाई की बड़ी गलती का फायदा उठाकर विला ने मैच में अपनी पकड़ को दोबारा से मजबूत कर लिया। ओली वॉटकिंस मौके को भुनाने में सफल रहे और उन्होंने शानदार गोल दागा। इसके बाद भी विला का आक्रामक खेल जारी रहा। एमिलियानो बुएंडिया का शानदार कर्लिंग शॉट भी पोस्ट से टकराया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

## गृह मंत्री शाह बोले- केंद्र सरकार 'ड्रग-फ्री इंडिया' के संकल्प के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध

**200 किलो कैप्टागॉन ड्रग्स सीरिया से भारत पहुंची**

# पहली बार पकड़ा गया 182 करोड़ का 'जिहादी ड्रग्स', एक विदेशी गिरफ्तार

अमित शाह ने कहा कि भारत अपनी जमीन का इस्तेमाल ड्रग्स की तस्करी के लिए किसी भी हाल में नहीं होने देगा और देश में आने या यहां से बाहर भेजे जाने वाले हर एक ग्राम नशीले पदार्थ पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने पहली बार भारत में 'कैप्टागॉन' नामक ड्रग्स की बड़ी खेप जब्त की है। इस कार्रवाई में करीब 182 करोड़ रुपए कीमत की ड्रग्स बरामद की गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को खुद यह जानकारी दी। उन्होंने इसे 'जिहादी ड्रग' बताते हुए कहा कि मोदी सरकार 'ड्रग-फ्री इंडिया' के संकल्प पर पूरी मजबूती से काम कर रही है। उन्होंने इस कार्रवाई को भारत की 'जीरो टॉलरेंस' नीति का मजबूत उदाहरण बताया। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि भारत अपनी जमीन का इस्तेमाल ड्रग्स की तस्करी के लिए किसी भी हाल में नहीं होने देगा और देश में आने या यहां से बाहर भेजे जाने वाले हर एक ग्राम नशीले पदार्थ पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम की सराहना करते हुए उन्हें बहादुर और सतर्क योद्धा बताया।

◆ यह खेप गुजरात और दिल्ली से बरामद की गई

### सऊदी अरब के जेद्दा भेजी जानी थी

एक विदेशी ड्रग कानून प्रवर्तन एजेंसी से प्राप्त सूचना के आधार पर खबर मिली कि भारत का इस्तेमाल कैप्टागन तस्करी के ट्रांजिट पॉइंट के रूप में किया जा रहा है। इसके आधार पर एनसीबी ने नई दिल्ली के नेब सराय क्षेत्र में एक मकान की पहचान की। 11 मई 2026 के दिन को मकान की तलाशी के दौरान एक चपाती कटिंग मशीन में छिपाकर रखी गई लगभग 31.5 किलोग्राम कैप्टागन टैबलेट बरामद की गई। इस खेप को सऊदी अरब के जेद्दा भेजा जाना था। प्रारंभिक जांच में पता चला कि सीरियाई नागरिक डेढ़ साल पहले पर्यटक वीजा पर भारत आया था लेकिन वीजा खत्म होने के बाद वह अवैध रूप से यहां रह रहा था।

### चार साल में कई पोर्ट पर देश में 11,311 करोड़ रुपए की ड्रग्स पकड़ी गई

अमित शाह ने बताया कि 'ऑपरेशन रेजपिल' के तहत एजेंसियों ने यह बड़ी सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि यह खेप पश्चिम एशिया भेजी जानी थी और इस मामले में एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। गृह मंत्री ने कहा कि भारत को ड्रग्स के ट्रांजिट रूट के तौर पर इस्तेमाल करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऑपरेशन रेजपिल के तहत कुल लगभग 227.7 किलो कैप्टागॉन पाउडर जब्त किया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 182 करोड़ रुपए आंकी गई है।

यह जब्ती हाल ही में मुंबई में एनसीबी द्वारा की गई एक अन्य बड़ी कार्रवाई के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है, जिसमें इक्वाडोर से आए कंटेनर में छिपाकर रखी गई 349 किलो उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन बरामद की गई थी। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2020 से 2024 के बीच देश के विभिन्न समुद्री बंदरगाहों पर ड्रग्स की 19 बड़ी खेप पकड़ी गईं, जिनकी कुल कीमत 11,311 करोड़ रुपए से ज्यादा थी। अब कैप्टागॉन की यह पहली बड़ी बरामदगी सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

### दूसरी खेप ऊन के कंटेनर से जब्त की

आरोपी से पूछताछ के बाद 14 मई 2026 को गुजरात के मुंद्रा स्थित कंटेनर फैसिलिटेशन स्टेशन में एक कंटेनर से लगभग 196.2 किलोग्राम कैप्टागॉन पाउडर बरामद किया गया। इस कंटेनर को भेड़ की ऊन से भरा हुआ बताकर सीरिया से आयात किया गया था। शुरुआती जांच से पता चला है कि जब्त खेप को खाड़ी क्षेत्र विशेषकर सऊदी अरब और मिडिल ईस्ट के देशों में भेजा जाना था। जहां कैप्टागन का दुरुपयोग गंभीर चिंता का विषय बन चुका है।

### कैप्टागॉन को कहा जाता है 'जिहादी ड्रग्स'

कैप्टागॉन एक सिंथेटिक एम्फेटामिन आधारित नशीला पदार्थ है, जिसे बेहद खतरनाक और लत लगाने वाला ड्रग माना जाता है। इसे 'जिहादी ड्रग' इसलिए कहा जाता है क्योंकि रिपोर्ट्स के अनुसार आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठन इसका इस्तेमाल लड़ाकों को ज्यादा ऊर्जा, सहनशक्ति और डर कम करने के लिए करते रहे हैं। इसे 'गरीबों की कोकीन' भी कहा जाता है।

## नीदरलैंड के राजा अलेक्जेंडर और रानी मैक्सिमा से मिले पीएम मोदी

# नीदरलैंड ने भारत को पूरे सम्मान के साथ लौटाए 11वीं शताब्दी के 24 चोल ताम्रपत्र

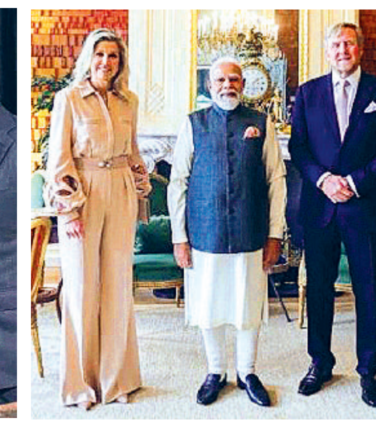

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हेग स्थित रॉयल पैलेस में नीदरलैंड के राजा विलेम अलेक्जेंडर और रानी मैक्सिमा से शिष्टाचार मुलाकात की है। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच भारत और नीदरलैंड की मित्रता को और अधिक बढ़ावा देने से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं पर गहराई के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

पीएम ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी देते हुए बताया कि रॉयल पैलेस में उनकी राजा अलेक्जेंडर और रानी मैक्सिमा के साथ एक अहम मुलाकात हुई। इस क्षण को अद्भुत बताते हुए उन्होंने कहा कि हमारे बीच प्रौद्योगिकी, नवाचार, सतत विकास, वाणिज्य और जल-संसाधनों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में चर्चा की गई है। दोनों देश आपस में अपने साझा हितों और विश्वास से जुड़े हैं। जिसमें भविष्य के लिए तैयार एक ग्रह का निर्माण शामिल है।

**ताजा हुई राजा अलेक्जेंडर की भारत यात्रा की यादें:** विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस मुलाकात में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने 2019 में की गई राजा अलेक्जेंडर की भारत यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि आपकी उसी यात्रा ने दोनों देशों के बीच आपसी रूप से सम्मान को बढ़ाने और संबंधों में एक नई गति प्रदान करने में बेहद अहम भूमिका निभाई थी। दोनों ने शिक्षा, नवाचार, सेमीकंडक्टर, डिजिटल, वाटर-ग्रीन साझेदारी जैसे मौजूदा द्विपक्षीय कदमों में जारी प्रगति को लेकर संतोष प्रकट किया है।

**सौंपे 24 चोल ताम्रपत्र:** नीदरलैंड के शाही परिवार के साथ मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके समकक्ष पीएम रॉब जेटन की मौजूदगी में एक समारोह का आयोजन किया। जिसमें नीदरलैंड ने भारत को 11वीं शताब्दी के छोटे और बड़े मिलाकर कुल 24 चोल ताम्र पत्रों को वापस सौंपने के निर्णय का ऐलान किया। पीएम मोदी ने अपनी एक अन्य एक्स पोस्ट में इस पल को हर भारतीय के लिए आनंद का पल बताया और कहा कि अब नीदरलैंड से 11वीं शताब्दी के चोल ताम्र पत्रों को भारत वापस लाया जाएगा। यह ताम्रपत्र मूलरूप से 21 बड़े और 3 छोटे पत्रों का एक समूह है। जिनमें तमिल में पाठ मौजूद है। यह दुनिया की सबसे सुंदर भाषाओं में से एक हैं।

**राजेंद्र चोल प्रथम के कार्य से जुड़ाव:** उन्होंने यह भी कहा कि ये पत्र राजेंद्र चोल प्रथम के महान कार्य से संबंधित हैं। जो उनके पिता राजराजा प्रथम द्वारा की गई मौखिक प्रतिबद्धता को औपचारिक रूप प्रदान करते हैं।

यह ताम्रपत्र चोलों की महानता को भी बखूबी प्रदर्शित करते हैं। भारतीयों को चोल साम्राज्य, उनकी संस्कृति और समुद्री शक्ति पर अत्यधिक गर्व है। मैं, विशेष रूप से नीदरलैंड की सरकार और लीडेन विश्वविद्यालय को इस बाबत धन्यवाद देता हूं। जहां पर यह ताम्र पत्र मध्य-19वीं शताब्दी से रखे गए थे।